Shri Raghunatha Temple MSS. Library.
JAMMU

३९६९

६५८

No. क-२-(३)

Title सूरसागर :

Author महात्मा सूरदास.

Extent २४३ पत्र Age

Subject भक्तिकाव्य (ऐतिहासिक)

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ਸੰ° ੫੪੮ ਜਿ°੩

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

8469

E - 341 - 583

In complete

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri



पिनमनभायौ हिलमिलकियौसनेहस्रा

पकरमाटउहायौ जुगलकिसोरकेवारने

गईसकलव्रजनारि कुंजकेलमनमैवसी

गायेहूरसंभारि ॥१॥ ग्रथप्रेमलीलागोपि॰

काकोप्रेमवरनन रागबिलावल सखि॰

नीप्रगसौपूरननेह तृपिभानननसिरपरथ

रेकहूतिग्रपालहिलेहु वनबीथन्जुनिजअ

रगलीजहांतहांहरिनांउ समकाईसम॰

कैनहीसिषदैविषकौंगाव पानकियेजे

मैंवाकनीमखविलाकिननमंभार पगउ

मगाजिततितधरैविधुरीग्रलकलिलार

कौनसनैकामोंकहोंकहूंनमानमंकोव

२



© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्मर
स्मा
३४।

341

कोग्रउपथकोमथवलैकोउममकोलेव

विनश्चाकरष्यौनेद्ककेमरलीमथुरवमा३

निद्विलज्ञानगलनीयेमोलनागईलनार

लनानरललनेगानीविवगुरजनगाहिरीय

र उहूँकुलपरसिननहीनिद्विनरनलागी।

वार मलिकानिकठनमनकेलीनैकुसावि

हावि नंउमिलैसलनाभईग्रुवकौननिवे

रेवावि स्यौंदीपकमेदरनिपैवाह्वलषेनकें

३ त्रिनाहिपरमच्चनाटैद्दवागुमकौंनदोयिहो

३ त्रियिमानननोटेरच्यौमचसमोमासिंषु

शुष्ठार उलरिमगाननलैमभईग्रवकौननि

कामनहावि प्रेममगनच्चारेनिभईमरज

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

प्रभुकेसंग अवननैनमुखनासकाझौंको
हरीभवंग ॥१२॥ रागबिलावल रीतीमटकी
सीधैं बनकीचरकीमथनहीकाहूलेहूट॰
हीयहककहटफिरै कबहूकजानकेजभीत॰
रकोलहांस्यामकीमरनकबै बौकिपरनक
हुवनमथप्राबतिनहोतहांमसिमनननरै
नवयहकहनकहौंमैरनसौंश्रमपंशिवन॰
मैहूथामैं हमस्यामकेरसडुबिझाकनवे
सेईरंगवहूरटैं ॥१३॥ रागनट नकनीस्याम
रसमनवारि प्रथमोवनरसवछायोश्रव
हिंमंईक्रमारि हृथनहिटयिनहीमाबनन
हीरीमैमाट महारमंग्रंगाश्रेगाहूरनकहा॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३४२

342

बारकहावार मातपितागृहजनकहांकोकौ
नपतिकोनारि सूरप्रभुकेप्रेमहरनलोकि
रहीब्रजनरनारि ३१५ रागरामकली गोरस
लेझरीकोजआ३ कुमनसोयहकहतडोल
तकौनलेइतुलाइ कबहूंजननानीवकोस
वनातहैंगृजलाइ वबहूबसीवटनिकटज
रहौतहाढीलाइ लेहुगोरसदानमोहनक
हारहैरूपाइ ३गनितमरीजातननाहीलेतर
हौखगाइ सांगलीजैदानअपनोकहतहैंस
मभाइ प्राइहोपुनिरिसकरतनहीरिसौंदे
नवहाइ एकएकहिंवातवरनतकहोगये
कन्हाइ सूरप्रभुकीरंगगावीजियसगोभर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मारु ११५ रागजैतसिरी बैरिगाईमटकी

क्लिरथरके यह्स्नानश्रवहीश्रावतहैगवा

लसघामेंगाहूरिके श्रेंवलसौट्यिमाटउ

गवनहृष्ठिजपनहांपरिके सवनिमट१

कियाशीनीटैसीनकूनीगाईमभरिके क

हिकहिउटिनहांनहांव्वमिलगोरस॰

गघोनहारिके कोऊकोऊकदूनस्ता॰

मछरकायोनाकिट्टेह्लीजरिके श्रृहिमा

रगकोऊजिनश्रावह्लरिमकूहिवलीउ॰

गरके स्नरस्नरननकोकळ्ळाईउनर

तिकामलहूरके ११९ रागनट चक्रित

भईबोछकमारि हमनहीचरगाईतववने

सूर
सा
३४३

343

रहीविचारिविचारि वरहितेहमप्रातआई
सकुचवदनविहार कछुहमतकछुडरत
गुरजननदेतहूहेगारि जोभईसोभईहमक
हारहीपतीवीर सषासंगमिलषाइदधि
तबहीगईबनचारि इहांलैंकीबातजान
तयहुंग्रंवभोभार यहेज्ञाननतसूरकेप्रभ
गईसिरकछूडारि ३७ धनासिरी स्याम
विनायहकौनकरै विनवनहीमोहनी १
लगाइनेकहमनपरसनाहिहदै रोकिर·
ह्यौप्रानहिगाहिमारगलेषौकवितैयदा
नलियौ ननकेकचितवहीनवोलीकछु
पढिकैसिरनाइदैरी मनकेकरनमनो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रघुपूरनवतरनारिइतिभांतिकहैं सूर·
स्यामसनहस्यौहमारोतिहिंवनकउकैसे
निवहैं ११८ रागसोरठ लोकसकुचकान।
तितजी जैसेसानदीसिंधकोधावैवैसेइंस्या
ममजी मातपितात्रासादिषावततैकन
उरीतजी हरिमारिवैदेनहिंलागतवहुतै
विधितमजी मानतनहीलोकमरजादा
हरिकेरंगमजी सूरस्यामकेयोरंगराची
हरदहूनजौंरंगसजी ११९ रागसोरठा
वारवारसजनीसमझावत काहेकौंत।
ततहेतहेडोलतहमकोयुतिहिंलजाव·
ति अपनीकुलकेसुरतकरौथौंसमझवत

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सू.र
सा
३४४
344

ह्रीनिहिंग्रावन दयिवेचडूवरमधैंग्रावडू
काहेकारलगावनि यहहसनिकैमनहर
घवछायोनवरकडुहिवनावनि सनिमैया
दयिमारछायोनिहिडरवालनग्रावन
नानदेडूकेनोदयिछांयोंग्रेसेनवनसना
वन सनोसरडहिवानडगनीमैयालैडुरले
वन ११ धनासिरी पलकगोरनहिंहोन
कन्हाई वरउरननवडूनैविधिज्ञासनला
नकरावनलाननग्राई नैननहांररसनहू
रिग्नरकेघ्रवनछकेसनववनसहाई रस
नाश्रीरकलूनहिंभाघनस्यामस्यामरटयहे
लगाई चितचंचलसंगहींसंगडेलैलोक

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

लाजमरजादमिटाई मनहरिलियोसूरप्र

भुजनबहीननवपुरेकेकहाबसाई ॥२॥ राग

सारंग नैकनहींठहरैंमनलागत मातपि

तागुरजननपरमोधननीकवचनबातनसम

लागतंतिनकोंधिगधिगकहतमनैमनर

नकौंबनैभलेंहीभागत स्यामविमुखनर

नारिहुस्यामसबकैकैसेमनयनसौंग्रहजागत

इनिकोबरनशानदरमैजिनवारबारविथि

सोयहमांगत यहतनसूरस्यामकौंअरपैं

नैकुहरननहिंसोवतजागत ॥२॥ रागके

दूरा इथिवेचतिव्रजगलिनफिरै गोरस

लैनबुलावतकोऊताकीसुधिनहिनैंक

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

धरै उनकेवातसुनततनहींसुवनलिकह
नकहापहचरननदै हथिदहीइहांलेतन·
कोऊपातनहितेंमिरलियेंसुंदें बोलउठीगु
नलेइगुपालहिवरबरलोकलाजनयरै
सूरस्यामकोहूपमहारसजाकेवलका·
हूनरूँ ११२ रागगोरी घाघरमैंकोऊहैं
कैनांही वारवारपूछतिनुलनकोंगोरस
लीजैकैदमजांदी श्याउंहीकहतलेदना
हीदथिमोरहुमनितकजानि मिलितिपर
स्परविदपनिदेषतकहतकहाइतनानि
नाकोकदतिश्रापहमभिनांहीश्रापुनिजा
ननतनाहिं हरस्यामरसभरीगोपिकाव·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नमैथोंविननाहि १२४ रागमलार कोऊ
माईलैहैरीगोपालहिं दधिकोनामस्याम
सुंदरसमविसरायोब्रजबालहिं मटकी
सीसलियेंब्रजडोलतबोलतवचनरसाल
हिं उफनततनकंचहूंदिसचितवतचितला
गयोनंदलालहि हसतरिसातनुलावति·
ब्रजमैंदेथौउलटीचालहि सूरस्यामविनु
श्रीरनभावैयाविरिहिनिवेहालहि १२५
धनासिरी वेचनहैदधिब्रजकीषोरी सिर
कोभारनस्वरतनहिंश्रावनस्यामस्यामरटैर
तिभईबोरी वरवरफिरतगुपालहिवेचन
मगनभईमनगवारकिसोरी सुंदरवदन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सू॰
सा
३४९
346

निहारनकारनअंतरलगीमरनकीडोरी
छाडीरहनिघ्यकिनमारगमैसोकवारमर
कीवनफोरी सूरदासप्रभुरसिकसिरोमन
चितावितामनतलियोप्रजोरी १२९ रामका
न्रा रंगिमरकोसिरलियैंरवारिनीकान्ह
कान्हकाविछोलैरी छिवसभईनसंभारैगोर
साग्रापविकीविनमोलैरी नोईहुब्बनिरा
सोंदिकटाछैनेकलेकुकारिवोलैरी सूरदा
सरमवरमभईरवारिनिनिरहावसमानिभो।
लैरी १३० रामकली गोरसकोनिजनाम
भुलायो लेहुलेहुकोउ गोपालहिगलिन
गलिनघरसोरलगायो कोऊकहैस्याम॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हमकहिकोऊआजदरसनाहीहमपायो

लाकीसथिननकीकछुआवैलेइदहीयह

तिनैसुनायो १ ककहिउदननदानमांगतह

रिकहूँभईकौनमहिवलायो सुनोसूरनक

नीमोवनमहलापरस्यामसहारसपायो २ २८

बिलावल नरनारीसबदूखनधाइ हरिद

हीसटकीमिरलीनेवोलनहोगोपालसुना

३ हमैकरौनमककहनकहारौफिरतिप्राव

हीनेहोआइ गृहहावैकहूँहैकैनाहीपिनामें

नयतिवंफनभाइ इननेउननेउननेइनआर॰

नविधिमरनहारानवैमिराइ सूरस्यामम

नहसोहमारौयहजानीहमवातवनाइ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३४७
347

३४९ रागकान्हरा सोरिनिफिरनहिहालसौ
तूथिमरकोमिरलीनेज्ञोलिनरसनारटनि॰
ग्रुपालसौ गेहनेहसाधिहेहाविसारीन्नीयप
सौहरिषालसौ साकामथामनिनवामरचौ
रविरहिनभईनैनालसौ कुलकननकउ
फनश्रृंगाराधननहिनाननानिहिकालसौ
सूरदासचितोरनहीकहूंमनलागपोनेरहेलै
लसौ ३३० रागमलार कोटीमरकोम॰
धुरीचाल चेलीगोरसवेचनबालरसाल
हमावराइउदिचलीशनहीविघरीकतुसा
हनिउरमाल गेहनेहसाधिनेकनश्रावन
गोरहीननिभवनेनाल श्रीरकहनश्रीरे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कहिस्वबनमनमोहनकीपीरीषियाल
जोईजोईसूझनहैकहायामैकहतफिरत
कोऊलेहुगोपाल सूरदासप्रभुकेरसव
सहैचतरग्वारिनीभईविहाल ॥२३॥ धना
सिरी कहतनंदघरमोहनवनावहु हारमो
कवातघरपूछनवारवारकहैकहांदिषा
वहु याहीगांवकियौंग्रौरैकहूंनहांसहर
कोगोरह वहुतहूरतेमैआईहौंकहेजसका
हेनलेहु सुनिहीसेभ्रमभईग्वारिनीहारे·
हीपरहाठी सूरदासस्वामीकोप्रटकीप्रे
मपगटसुनवाठी ॥२[illegible]॥ रागगौडमलार
नंदकेहारनंदगोहपूछै उनहितैंजानतउन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

उनहितैंफिरतउतनिकटह्वैजातनहिंनैकसु
कै भईवेहालनंदलालब्रजवालहितब्र
पितनमनसूवैतिनैहीनों लोकलजातजी
लाजदेषतलजीस्यामकोभजीकछुउरन
कीनो भूलगयौनामदधिकोकहतस्याम
यौनांहीसुधिधामकछुहैकिनाही सूरप्र
भुकोमिलीमेटिभलश्रनभलीहूनहरदीर
लीदेहछांई ॥३३ रागधनाश्री बारबार
मटिकहासुनावत नैकहूंटरतनहींहिरदै
तेजितीभांतिमनकोसमझावत यासीक.
हादेतसुहिमननीतनोवरीसज्ञान सूपने
सीवहुतेमैकीनीररतननेतोशान लोचन.

श्रीरवनदेषनकाहूश्रीमननतनहिकान सर·

स्यामकौनैकमिलावइकहतरहतघटश

न १३४ मेरीकहेमैंकोऊनाहिं कहाकहो

कछुकहिनश्रावैनकहूंनउराहि नैंननेह·

विरहमलोभीश्रवनसहूरमाल प्रथमंही

मनगयोननतजिनवभईवेहाल इंद्रिया

नितरभूपमनहैमवनिलियोवुलाइ सरप

भुकौंमिलेसवपमोहिकरगपवाइ १३५

रागगौरी कहाकरौंमनहाथनही नेमोसो

यहकहतमलैंगीश्रपनोवितमोहिदेनन·

हीं नैनरूपश्रटकेनहीश्रावतश्रवनरहेस

मनवाननही इंद्रीयाइमिलीसवउनकौंन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

349

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रि अनदकाहेनसमझकदेषनकलौंमनि

रीनारि ओछीबुधिनेकरेमननीलाजही·

नीशरि लाजआवतमोहिमोहिमननमन·

नोहिकहननंवारि ज्यावनाहिनेआवईमघ

कहननोहिपुकारि ॥३८॥ धनासिरी कहा·

कहननेमहिरीमाई नेटनेटनमनहहालि

योमेरेनवतैमाकौंकछनमहाई अवलोन·

हिलाननमेंकोहैकिननैनूमिरेढिगआई

कहांगेहकहांमातपिताहैकहांमननगुरु

ननकहांभाई कैसीलाजकानहैकैसीकहै

कहनिहैहैरिमहाई अवतौमरमनीनेटला

लहिंकैनकनाकैदोउबडाई ॥३९॥ धनासिरी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३५०
350

गोविंदसौंप्रीतकरततबहिंक्यौंनहटकी
अबतौबातफैलिगईजैसेबीजबटकी घर॰
घरनितयहैघैरुबानीघटघटकी मैंतौयह
सबैसहीलोकलाजपटकी मदकीहस्ती
समानफिरतप्रेमलटकी खेलतमैंचूकपरी
मरतकलानटकी जलरजमिलिगाढ़िप
रीरसनाहरिरटकी छूटतेछूटैनहींकरईबा
रफरटकी मिटैकबहूंनमिटतछायापरीटट
की सूरदासप्रभुकीछबिहृदयमांझअटकी
७४ रागगौरी अबतौप्रगटभईजगजानी
वामोहनसौंप्रीतनिरंतरक्यौंअबरहैगीछानी
कहांकरौंसुंदरमूरतयननैननिमांझसमा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नी निकसतननहीवढ़तपविदारीरोमरोम
ऊनी अबकैसेनिरवारिजानतिहैमिलीहू
धनोपानी सूरदासप्रभुअंतरजामीउरमें।
तरकीमानी ३५। गौरी कहाकरैगोकोऊ
मेरौ हौंअपनेपतिअनदिनटरहौजगउप
हासकरौवहतेरो कोऊकिनलैपाछैंसष
फेरौंकोऊकहिअबनसुनाइनदैरौं होम
निकसलनोंदिनेकोंबीहरिसंगखाडिफि
रौफेरौ अबनौत्रियऐसीबनिआईस्याम·
धामनिनकरौवसेरौ निदरिरंगसूररंगपौ।
मनमिलिकैहोतननेसुकरुनफिरपौरौ
३६। आसावरी सषीरीस्यामहिमोंमनमा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३५।
351

मौ नीके कै रैं चित कमल नैन सो चालिए।
कहा सांन्यौ लोक लाज उपहास न मानों रै
निआपनै आन्यौ याको बिंद चेद के कारन बै
रस बनि सौंटान्यौ अब कौ जान लिदे रसही
तो मिल्यौ पकराप जान्यौ सूरदास प्रभु मेरे
जीवन है पहिलो पहिचान्यौ ।१४३। राग क·
ली मेरे मन हरि चितवन उरझानौ फेरत
कमल द्वार है निकसे करत सिंगार भुला·
नो अरुन अधर दसन निउ तन या जनति मोह
न मारि मसकानो उरथित न नयन नपोत
कमल मैं बरन बहुरि बैंकै मानों अहिबस·
मगन रहति नि मवा सरदा अनीत न हीजा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नौ सुरारामखिलनमंगाहोलकौनोवहिह॰
पमसानो १४४ केराग नाहिनैरयोमन
मेहोर नेदनंदनग्रुखनकैमेग्रानिथेउर॰
ग्रोर चलनखिलवनदिवमनागतिमघन॰
मोवतिगति हृदथनेवहमदनमूगतिखन
नश्तनउतनगति कथनकथाग्रनेककोङ
लोकलोमहिषाउ कहाकरोविनस्पामसं
दरखदनसिंधमनमाउ स्पामगानमनोज॰
ग्रानललितमृडमघहाम सुरबेमेदर।
कारनमरनलोवनप्पाम १४५ रागदान्
रा मेमनग्रपनोहरमोंनोस्यों हृदिमोंनोर
मवनमोनोस्यों नाबकक्योजवहंवदलो॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३५२

352

सौं लोकलाजतुरफटकपिछोसौं आगे
पाछैंनीचेहैसौं कहाभयोकाहूसबफे॰
सौ मोंकिवाटमटकीसिरफोसौ कहि
कहिकासौंकरौनिहासौं सूरदासप्रभुसों
चितनोसौकहाभयोकाहूहितनोसौ ॥५॥ ९
रागगुडाना मेरववदनरी सुषमदनसाम
कैनिरषिनैनमनथाकौ वारकमोवीघ
नहैनिकमेउफघगेघिफांकौं लालनई॰
कवतगाईकीनीगेंतुउछारगगिनासिमना
कौ वागैलाजवैरनभईमोकोंमैंगवारम
घराकौ कछकरगपतनकवितवनमै
तातैरहतमानमटछाकौ सूरदासप्रभु॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सरवमलैगएहमनहमनरथहाकौ ॥१४॥ १

रामकली आजुसखिदेखेस्यामनपरी नि

कसेआइअचानकअबहीहंसाफिरिफिरि

चितपरी होतनवतेपछतानतयहैतननैनति

वहूतभपरी जोविधिनाएतीजानतहैक

तहगातोइहपरी सबहेलैउलाषलोचनस

खीजोकोऊवरतननखेरी हरिप्रतिअंगवि

लोकननकौमैअनकरिकैपरखेरी अपनी

चौपबहूतकहांपैयेयेऊहूरिसंगगापरी

थकेचरनसगनसखांधिगुनमरनवानव

धपरी ॥१४८॥ रागगौरी व्रजललनाटेखनाग

रथरकौ इकइकअंगअंगअंगपरीफीउरकी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३५३

353

मुरलीधरकौं मनोचित्रकीसीलिषका ।
ढौसुघनाहीवनचरकौं लोकलाजकुल
कानभुलानीलख्योस्यामसुंदरकौं कोउ
बिसाइकोऊनाहरकैहैकछुउरैनकाहूडर
कौं सूरदासप्रभुसोमनमान्यौजनमजनम
मनदनरकौं ॥३४९॥ रागधनाश्री गोवर
सनइननैंदिवसनमैंश्रानकोनूमैंदेषे नो
दिनगायेविनाहरिहरसननतेसवलिषग्रले
षे कहियेनोतौहोइसषीरीकहियेश्रुतमा
नै नंदकुमारनिकाइकोमुषलैंननहीपरि
वानैं नवनेकघटकोभीलागीनगामसमान॰
पलविनटर कलमरनारसंवाइसूरप्रभु

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

फिरिफिरिसुखलननचितवत ७५॰ जैतसि
री मेरेलोचनलालचीभए मारंगरिझुके
रहतनरोकेहटिसकुपगाढए काजरऊ॰
लफकियेहीरसबसपलककपाटदए वर
जोरदीवरज्योनहीमानतवढ़ेरसमापेरा॰
ए लखकेरहतहैरूपकेमातेनेंटनेंटनीक
ए सरदासप्रभुमोहनमूरतविनगाथमोल
लिये ७५। कान्हरा मारईंगीकोनानैहटिक
हाकियौ मनसमकुतमसककहतनसावे
कलुइकरसनैननिनपियौ हाठीहूतीस
केलीसांगनसांइसुधानकरदसमदियौ क
छुमधियतुपियनरहीउनचितवतमनमेरोयौं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३५४

354

पलटलियै स्वरसनशौरडुसहटुषमाईलि
न[illegible]नजरनलडाननिद्दियै सूरसकलशा·
नेटउरश्रेनरउपस्माकोपावतानविवियै १५२
गगसारेग [illegible] नैरेनैननिहीसवषोर स्पाम·
सेटरश्चिविनिरषजस्पटकोफिरेनहीसति
घोरी नइपिजननकिथेविनवनमैहूंच·
टस्रोटश्चकोर न[illegible]पउडिमिलेवहूकमषा
नौपलकथिनगारोर ब्रुधिविवेकवलव·
चनचातगीहटकारिलीनीचोर विवसेभई
मोहनसंगाडोलतिजौगु[illegible]यासंगडोर ग्र·
वधोकौनहेनहरिहमसोंहेरिहसैमषमो·
र सूरस्पामहोऊदृभगालशोवरडुमगाचले

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मिलपकोर १५३ रागसारंग नादिननेस्मा

महाहिपरेरी नादिननेमेरेइननैननि[illegible]ौर

भयोउछविसरेरी संदबश्रेगगुपाललाल

केश्रेमपपूछभरेरी बसीवैस्लमकानमा

भुरीरविरविभवनकरेरी पटवलननम

नतिनैमनावननिसदिनरहलधरेरी ग्यौ

ग्यौननननकरनउलटा[illegible]नग्यौग्योहदनष

रेरी घकौंमकलममफाइछविनिवप१

लपलहहपरेरी सूरदासनिरषनयहसो

भाधनिधुनिप्रगटकरेरी १५४ धनासिरी

एकगांवकोवासधीरजकैसेकैनथरौं

लोचनमधुपअटकनहिमाननननहपि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३५५
355

जननकरौं उननैं वैश्रावननमोचावनहौं दृथि
लैनिकरौं हरषनरोमहोनगदगदस्वरश्रा
नेदउमगनमरौं बिनदेषेंछिनजानकलप·
समबिरहाग्रगनजरौं सूरदासहौंकवलो
श्रुतदिनश्रावनपंथउरौ १५५ रागसारंग
बिकानीहरिमुषकीमुसकान बरबस·
भईफिरलटंसानिसदिनसहजपरीउहवा
न नैनलिनिरषिवसीटीकीनीमनमिल
योलैपानि ज्योंरतिनाथ्यनोकानिजग्रते
हरिकोंस्वपनेश्रानि सुनिमिषमसफ·
स्यामसंदरकोंदासीसवजगजानि श्रव·
नोकरनकटनजोकीजैसूगुमसाथैमा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ति गईलाजअभिमानमोहमनलपिनपुर

जनपहिचानि सूरसिंधुमनमाजलजैसे

मनमाहूंदहिवानि १५८ विलावल नैननि

सिषवनहारपरी कमलनैनमोहनमुषनि

रषतरहतननपकघरी मैंकुलकोनमोनस

निमननीहुंघटओटकरी पच्छकलाइसि.

लेहरिलैमननतनकीसोधिदिसरी वेदवद

नकछिविचितवनइकटकतेनटरी सूरदास

प्रभुलोकवेदकीमरजादानइरी १५९ जै.

नभिरी लोचनभईपंछेरीमाई लुवधेसमा

मरूपवारैंकोअलकफंदपरीजाई मोरम

कुटदारीभईमानोंवेदनललितत्रिभंगा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

खिनवनिलकलासलटकानिपियकोपाल
लकननेग दोविमहनिमहकानिपियाकी
लोभपिंजनसकरी सूरदासमनत्याधहमाते
गृहवनितेजनिसारी १५८ धनासिरी मेरे
नैनकुरंगभये जोवननेमैनिकसवलीय.
सवलीनादरस रूपव्याधिकुंदलहुनिन्ना.
लाकिंकिनिवेरानोष व्याकुलहोडेणकट
कटेषतनगकनननननसेनोष मोहकमान
नैननसरमांधेमारननचितवनवाक सूरसही
नहीरहतमरुपप्रभुसंदहमननसरयाति १५९
धनासिरी मेरेनिठुरननैहीजनाकोऊ जैसे
निठुरभएहौललहेसेनैनाहेक निठुरसह

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नभ्यौंससिचकोरकौंवेउनविनभ्रजलादि
निठुरवहिनदीपकपतंगन्यौंउडिपरिपरि
मरतेंहि निठुरवहननैसेनलमानहिहम
नीचहिदमाई स्वदासधिगाधिगहैतिनको
त्रिवनहीपीरघणाई १८ रागसारंग नैनां
हूघटमैंनसमात सुंदरवदननंदनंदनको
निरषनिरषनग्रघात ग्रनिरमलवधमहा
रमलंपटल्लाननपकनवात कहाकरोट
रसनसूषमानेसोरभधेग्रझलात वारवार
वरजनतमैंहारीनरूटेवनहींजात सूरतन·
कोटिनिधरविनदेषेंग्रलपकलपसमतसमात
१९ सारंग वडोनिठुरविधिनापहृदेषो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३५८
357

नवनैनंदनंदकीछविकौंवारवारगुवरैछौ
नखअंगुरीपगजानुजंघकटिरविकीनोप॰
रिमान हृदयबाहुकरअंसग्रीवामुखवगुनि।
संदरमान श्रुतदरदसननरसनानासानीवसस्थ॰
ववनैननउरभाल स्वरोमनितेचवनदेनौदे॰
घनवदनकगुपाल १८३ इतिश्रीदशमस्कंधे
अष्टाविंशतितमोध्यायः २८ अथवेणाध्याय।
लीला नाकोन्यामसबरननराम हैंगंधर्व॰
विद्याहिचितहैमनोंविधिवपविलास किंगो
प्रथमकुमारकनअंतधरिहूहैविस्तास ने
हूसनपतिरेद्दूहैवीहूसमनकोवास रि॰
यौननवए॰ मारसबकोंभयौमवनहुलास

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मिहरनन यापुलनवननेविमलजलउ
ल्लास धरिलसनन्हसरस्निसकेसोयिक
तिगुनशास सोरसझटसमोरसनौकटक
केंकनभास वेद्युनिसनिस्वनथाईक
मलवटनप्रकास स्वपधिप्रतिस्वपकी
नेभ्रनाग्रेंसनिवास स्वयरमफमफपरक
करिकैकरनज्ञाननहास फिरनभांवि
गिरनभूषनश्रीगिनिमनोउनास स्वरना·
त्रिकौनक[illegible]गिग्राइंक्वाटिसनपतिवास
त्रिपपरीग्रेंथसकौनक्वौरेनिकटननेटन
सास निरषिक्षन[illegible]नक्रससग्रेनलवर:
पचिरिसप्रकास लैनथारम[illegible]सकोस

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सु.रा
मा
३५८
358

घरसिकसुरजनदास ॥९॥ मलार महलानि
क्रिटेखिहरिहरबधामोगो विपनहूटरामबन·
मभगफलेसमनसामराविमामकेमनरि
भागौ परमउजलहैंनछिटकरहीभूमपर
मदाफलनतकनिप्रतिलटकिलागे दैसोई
परमदमनीकनसनापुनललनत्रिविधयवहि
पवनखानंदमागे सधिकारवनवनभव
नमषादेखिकैमुधरधारिवेत्रुमोललिनगा
ई नामलैलैसकलगोपकन्यानकेसव·
नकेघ्रवनयहपुनिसहाई मनलउपन्यो
हैलपरतकाहूनवेनसहूसनिघ्रवनभई
विकलमावी सवपुरुपाजयरिकैवली

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

उठि सवै भवन जन नेह तजि गोघन तारी १६८
रागगौरी मरली मनन भई सव ठौरी म॰
नोपरी सिर मांहद गौरी जो नै सै सो तै सैं रही
नन व्याकुल सव भई किसोरी कोऊ धरली
कोऊ मगन निहारै कोऊ गिरि करने वास॰
नडारै वरहुलतक निसवै वितनानी मन॰
मन कहत कौंन यह वानी लै लै नाम सव
निकौ टेरैं कोऊ लिलवननवरी नेंहरैं को
ऊउटिचली जैसैं रहीं तैसैं हरपाखे मरली॰
धुनि सैसैं कोऊ मन ही मन गुणिय विचारैं
कोऊ वालक नंदी गोर संभारै सनपतिस्रो
रनपंथ पंथमलानी कूंढन चरनी फिर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३५६

359

नविलानी लैलैनावसवनकोटैरें मुरली·
धुनघरहीकेनेरें कोऊनेवनपतिहेतनहेरें
कोऊदधिमेजामनफेरें घरपाछेमुरली·
फनिश्रेसें फिरघावेघरहीमेंवसें कोऊउ
टिवलीजेसेहूंतेसें श्रोगनगाईनहावहवे
मैं शृंकशृंहननननहूंस्नाधिनांही कोऊ
कहैकोऊककजांही कोऊनिरषननहीं
कहूमांही मुरफौमटननतहनिसवदा·
हीं व्याकुलभरसवेव्रजनारी मुरलीसों
वोलीगिरधारी वलीसवेजहंतहांसकू।
मारी उपजीप्रीतहदैश्रतिभारी मुरली·
स्यामअनूपवनाई विधिमुरजारासवनि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मुलाई निमिवनकोसवन्नवनीध्याई ३

लटेङ्ग्रेगभूषनमाई कोऊवलीचरनहार

लपटाई काह्नचैकोअजनवनाइ श्रेगि·

याकटलहिगाउवलाई यहसोभावरनीन

हिंनाई कोऊउदिचलीजातहैकोऊ कोऊ

मगागईमिलीमगकोऊ स्नरत्नासप्रञ्जे

नविहारी सरदासरसरीनविथारी ७६९

रागविहागाउ सरलीसनतउपनीबाई

स्यामसोंप्रतिभावभाथौंचलीसवप्रऊला

३ गुरूजननिभेटकाहूकस्योंनहीउना

रि स्नरथैनचलीचरनितेंनृथननृथानिना

रि नेंरनेंरनितकनिवोलीसरदनिसके

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३६०
360

हेत छविसदनतनवनकौंचलीवेसूरअंड्स

चेत ॥७॥ गौडमलार सुनतमुरलीभवन

उनडरनकीनौ स्यामपैविनपइंचाइपाहि

लैहियौआपउहिवलीसुयिमदनदीनौ क

हतमनकामनाआनपूरनकरैनेदनंदनि

सवनिवनतुलाई नानिलाइकभजेतहनि

सुनपातितजेकाहूनहिंलनेप्रतिप्रेमधाई

नस्यौकुलधर्मगोधनभवननतनजीपरी

रसक्रमवनकहुनभावै सूरप्रभुसौंप्रेम

सन्पकरिकैकियौमनगायौनहाइनकौतु

लावै ॥८॥ रागसोरठा मुरलीमधुरभजाई

स्याम मनहरिलियौभवननहिंभावैव्याा।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

फलबन्नकीबास भोजनभूषनकीसुध·
नारीनरनकीनहीसंभार गृहगृहफलालसत
सोनासौउरैनहीखोहार करतसिंगारविव
समभईश्रंगनाश्रंगनिगईभुलाई सुरस्यामव
नवैउवनावतचितहितरासरमाई ११२ गो
उमलार करतसिंगारबनवतीभुलाही श्रंग
कीसुधनहीउलटिश्रमरनधरैपकनपक
नकछुसरतनाही नैनश्रांननश्रधरश्रांन
हैहरषसोष्वननताटंकउलटेसंवारे सुरभ
भुसषलतिनवैउभुनिवनसुनतवलीवे·
हालश्रंवलनधरै ११३ रागनट हरिसुध
सुनतवैनरसाल विरहव्याकुलभईबाला

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३६१
361

चलतनहांगोपाल पयद्रावततजिवली
कोऊरह्यौधीरजनाहिं धामननपतिसुन॰
विसारीस्याममनमनचाहि एकउफनत॰
हीचलीउठिधायौनाहिउनारि एकजोवन
करतन्यान्योचढीहुल्हैहारि एकभोजनक
रतंसूरनगईवैसेईन्यारि सूरप्रभुकेपासन
रतहिउठिगयौमनभारि ११८ रामकली
मनगयौचितस्यामसौलागयौं नानाविधि
नेवनकोपरस्यौंप्रकृघनिवावनन्यागयौ ३
कपयप्यावततजिचलीवालककोरुनहीं
तवकीनो चलीधाइप्रकुलाइसकुचततजि
वोलवेनुधुनलीनो ३कपतिसवाकरतव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

लीउरिग्राऊलतनमथिनाहीं सूरनिदर
विधिकीमरजादानिसवनकोसवनाहीं
११५ नैनसिरी नवतैंमुरलीश्रवनपरी
वक्रतभएगोपकंन्यासवकामथामविस
री ऊलमरजाददेवकीग्रलानैकहूंनाहि
डरी स्यामसिंधफललनामलितागानजल
कीधरनिधरी श्रंगमर्दनकरिवेकोलागी
उवटनतेलभरी जोजहिभांतिचलसोतै॰
सैनिसिवनकोंजघरी सतपतिनेहभव
ननसेकालजानहीकरी सूरदासप्र॰
भुमनहरिलीनोनागरनवलहरी ११६
रागकेदारा सनतमुरलीशाहूब्रजनारि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

करतननसिंगारभूलीकामगयौतनस्या·
रि चरनसौंगहिहारकाथौंनैनदेषतनै
हि केतुकीकहसाजलहिंगाथरतहिदै
मोहि चतुरनाहरिचोरलीनीभईभोरीवा·
ल सूरप्रभुरतिकामसमोहनरच्योरासमो
पाल ११३ रागरामकली ब्रजनववनीम·
नहरेयौंकन्हाई रागरंगरसरविमनभायो
निसवननारितुलाई नपननमारिवहृत
श्रमकीनौसोफलसूरनदीन वेनुनाद
सविवसकराईसुनिधुनिकीनोलीन ना
कोमनहरिलियोस्यामघननाहिंसंभारकौ
न सूररासमन्योनारिकंतमिलकरैसभा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

बैसौन ११८ धनासिरी बलीबनबेनुस॰

नतसबथाई मातपिताबेसूप्रतिज्ञासत॰

नातिकहांप्रकलाई सकुचनहीसंकाक

छुनाहीबैनिकहांतमनाति जननीकह

नदईकीबालीकाहेकोंइननात मानति

नाहिंप्रौरबरिसबनिनि[illegible]सीनाननिनोरि जै

सेजलप्रवाहभाहैंकोसोकोसकैबहोरि

मौकोंबलीभवेंगमसमागतमातपितामौ

मागो सूरस्यामकेहाथबिकानीप्रलिन्ने॰

वृजप्रत्रुरागो ११९ रागमलार सूननम

वलीनसकोधीरधरिकै बलीपितमात

अपमानकरिकै लरतनिकसीसबैनोरि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३६३
363

फरिकै भई आनन्दवदन दरसहरिकै जो॰
जाहि भजै सोई ताहि हि जानी कोऊ कछु कहै॰
सब निरसवानी ताबिना नाहि कछु नहीं ।
भावै औरकर जोरि कोटिक दिषावै शीत
की कहा वैरीत जानै औरकर तन नवानीव
घानै ज्यौं नदी सिंधु बिनक हूं न जाई सूर
वैसी दसा उनहूं पाई ७८ सूहो बिलावल
घरघरतैं निकसी ब्रजवाला लैलै नाम॰
जवलनिननीके मुरलीमै सुनि नितनका ।
ला इक मारग आइ कुवरतैं निकसी एकम
ई वेहाला एकनदी भवननितैं निकरी
निदिलै आपो परमकृपाला यह महिमा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पईपैनानैकविसैंवरननिनाई सूरस्या
मरसरीतनासमुखविनदेखेनहिंसुखावनिगे
३ १८१ रागविहागरा श्रेगनकोमथविस
रगाई स्यामसुधरसुनिमृदुलमुरलिकाव
क्तिननारिभई जोजैसैसोतैसैरहिगाईसु
खदुखकतौंननाई लिखीचित्रसीसूरस
रहिगाईइकटकपलविसराई १८२ विहाग
रा सुनियतवनमुरलीकीवाजन पपी।
हागूंनकोकिलवनकूजतभ्रमरनकी
गाजन यहैशब्दसुनियतगोकुलमैमोह
नरूपविराजन सूरदासप्रभुमिलीराधि
काअंगअंगकरिसाजन १८३ रागमला

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

२ सुनौ हरि मुरली मधुर बजाई मोहे सुर
नर नारि निरंतन ब्रज बनिता मिलि धाई जमु-
ना नीर प्रवाह थकित भयौ पवन रह्यौ मुर।
झाई खग मृग मीन अधीन भये सब अपनी
गति बिसराई द्रुम बेली अनुराग पुलकित
न मनसि नहिं निसा घटाई सूरस्याम बृंदाब-
न बिहरत चली सखी सुखपाई १८४ रागके
दारा मुरली धुन करी बलबीर सरद नि
सि को इंदु पूरन देखि मन नातीर सुनत सो
धुनि भई व्याकुल सकल गोप कुमारि स्रं
ग भूषन उलट साजे नरही कछु न संभारि गा
ई सो गर मरम सहित पैल्ला डि सुत पति नेह गे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

किराषीकेंतनपकहुगापनत्रिनित्रदेह दि
यौतिहिंनिरवानपरहरिचितैलोचनकोर
हुरभत्रिगोविंदतें त्रगमोहवंधनतोर ७
रागसारेग हुनोहुककलैौंपरीछिनराउ
गोपितुपरमकोंतिहरित्राम्योलष्योनव
लहुभाउ गुनमयध्यानकियैंनिरगुनप
हपायोकहितिहिभाउ सिरेत्रियसंदेहव·
हैयहमनवरदेहूनमाउ हुककलैौवैर
भावउरराषैंहुककनभयौमिहुपाल गोपी
हरिकीप्रियहुकनिभईकहाश्रवरजभूपा
ल कामक्रोधभयनेहहुहृदनाकाद्दवि
धिकरिकोई धरैध्यानहरिकोनोरठक

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रिझ्रसह्हरिसोहोइ रागमलार सुनतही
वैनथकनचलीनारी लोकलज्जानिदरिभ
वनतजिसुंदरीमिलीवननाइकैवनविहा
री दरसकेलहुतमनहरषसवडुनभयो
परसकैसाथफ्रतिकरतभारी यहैमन॰
वचकर्मनत्यौसतपतिधर्मामिटिगयोय।
मेंनहिलाजगारी मनैनिहिंभावत्यौंसि
लैहरिताहिस्यौंभेदभेदानहीपुरुषनारी
सुरप्रभुस्यामचतनवामसुन्नतरकामसिली
वनधामसतिरितजधारी ७८ रागसूहो
देषिस्यामसमनहरषवढायो तैसीयेसर॰
दचांदनीनिर्मलतैसोरागरंगउपजायो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नैसेयेकनकवरननतनसंद्विरइहिसोभाप

रमनललवायौ नैसोईहंसमत्नापविइत

टनैसोइकलपहृद्धसघटायौ करोमनोर॰

घप्ररनसवकेइहिंग्रेनरइकषेलउपायौ

सूरस्पामरविकपटचनरईजवतिउकेय

हृभरमायौ ४८८ रागविहागड़ा निसका

हेकोंवनउटियाई हेसिहंसिस्पामकहृत

हैसेंदविगाईतमवृजकोपंथभुलाई गाईर

हीरधिवेवनमध्यकरानहंकलुग्राम्नग्रवेर॰

लगाई ग्रनग्रमभयौवनहिकौग्राईमार

गवहृकहिसेनवनाई नाहनाहुवरनरत

नवतिगनषीननगुरुननकहिंउरपाइ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सू
सा
३९९
399

कौंगोकुलनेगावनकिथौंनमयहूवानन·

कहिनहीभलाई यहहुनिकैवजनवामक

हुतभइकहाकरतगिरधरबनराइ सूरना

मलैलैननननिकेमुरलीवारेंवारभनाई

३८४ रागविहागरा यहहिनकरोवोषक

मार हमवनराइंनहीकीनीतमचतरसव

रवारि कहांहमकहांतुमरहौसुरककहांम

रलीनाट करतहौंपरिहासहमसौंतनोथ

हरसवार वड़ेकीतमवहूवेटीनामपैकि·

ननाई ऐसीनिसवनरौरधाईहमेटोसल

गाई भलीयहहनमकरीनारीयजनहूंफि

रहवरनाइ सूरकौंनमनिदुरिघ्राइनाहि·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तुमरेनाहू ७५ जैतसिरी मातपितातुम
रेयौनाही वारंवारकमलदललोचनय॰
हकहिकहिपछिताही उनकेंलाजनहीं
वनतुमकोंआवनहीनीरान सवसुंदरस
वहीनवजोवननिठुरग्रहीरकीजात कै
तुमकहिआईकैग्रेसेहीकहियेकैसीरी
न सूरतुमैंयहनहीहूफियेकरीवडीविप
रीत ७६ रामकली अवतुमकलोहमा
रोमानौ वनमेंआइरैनसुघदेष्योयहैले॰
उसुघनानो अवजैसीकीजोजिनकवहूं
जाननहोमनतुमहूं यहयौंसुनेकहूंथो
जोकोउतमैंलाजग्रहहमसमहूं आजव।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

इतनहमहूंसरमानेमहलीदेखनजायौ जैसो
कियौलह्यौफलतैसोहमहीहूषनआयौ
श्रवनमनाइभवनपतिसूनोपरमेसुरकी॰
नोइ सूरस्यामजुवतिनसौंयहकहिकहि
अपराधछमाँही ॥१२॥ सहोबिलावल ॥ य
हजुवतिनुकोधर्मनहोइ धिगसोनारिपुरु
षजोत्यागैधिगसोपतिजोत्यागैजोइ पति
कोधर्मयहैप्रतिपालैजुवतीसेवाहीकोध
र्म जुवतीसेवातउनत्यागैजोपतिकरैको
टिअपकर्म बनमैरैनवासनहिंकीजैदेख
नहूंरावनआइ विविधसुमनसोभितललनसु॰
मानलतिविविधसमीरपरमसुखपाइ बरही

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मैंतुमधर्मसहाईसतपतिदुषितहोततमना

हु सुरस्यामयहकहिपरमोधनसेवाकर्यौंन

स्वरनाहू ॥१४३॥ रागबिहागड़ा इहिबिधिब

वहेमारगसहनौ कपटतजिपतिकरौहुनाक

हातमनियगुनौ कंतमानौंभवनरोगीघोर

नेहीउपाइ ताहितजिकौंवनहिआईकहापै

पैआइ हृदयगुरुबिनभागाहुकोपततनौप

तिहोइ नौवहमूरषवहुहोइरोगीतजैनांही॥

नौर यहैमैप्रनकरततमसौंजगतमैयहसा

र सरपतिसेवाबिनाक्यौंनरोगीसंसार ॥१४४॥

बिहागड़ा कहाभयौनौहमपैआई हमहु

कौबिधिकौंउरभारीग्रनहुंनाहवंडाई नजि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३६८

368

भजिनाथश्रौरजौभजियौसोकुलीननहिहोइ
मरैनरकजीवतयाजगमैभलौकहैनहीको
ई हमजोकहतसबैतुमजानततुमहोचतुर
सुजान सुनोसूरचरणाङहमदूघरजैहैहो·
नविहान २६५ रागबिहागरा निठुरबचन
सुनस्यामकेजुवतीबिकलानी चकितभई
सबसुनरहीनहिश्रावैबानी मनोतमारक·
मलनपरयोशुभसेकुमलानी मनोमहानिधि
पाइकैषोयेंपछिनानी श्रैसेहैगईतनदसापि
यकीसुनिबानी सूरबिरहव्याकुलभईबू·
डीबिनुपानी २६६ रागमारु स्यामउरसीनस
घकपरबानी जुवतिव्याकुलभईपरनिसब

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

गिरिगिराई श्रमगई हूटन हि भेद ज्ञानी हमन
नेहलालमनमनकरत ष्यालपभई खजवा·
लवेहालभारी रूदनजलनदीसबवहि वैलै
उरजविवमनोंगिरिफोरि सलतापनारी श्रे
गध्याकिविध्याकिनहि वलनकोऊ पंथलेना
उरसभावहारिनहिग्यानी सूरप्रभुनिठुरक
रियाकहाहूं रहेनमविनाश्रोरकोकहैज्ञानी
२९३ जैनामिरी निठुरवचनजिनवोलौस्या
म श्रासनिरासकरौजिनहमरीव्याकुलव।
चनकहतिहैवाम श्रेनरकपटहूरकरिश।
रौहमतनकृपानिहारौ कृपासिंधुनसकौ·
सवगावतश्रपनोनामसंभारौ हमकोंसर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३९५

नश्रौरनहीसहुकैकापैसबहुमनोहिं सू३।
दासप्रभुनिजिदासिनिकोहूककहापछि
नोहिं १९८ जैतसिरी तुमपावनहुमचोप
नजोंहिं कहाजाउहुमलैंहेब्रजमैंयहहुह॰
सनत्रिभुवनमैनोहिं तुमहूंतेकोऊनांही
प्रीतमकोटिकहौनहिमानै काकेपितामा
तहैंकाकेकाहूहमनहींजानैं काकेसुत
पतिमोहकोनकेघरहीकरापरावत कै
सोधर्मपापहैकैसोश्रामनिरासकरावति
हमजानेकेवलतुमहींकोश्रीरव्यासमार
१९९ जैतसिरी तुमहोश्रेतरजानकन्हाई
निठुरभएकैसोंरहतउनैपरतुमनहिंजानना।

पीरपराइ मुनिमुनिकहूनजाइब्रजसुंदरी·
हूरिकसैपियपहूवतनाइं आपुहिंकहीकरी
पतिसेवानासेवाकोंग्रवहमआइं जोतमक
हौंनमैसवसांजैकहाकहैहमप्रभुहिसुनाइं
सनैसूरग्रवंहीननमागैहमपैवोघरायैन
हीजाइं ८० रागविहागड़ा कैसेहमकों।
ब्रजहिंपठावत मननोरह्यौचरनलपटा।
नैजोरतनीयहृदेहवलावत ग्ररकैनेन·
माधरीमसकनिग्रमृतववनश्रवननि·
कोंभावत ईहीसवैमनहीकैपाछैंकहीक
मैकहिकाहिवतावत इनकोंकारिलीनो
तेमनतमग्रपनेकौनाहीहमहूजियभाव।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्वर
सा
३७०
370

न स्वसैनहैसरवसलूयौमरलीलैलैनास·
ङलावन ८·१ रागकानुडा भवननह्मीग्रव
नाह्किनह्नाई सजननवंधनेभईवाह्नरीग्रव·
कैसैंवैकरननवडाई जोकवह्नंवैलैंह्निकृपा·
करथिगावैनाह्निथिरजैहसनारी नसवि
ङ्गरतजीवनराषैथिगकड्यहग्रापविवा·
री थिगयह्लाजविसषकेसंगनधनजी
वननसह्रेन थिगमानाथिगपिनागेह्नथि
गसनपतिकोवेन ह्नसवाह्ननसुह्नासमा
धरीजानेउपज्यौकाम स्वरस्पासग्रथर·
निरसंसीवोजनरतिविरह्नसववाम ८·२ रा
गकानुडा सनोस्पामकरह्नोचननराईकौं।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हमसैनवजाइबुलाई विधिमरजादलोक
लजासवैग्यागहमसैरीग्राई अवनमकों·
प्रेमीनहूकिथैग्रामनिरासकरौजिनसांई
सोइकुलीनसोइवडभागनिजेतमसहनम
परहैमसराई तेधनजुकुघनारिधनतेईपेक
नवरनरहेदिठनाई सूरदासकहिकहा
वषानैयहनिसियहसंगसंदरताई ८०३
रामकली विनतीसुनीस्यामसुजान
अतहिमषअपमानकीनोहृठनइहिते।
आन अवकरौंजुयहरइनकौभज्योतजि
अभिमान विरहहूंदनिवारउरोंअधर
सहैपान मनहिमनयहसषकरनहीं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३७१

371

भयेकृपानिधान सूरनिहचैभजीमोको॰
नहींजाननग्वाल ८४ विहागड़ा मोहिवि
नाथग्रीवनजानै विधिमरजादलोककी
लज्जातिनहूंकोघरमानै उहिमोकोंनीकें
यहिवान्योकपटनहीउरराष्यौ साधिमा
धिपुनिपुनिहरषतहूमननहींमनयहभा॰
ष्यौ पुनिहंसकल्यौनिठुरनाथरिकैक्यौ
त्यागयोगृहधर्मै सूरस्याममनषकपटहू॰
टघरतिजवनितनकैश्रुतिधर्मै ८५ गौड़
मलार तजौनंदलालश्रुतिनिठुरईगाहि
रहिकरापुनिपुनिकहतधर्महमसों प
कहीढंगरहेवचनमवकहकहेवृथाज्ञ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वतिजुरेह्लोसीननन सौं विमषतमनैरहैं
तिनैहमकौंवहैतह्लाकह्लालहैंउषरेडभा
री कह्लासतपतिकह्लामातपितकुलक·
ह्लासंसारविनवनविह्लारी हमैसमझ्फाउय
हकहौजउखवारिनीकह्लातमपनहीमरम
जाने सनैाप्रभुसरतमभलैकैवेभलेस
मकरिकहौहमस्रवहिमानै ८९ रागजै
तसिरी तमतेविमषहुगानरनारि हम·
नौजाननहैंतममहिमाकौंनसनैवनवा
रि सोचीपीतकरीहमतमसौंस्रंतरजामी
जानै उरजनकीनहीपीरहमारैहृघायमे
हटहानै पापपुन्यरोऊपरम्यागेस्रवजोहो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३२२
372

इसहोइ ग्रामनिगामसूरकेस्वामीग्रैसेकौरै
नकोई ८० जैतसिरी ग्रासजिननोगेस्या
महमारी वैत्रनाटधुनिसुनिउटिधाईप्रगट
ननामममारी कौंनतमनिठुरनामप्रगटा·
थौकहैविरटपुलानै टीनग्राजहमतेको
ऊनांहीनानिस्याममममसकाने ग्रपनेभु·
नरंटुनिकविगाहियैविरहमलेलमैफांसी
वारवारऊलधर्मवनावनग्रैसेननमग्रवना
सी प्रीनववननववकाकरिराघौग्रंकनभ·
रिवैहावड्र सुरस्याममनमविनुगतिनांही
नवतिनपारलंद्यावड्र गगनर ८८ चितदैसुनो·
ग्रेवुननैन ऊपनकोगघमयौनमकौंमर·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मख्रमनवैन हमकृपननवबालख्रखुनन·

मनकृनिधनिशसि कैसेहूंसघटानदीजैवि

रहदारिद्नासि कशैयहजनसखगटविभुव

ननिठुरकोटीषोलि कृपाचितवनिभुजउ

ठावह्रेमवचननवोलि हीनवानीख्रवन·

मनिमनिहृदयपरमकृपाल मुरपकहूंश्वे

गनकोंचीधन्यधन्यब्रजवाल ८४ विहाग

रा हरिमनिटीनवचनरसाल विरहव्याकु

लदेषिवालाभरेनैननविसाल चारुआनन

पैविथागावरनिकापैजाइ मनोमधानरा·

गउछलेप्रेमसगाटद्दिषाइ चेरमसषपरनिउ

रवैठेसमगजोरिचकोर पियतमषमरिम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

विमथारमगिरननापरमौर हरषबानीकह
नगुनिधनिधनिव्रजबाल सूरप्रभुकीकृ
पानिरख्योसदयअपदयाल ८० बिहागरो
स्यामहृसबोलेप्रभुनागरि बारंबारविनय
करजोरतनकदिनरूगोदपमार नमसनग
घसैविमघनमारौमैंब्रसाधनमसाध धन्य
धन्यकहिकहिजुवतिनकौंआपकरतअ·
नुराध मोकोंभजीएकचितहैकैनिटरलो
ककुलकान सुतपतिनेहतोरतिनकामें
मोहीनिजकरिजानि ताकेहाथमेरफल·
ताकोमोफलदेहुकुमारी सूरकृपापूरन·
करिबोलेगिरिधरबरधनधारी ८१ रागबि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

लावल कहूतस्यामश्रीमुषषदहूवानी धन्य
धन्यहूठनेहूतमामैविडुहामनमोहाघवि
कानी निरह्यवचनकपटकेभाषेतमश्र
पनेत्रियनैकनश्रानी पहूंचीनिकंमश्राई
त्रममोकौंगुरुगुरुजननकीसंकनमानी
सिंघरहेजंत्रुकमसरनागतदेषीमनीनश्रक
थकहानी स्रुरस्यामभरिश्रंकनलीनीवि
रहश्रगीनिफलनरत्रुकानी ८२ गौडमः
लार कियौत्रिहूकाजनतपश्रोषनारी हेउ
फलहौंनरनलहूतमश्रवध्यरीहूरषविनक
रौडुघरेहूडारी रामरंगरवौमिलसंगाविल
सोमवैवमहूरीकलौंजौनिगामवानी हृम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३७४
374

नमषमषनिरषवचनश्रमतनवरषिक्रपार
समभेसारंगपानी व्रजजनवनितहूंपासस।
ध्यमंदरस्यामराधिकावामश्रुतिछविविरा
जै सूरनवजलदतनसभगस्यामलगात·
इंदुवदनपातिविवसभगअंगाजै ८१३ रागन
ट हरिमषरेषेफूलेमैंन हृदयहरषतप्रेम·
गदगदनहीआवतवैन कामआतरभजी·
गोपीहरिमिलेनिर्हिभाइ प्रेमवसकृपाल
केसवमानलेनसभाइ परस्परमिलहसत
रहसनिरूरषिकरतविलास उमगिआनंद
सिंधउछलतस्यामकेअभिलास मिलतर
सकरकअंजनिभांतिभांतिरासकविजितपश्चा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

न निर्हिंसमैस्रुछस्पामसस्पामासुरकोक
हैगान ८।८ विहागडा गसहविज्नवहि:
स्पाममनश्वानी कसैसिंगारिसंवारिसंहे:
गीहृसनकहृनहृरिवानी जोहैछैग्रेगउल:
टैभूघननवौफ़ुलकनिस्रसकानी वारवा
रपियटैषिटैषिस्रघप्रनिप्रनिज्नवनिलज्ञा
नी नवसनस्माज्निभईसवहाछीकोछ्वविस
कैवषानी वहृछ्वविनिरषिग्रपीरभईनन
कामनारिवननानी ऊचभुज्नपरसकरी:
मनरछ्राकछ्रननन्नषाभुफानी सुनोस्रर
रसगासनाइकासंदरगपागानी ८।५ गगा
सोरट श्रेचलचंचलस्पामसगाह्यौंलैगयेप्र:

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सू.र
सा
३७५
375

लिनसुभगाजमनाकेश्रेगाभेषवकुहयो
कलपनसेवरनटवेसोवदगाधारनिगृहवा
धाम नहोगासरसरंगाउपायोसंगसोहलिव
जवाम मध्यस्यामसनननाइतिभामिनिय
तिराजतसुभजोरी सुरगामग्रभुनवलव
वीलेनवलनवेलीगोरी ८९ रागाटोडी
जहास्यामसुदनगासउपायो कंक्रमजलम
घसूहरमायो यरनीरनिकप्पूरमेभारी
विविधिमसमनिछावियारीत्यारी जवनी
जरमंडलीविराजे विविविचिकानूनक
निविवभाजे श्रञ्जपमलीलापगाटदिषाई
गोपिनकोकीनोमनभाइ विविधीस्याम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नारिविचगोरी कनकषंभसरकनकचडो
री सोभासिंधुहिलोरहिलोरी सूरकाहि·
वरनैमनिघोरी ८७ गौडमलार रामसंड
लवनेस्यामस्यामा नारिडइपासडहूंपास
गिरिधरनेसहसमसिसहसडाटशाग्रना।
मो मकुटकीलटकछविकहाउपमाकहौ
वैनजानैनहीनैनजानैं सभगानवमेघ·
नावीचचपलाचमकनिरषनिरतनमोरह
रषमानै करनग्रानंदपियसंगललनापुं·
नचितिसंउकछिनग्रछिनमहीम्रावैं सूर·
प्रभुरसरसिकनागरीमध्यहोरूपरमपर।
नारिपतिमनहिनोवैं ८८ गौडमलार प

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३२९
376

रस्परस्यामब्रजवामसोहै सीसखीसंडकेरि
लजटिनमनिभ्रवननिरषछविस्याममन-
नकनिमोहैं नासिकाललितवेसरवनीसु-
धरछुटसभगनाटेंकछविकहिनजाई धर
निपगपटकिकरफटकिभौंहरिमटकिनें
नमैप्रटकिरीफैकन्हाई नववलनहरिम-
टकरहीत्रवनीहटकिलटकहीलटकषा।
गछविविवारे कहनप्रभुसूरवलोवेसोई।
सगतिलैहमहूंवैसैंवलैजोनिहारैं ८१९ मैं
दुमलार निरषब्रजनारिछविस्यामलाजैं
विविधवेनीरचीमांगपीरीसभभामालवेरी
विदुरंडुलाजै भ्रवननाटेंकलोचननाह

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नासिकाहूंमषंजनकीरकोटलाजैं सूर।
कीस्वामिनीनारिव्रजभामिनीनिरषिपिय
प्रेमसोभासूलाजै ८२ बिहागड़ा वनव्र·
जनारिसोभाभारि पगनिजेहूरलालल।
हियाग्रंगपंचरंगसारि किंकिनीकटिक्र·
नितकंकनकरचुरीफनकारि हृदयचौं·
कीचमककैटीसभगमोतिनुहार कंटसि
रीडलरीविराजतचिबुकसांवलबुंद सुभ
गवेसरललितनासारीफिरहीनंदनंद स्र·
वनपरताटंककीछविगौरललितकपोल
सूरप्रभुवसप्रतिभयेहैंनिरषलोचनलोल
८३ जैतसिरी नैनसफलप्रभेयहमारे दे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३७७
377

वलोकनिसानवजायेवरषतसुमननझुयारे
जयजयधुनिकिन्नरमुनगावतनिरषतजोग
विसारे सिवसारदनारदयहभाषतधनिध
निनंदडुलारे सुरललनापतिगतिविस॰
राईरहीनिहारिनिहारि जातिनवनैदेषिस
घहरिकोआईलोकविसार यहछविनिहूं।
लोकमैनाहीजोहूंदावनधाम संदरताके
रसकीमैवासुरराधिकास्याम ८१२ सुसाव
री हमकौंविधिव्रजनवधूनकीनीकहासुम
रघरवामरहियें वारवारपछतातयहैकहि॰
मघरद्रनौहरिसंगरहें करतननमसौना॰
हिहमागैफिरिफिरिव्रजव्रजवनारभलो हूं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दावनडुमलनाहूजियेकरनासौंहममांगें
वलों यहवानखाहोइकौंहूरनदासीहैंव
जरहिये सूरदासप्रभुश्रेतरजामीनमविज
कासोकहिये ८३३ विहागडा धन्यनंदज
सदाकोनंदन धन्यसिषंडहेंदसिरलटक
नियनिकुंडलधनिमृगमदचंदन धनिश·
धिकाधनिसंदरनाधनिमोहनकीजोरी
जोवनमध्यदामनीकीछविघहउपमाक
छुघोरी धनमंडलीजरीमोपिजकीनाविव
नेरकुमार गाधासममवगोपकुमारीकीउ
नगामविहार घटदससहमवोघमकुमारी
घटदससहमगोपाल काहूमोकहूंश्रेनर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नाहीकरतपरसरघाल धनिव्रजवासस्त्रा
समवधूरनकैसेहोतहमारी सूरश्रमरल
लनाशनगावतिथकितरहीनिजलोकावि
मारी ८२४ सूहोविलावल नरुतमालगो
पालललालवनमालग्रीवधरिहृदयविसा
ल कवहुंगोधनसंगवालककवहूंविहर
नसंगसषाग्वाल धन्यधन्यव्रजकोयहना
रककीनोमहरपोषिप्रतपाल कवहूकव
नहरिरहैनाइकैगोरसहानलेतसववाल
पैरिपतालहिंनाथ्योकालीफनफनपर
निरततरहैलाल ८२५ रागकान्हरा कुंडलचं
चलकपोलरमनवमकतङितजालतिल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कमलभगणसिरकेसरनैनाविवववनै कटिक
छुनीवंदनकीघोरस्यामवरनलसतश्वैसे·
नटनागरकेजेयैवारने त्रिभंगीनिरतनक
रतवजनवजनजवनीतमंडिलमधिडहूंडहूं·
वीवग्रंगग्रंगस्यामघने मोरमकुटसीसध
रैंगनहैंमूरजन्धुनिरषनिरषग्रमरनिन
भजनयजनयधुनिभनै ८२८ गगधनासिरी
गसमंडलमध्यस्यामराधा मनोघनवीच
दामिनीकौधुनिसभगाग्रंगन्धविहारयद
वाधा नाइकाश्रष्टश्रष्टइंदिमामोहियैवनी
ठेइपासमवगोपकंन्यां मिलेमवसंगन।
हिंलघनकोऊपरम्परवनेघटूटसमदंस·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ह्मलसेन्यो मज्ञेमिंगारनवसातज्ञगामर:
ह्यौंश्रेगनभूषनरतनवनेवैसे सूरश्रुन·
वलमिविधरनवलराधिकानवलव्रजनारि
मेरुलीतैसे ८४ रागगौरी ज्ञवतिश्रेगल्ह।
विनिरषतस्याम नेदकुमारश्रीश्रपामाफ
रीश्रवलोकनव्रजनवाम परीदृष्टिकवजंव
पियाकैवद्नमषकलौनजाई श्रेगियानी
लपोउलीरानीनिरषतनैननजुराई वैनिर·
षतिकेवरभुजनकीछविपहुचनिपहूचीरा·
जति करपल्लवनिमुदिकासोभतियाछ·
विपरमनलानत वदनिविंदुनिरषहारिरी
फेमसिपरवालविलास नेदलालव्रजनवा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

लसतछविकोवरनैसूरजनदास ८२८ राग.

गौरी स्यामनरजनतपीतपिछोरी उरवन.

मालकाछनीकाछेकेटकिंकनछविगोरी

वेनीसुमननितेवनडोलतिमंदगामिनी १

नारि सिथलचषनितामथितारामिलवर

हीनिरखिनिहारि पगनरंगजावककी २

सोभादेषिपियामनभावत सूरदासप्रभुत

नत्रिभंगहूंजुवतिनमनहिरिझावत ८२९

बिहागरा निरतस्यामानारंग मकुटलट.

कनिभ्रकुटीलटकनिधरैनटवरभेष चल

तिगतिकटिकिलिहिकिंकनिछूछकफनक

२ मनोहंसरसालवानीयुरसपरसविहार

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मूर
सा
३८०
380

लमतिकरपङ्कचनिमूपङ्कवीमङ्किकोङ्गति

ज़ोति भावसेंभुज्नभिरनज़वहीनवह्लीसो

भाह्रोन कवह्नेनिरननिनारिगनपरकवङ्क

निरननग्राप मूरग्रभुग्रनिरसिककेमनर

व्योरासग्रनाप २२॰ रागविहागञ्ज ग्रनिस

छंगनिरननिचज़ननारि हावभावनेननिसे

ननिर्देरिफवनिगिविवरधारि पगाह्लविध

रनभुज्ननिलटकावनिफुंदाकरनग्रच़्प

वेंवलवपलफमकाग्रंवलग्रटभुतह्रेवरु॰

हूप कुरनिरघनग्रंगाहूपपरस्परटोफमन

हीमनरीफन हेमिहेमिवटनवचनरसवर

घनस्वेरग्रंगानलभीज़न वेनीह्लुटलटकि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

बगनानीसकटलटकलटकानों कुलषि·
सतसिरतेभएन्यारेसुभगसवानसुतमानो
गानकरतनागरिरीझेपीयलीनीअंकनला
इ रसवसहैलपटाइरहेदोऊसुरसषीवलि·
जाइ ५३। रागगौरी निरतअंगराग्रभूषनवा।
नत श्रतिसौंढंगसुभावदृषियतरकनेरक·
श्रतिराजत कहतनवनैरस्यौरसग्रैसोवरन
तवरनिनजाइ जैसेईवनेस्यामसमनमोहन·
तैसीयेगोपीछविश्रधिकाइ कंकनवरीकि
किनीनूपरपगजननविछवासोहत श्रटभु·
नभुनिउपजतिइहिमिलिकैश्रमश्रमइनउत
जोहत सनिसनिश्रवनमनहिरीझहीम·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हर
मा
३८

नगाथामरसंसंगीता हरस्यामसवकेहघरा
यकगोपिन्गनिश्रगीता ८३२ गगाविहा
गद्ग उत्सटतिस्यामनिरततनारि थवैंश्रयरउ
पंगउपजैलेतद्देगारिथारि तालमरज्ञनवाव
वीनाकिञ्ञनीरसस्मार सहसंगसहंगामिल
वतसहरनंद्कुमार नागरीसवग्ननिश्रा
गारमिलचलतिपियसंग कवहगावतिक
वद्दनिरततकवहंउत्सटतरंग मंडलीगोपा
लगोपीश्रंगाश्रंगश्रगदारि सुरप्रभुगनव
लनागारिदामिनीश्चविदारि ८३३ गगावि
हागद्ग निरततद्देदोस्यामास्याम श्रंगसग
गपियनेप्यारीश्रुतिनिरधवक्कतसववाम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तरुपलेतिचपलासीचमकतझमकतभूष

नसंग याल्हविपरउपमाकहूंनाहीनिरष

तसहसमस्रनेग श्रीराधिकासकलगुनपूर·

नज्ञाकोस्यामस्रधीन संगतेहोतननंहीकहूं

न्यारीभईरहतिस्रुतिलीन रससमसुमानें

उह्लसतभयोसंदरताकीषान स्रदासप्रभु

रीझिझकितभएकरततनकहूवषान ८५

रागकल्यान कवहूंपियहरषिहियेटेलगा

वै कवहूंलैलैताननननागरीस्रुतिसचारनेटस

वनकोमनरिझावै कवहूंत्रुंवनदेतश्राक

षेजियलेतकरततविजुवेतवसननदेतश्रपने

मिलतभुजनकंटदैरहतिसुंगलटकिकेजा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्वर
सा
३८२

382

नदुषहूरिहैजिकग्रयने लेतिगहिजवनि-
वदेनग्रयरनग्रमनपककरविद्रकरकसी
सथारै स्वरप्रग्रस्वामनीस्पाममसनमषहोर
निरषमषनेनरकटरकनिहारै ८३५ वि
हागरा रसवसस्पामकीनीनारि ग्रयररस
ग्रववनपरस्परसंगगसवव्रनवारि कामग्रा
तरभनीवालासवनहूरीग्रास पकरकव-
ननारिरकरकग्रापकस्यौंग्रकास कवहे
निवननकवडंगावनकवहूकोकविलास
स्वरकेप्रग्रामनारककरतसषडुषनास
८३९ विहागरा हूलरिदुलहनिस्पामास्पा
म कोककलाविनपत्रपरमपरदेषनला-

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

जनकाम नाफलकौधननारिकियौन·
पसैंफलसबनिदियौ मनकामनाभईस
बपूरनसबढूनिमानिलियौ रागरागनीप
गटदिखाईगायजोजिहिंरूप समसुरनके
भेदबतावननागरिरूपअनूप तियासुघ
रपियकोमनमोहनरूपमकतरिफावत
सुरस्यामसमोहनसुरतिकौबारबारउरलाव
त ८२७ रामकली स्यामास्यामरिफावा।
तिभारी मनमैकहतऔरनहीमोसीको
रूपियकीप्यारी दोहाखंदशुपदनसहरि
केहरिहीगाइसुनावत आपुनरीझकंत१
कोरिझवनयहजियगर्वबढावति नियत

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३८३
383

नउगटतिगतसंगीतपरसुननकोकिलल

जन सूरजस्यामनागरीनागरिललनामे

उलराजति ८३८ रामकली रीझवतिपी

यबारंबार निरषिमैनलजातिहिरदैनही

सोभापारावलासुगतिगजिहंसमोहतिको

ककलाप्रवीन हंसिपरसपरनानगावति

करतिपीयआधीन सुननसुगावनहोतव्या

कुलरहतनवकिनआइ सूरप्रभवसकिये॰

नागरजानिजाननिराई ८३९ रामकली

प्यारीस्यामलईउरलाइ उरजउरसोंपरस॰

कौंसुषवरनिकापैजाइ कनकवेलितन

मलयलेपननिरषभामसंग नासिकासु

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

भवामलैलैपुनिकस्यामघ्रनंग देनद्रेव

नलेतमधकोंमानपूरनमाग मूरप्रभुव

मकियेनागविवदनधन्यमहाग ८५॥ वि

हागग्र गैकेपरमपरहूविनावि कंटभुज॰

भुजपरेदोऊमकननंदीनिवावि गोरस्या

मकपोलमललितप्रधरप्रमनमार पर

मपरदोऊपीयप्यारीरीकिलेनउगार श्रान

इकवैदेहकीनीभऋशीनप्रकाम मूरस्या

मीस्यामनीमिलकरनरंगविलाम ८६॥

विहागग्र गावनस्यामस्यामारंग मघर॰

नवनागरिष्रलापतिमरधरनपियसंग

नानगावनकोकिलामिलनारद्रलिमिल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

देत मोरसंगवकोरडोलतआपअपनेहेत
भामिनीश्रंगनोनूमानोजलटस्यामलग
त परमपरदोऊकरतक्रीडामनहिमन·
नमहात ऊवनिविवकचपरमसोभाति
रघिहसितगुपाल सूरकेवनगिरनिवि·
वमनुरंग्योहेंश्रंथकाल ८५२ विहागड़ा
मोहनमोहनिरसभरे भौंहमोरननैनफे
रनतहांतेंनटरे श्रंगनिरषिश्रनंगलजित·
मकैनहिंटहगाउ एककीकहावलतमत
मतकोटरहतलनाउ इनेपरहंसिमगानग
निऊविनिरतमेटस्रपार उडतश्रंवलश्रग
टऊवदोऊकनकरमवटमार हरकिकं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

त्रुकी नरकि माला रही पर नीजा३ सूरप्रभु
करनि रषिक रुना तरनलई उठा३ ८५३ रा
गजैन सिरी प्रेम सहित माला कर लीनी
प्यारि हृदै रहति घरजानी भूषपर तनिरी १
नी पीतवसन लै श्रम जल पोछत पुनि लै
कंठ लगा३ चरननि वारपर मत हृश्रपनै
करहत प्रतनहि श्रम पाए ऊ चश्रमदेषि पव
नमषही की फूंकि करावतसंग सूरदा।
सप्रभु भौंहनि हारतन वलतप्रिया के संग
८५४ राग भैरौ हाहा हा पिय निरन करौ जै
सैकरि मैं तमैरि फायो ऐसौं मैरौ मननतम हूंहर
री नम जैसे श्रम वशीकरन हाने सेमे हूंहर।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३८५
385

लाऊंगी मैश्रमदेषितमारेश्रेगकोश्रुनमभरि
केटलगाऊंगी मैहारीन्योंनमहूंहारैचरन
वापिश्रमसेटोंगी सूरस्यामन्योंउछंगलई॥
महिन्यौंमैहूंहूंसिभेटोंगी ८५५ रामकली
निरखतस्यामस्यामाहेत मकुटलटकनि॥
भृकुटीमटकनिनारिमनसुषदेत कवहूं
वलतिसछंगगतिसोकवहूंउघटतवैन
लोलकुंडलगंडमंडितचपलनैननिसैन
स्यामकीछविदेषिनागरिरहीइकटकजो॥
हि सूरप्रभुउरलाइलीनीप्रेमगुनकरपो॥
हू ८५६ रामकामोद उरकौकुंडलनलटवे
सरमें पीतपटवनमालवीचग्रानिउरझे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हैंहोऊजन ध्याननिमोध्यानतैंनैंननिसौं·

घरकेहैंचरकोलीछविदेषेलपरातस्याम

घन होरीहोइानिरतकरैंरीकिरीकिघंक

भरैननाथेरननाथेरउचरतहैमनमन स

रदासप्रभुप्यारीमेंडलीज्ञवतिभारीनारि १

कैंघंवललैलैपौंछतदेघ्रमकन ८७ राग

घराना मोहनलालकेसंगललनायो सो

हैजैसेतकनमालकेछिगफूलसमनज्ञर·

दको वदनकांतअनूपभांतनहीसंभारत

नीलवरमनवचनविचघगसौमनोसमि

सरदको सकतालरतारानप्रतिविंववेस

रमैहूनौ मिलहूनौरोतरंगजैसेंहरदको

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३८९

386

सूरदासप्रभुमोहनदोऊनकीछविबाढी
मेटतदुखनिरखनैननमैनदरदकौ ६४८ बि
हागरा पियसंगखेलतअधिकप्रेमभयो·
आउरीहौंहांकौंबिषारि अपनेअंबरलैसब
वाऊंकविरवदनस्रमकनकेवारि निरत
तदुलटिगयेअंगआभूषनविफरीलटिवांधि
हौंसेवारि सूनौसूरपियप्यारीकोमिलन
आदिनसहावैनाहिंडरौवारि ६४९ रागके
दारा प्यारीदेखिबिहवलगात नेंदनेंदनदे
खिरीकेंअंकभरिलपटात कवहूंलेहिंउ१
छंगवालाकहिपरसपरवात प्रेमरसकरि
भरेदोऊनैननमिलसमसकात रामरसका

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मनामूरनैंमिननंहीविह्वान म्राषभुवन
नहनिसंगमिलकरतनम्रषनसिरान ८९.
मुरलीस्तुति रागकल्यान हरषमुरलीने
नाटस्यामकीना करषिमनतिडूंभवनम्र
ननथाकौपवनसमिहिभूल्यौगवनह्यान
लीना नारिकावानलजेबुद्धिमनमनस.
जेतिननननजेतिहिंशाहूलागेपो नागस्र
मनिधकेसिधुवारनजकेसावदासंभुवध्या
नजागपो ध्याननारदस्यौसेसग्रामनव।
ल्यौगाईवैकुंटधुनिमगनस्वामी करतश्री
पियासोराधिकारवनपम्रषभुस्यामकेट
रमनकामी ८५। रागविहागरा मुरलीधु

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

निवैकुंठराइ नारायणकमलासहितिरपति
श्रुतिकहवहहृदयदइ मनौंप्रियायहवानीश्र
दभुतवृंदावनहरिदेष्यौ धन्यधन्यश्रीपति॰
मुषिकहिकहिजीवनब्रजकेलेष्यौ रासवि
लासकरततनंदनंदनसोहमनैश्रुतिहरि य
नवनधामधन्यब्रजधरनीउडिलागैजोहरि
यहसुषतिहूंभवनमैनाहीजोहरिसंगपल
पक सूरनिरषिनारायणइकटकभूलेनै॰
ननिमेष ८५२ प्रभावती जोसुषस्यामकर
नवृंदावनसोसुषतिहूंपुरनाहीहो हमकौं
करेंमिलनतरनउनकीपदकहिकहिश्रुक॰
लीहींहो मनौंप्रियाश्रीमुष्यकरनहेंमोतें

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

श्रीरनकोइहो नंदकुमारशामरससुखवि-
वृंदावननहिंहोइहो ह्ववताकरतासोय
भ्रहौहीवहुसुखमोतैंन्यारोसोहो सुरधम
गधावरगिरियरथनिसुषनंदडुलारोहो
८५३ रागकल्यान जवहरिमुरलीनादसु
कासौ जगमनडगेवरवरकीनेपाहन
जलजनविकासौ स्वर्गपनालटसोंदिसए
रनधुनिश्रावनकीनो निसिहरिक-
ल्पसमानवढाइगोपिनकोंसुषदीनें
मयमनभयेनीवजलथलकेतनकोसु
धनसंभार सुरस्यामसषवेनुमफरमति
उलटेसवव्योहार ८५४ कल्यान मुरली

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३८८

388

गतविपरीतकरा२ तिह्रुंभवनभरिनादि
समान्यौराधारमनवना२ वछरायनति
नहीमषपरसजवरतनहीतनधेनु नम
ना३लटधारवलीपाछेपवनथकितसन
वेनु विहमलभषनहीमधिकाहूस्वर्ग
धरनिनवनादि सूरदाससवचक्रतजहो
तहांव्रजजनवनितसुषकादि ८५५ रागके
दारा म[illegible]लीसनतमवलचले थकेचर
जलफरनतपाह्नविफलद्रुछफले पंघ
श्रवतगोधनमथनतितेप्रेमपुलकितगा
त फरेदुमअंक्ररतपलवविटपवेवलपा
त सूननतषगमृगमोनसाधोविनकीप्र

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तुह्मार धरनिउमगिनमानधरमैजगीनो·
गविसारि ग्वालगृहगृहमैजसोवतवहै·
महजसभाउ सूरप्रभुरसरासकेहितसष
धैनवछाउ १५८ रागपूरवी नंदनंदनस
वगाईवांसरीवजाई सरगमपधनीनिसा।
धनिमसरनिगाई प्रनीनप्रनागतसंगी।
नसचरश्रीरनानमिलाई सरथ्यायताल·
ध्यायनितेध्यायउनिमृदंगवजाई सरज
प्रभुनवलवालसकलकलागुनप्रवीन।
प्ररसपरसरीफरीफाई १५९ रागकल्यान
रच्योरासरंगस्यामजवतिनसघटीनो स
रलीफनिकरप्रगासछागसूगासनिरसउ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
१८९

389

दासन्नवनीतन्जिगोहूवासवनहिंगवनकी
नौ मोहेसरग्रम्हरनागमनिजननागनभए
न्नागसिवसारदनारदादिचकितभएज्ञानी
ग्रस्मरगानग्रमरनारिग्रायेलोकनविसारि
श्रोकश्रोकन्यागकहूतधन्यधन्यबानी ध
कितभयोगतिसमीरवंद्रमाभयौग्रथीरना
गगनलजितभएमारगनहिंपावैं उलटि
न्नमनवहूतधारविपरीतसवविचारिसूर
न्नप्रभूसंगनारिकौतकउपजावै ८५८
गगरोरी नंदकुमारनासरसकीनो ग्रट
भुतकौतकप्रगटदिषायौ कियोस्यामस
वहूनिमनभायौ विवगोपीविवसिलेग

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पाला नहिंकंचनसोमनसममाला २

धामोहनमध्यविराजै त्रिभुवनकीसोभा

बहुराजै रासरंगरच्यौअतिभारी ह्वैभा॰

वनानागतिकारी निरतनसंगगयकिन॰

भईनागरि हूपगुननकरपरमउजागर

उमगिस्यामस्यामाउरलाई बारंबारक॰

रौंश्रमपाइ कंटकंटभुजनभुजनरोकनावै

घनदामिनिलुरतननहिंछोरै सूरस्यामसु

वतिउमघदाई जुवतिउकेमनगर्वबढा

ई ८५४ इतिश्रीदशमस्कंधेत्रिंशत्तमो॰

ध्यायः ३० अथअंतर्ध्यानलीलावर्ननं वि

लावल गर्वभयोव्रजनारिकौंतवहरीहरि॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३५०

390

नानों राधा प्यारी संग लै भई अंतरध्यानों
गोपिन्ह हरि देख्यौ न हितव सब अकुलाई
चकित है पूछन लगी कहा गये कन्हाई को
ऊ मरम जानै न ही कोसो कहि नाला सूर॰
स्याम ढूंढन फिरै नित तिन ब्रजबाला ८८॰
रागबिहागडा इनके कान्ह अवरी संग बन मै
मोहन मोहन कीने टेरै ऐसो संग तजि हरि
भए कौ समुझि परी हरि गोहन चेरै सूक॰
मान हम लीनी अपनी कै मेहूं लाल बहरि म
घटै रै कहि पत इत मअंतर ज्ञामी पूरन का
मी हो मबकै रै ढूंढति है द्रुम बेली बाला भ
ई बिहाल करत अब मैं रै सूरदास प्रभु तेरी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हासीहृयाकरनकौफेरै ८८। धनासिरी
विकलब्रजनाथवियोगननारी हाहाना
थव्रजनाथकरोजिनटेरनवोहिपसारे हरि
केलाइगरवजोवनकेसकोनबवनसंभा
री चिंतनहैअपराधहमारैानंदीकळुअव।
दोहमारी ढुंढतिबाटबाटबनबनसेम
रविहैनैनजलधारी सूरदासप्रभिमानदेह
कैवैदेसर्वसहारी ८८। रागकान्हडा का
ह्रदेष्यौरीनंदलाल सांवरोछोटानैनविसा
ल मोरमकुटवनमालरसाल पीतांवरा।
सोहैमनिमाल निसवनगोइसवैब्रजवा।
वंनरध्यानमपारविषाल हुमहुमकृछन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सुर
सा
३९१

391

भण्विहाल सुरस्यामविनरहूञेनाल ८९ २

नमकहूँदेषेस्यामविसासी ननकवन्नार

वोसकीसुरलीलैगईधाननिकासी कवहे

कछ्रागेकवञ्जेकपीढेपगापगफिरनिउसा

सी सुरस्यामदरसनकेकारननिकसीवे

टकलासी ८९६ गगगमकली कहिवन

वेलिकहूंनेदेषेरीनेंटनेंटन मुक्षोधोमाल

नीकहांनेपायोहैननवेदन कहियोंञेटक

टेवकैनवटवेपकनालनमाल कहियों।

कमलकहांकमलापतिसटरनेंनविसा·

ल कहियोरीक्रमदुनिकटलीकञ्जकह

वटीकरवीर कहनलसीनमसवन्नान

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

निह्नोकहांघनस्यामसरीर कहिथोंसुगोम
याकहिहमसौंकहिथोंमथफपमराल सूर
दासप्रभुकेतमसंगीहैकहांपरमक्रुपाल
९८५ रागप्रभावरी कहूंनहीदेष्योंरीसष
वनमोहनमाधौ कहांथोंगावनकोनोविर·
मिरहैकहांथोनैनमरतदरसनकोसाधो
नवतैंबिछुरेस्यामनवनेरह्योंनजाइसनोस
षी मेरोईष्रपराधोसूरदासप्रभुविनुकैसे।
जीवनरीमाईघटघटरहौप्रानप्राधों ९८८
प्रभावरी कहूंपाऊंरीसववूढिहौवनघन
स्यामसुंदरपरवारोंतनमन नैननिविरप·
टीमेरैंनवतैंलागीरहितकहांप्रानप्यारोंनि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३९२

392

धनीकोधन वेपकन्याहीगुपालवक्रलछु।
लीनकनकशतिमुक्तनकहूंदेषेनंदनंदन सूर
दासप्रभुगामस्वामिकविक्रामस्वामिकनीविर·
हविकलभईतनमगन ८९ सिरीरागका
न्हूंपियारीकाहूंनपायोरी स्यामस्यामधहूक
हूनफिरतमोफनिहूंदावनकाढायोरी गर्वजा
निपियसंतरहूंरहेसोहमहूंधावछायोरी श
वविक्रदेषेकलनपरतखिनस्यामसंदरगु·
नगायोरी सूनीमृगानडुमसावसघगापिक
काहूंनदीपन्यायोरी सूरदासप्रभुमिलोकु·
पाकविनवतिनिदेवमनायोरी ८९८ रागा·
बिलावल श्रुतिव्याकुलभईगोपकाहूंछन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

गिरिधारी फूलनयौंवनवेलिसौंदेषेवनवा
री न्याहीन्नहीसेवनीकरुनाकनियारी वे
लिवैंवेलीमालतीफूलिनद्रुमडारी फूनाम
रवाऊंटसौंकहिगोटपसारी वऊलविल॰
वटकदमपैठाढीव्रजनारी वारवारहा॰
हाकैंकहाहौंगिरिधारी सूरस्यामकोना
मलेनलोचनजलधारी ९८४ रागविलाव
ल स्यामसवनिकोदेषिहैंवेदेषतिनांही
नहांनहांव्याकुलफिरेधीरजनधरांही को
ऊवंसीवटकौंचलीकोऊवनवनन्नांही
देषिभ्रमसवरासकोनंहेंनहेंपाछिनाही
नैनसजलजलधारिहैंव्याकुलमनमांही

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३९३
393

सूरनप्रभुकहूंनहिमिलेलोरततुमपांही
८४ सूहोबिलावल नवनागरिज्ञियगार
ववडायौ मोसमानप्रियश्रौरनकोऊगारि
धरिमैहीवसिकरिपायौ जोउजोउकहत
करतपियसोईमेरैहीदिनरासउपायौ हं
दूरवतरश्रौरनहीमोसीदेहधरेकोभावज
नायौ कवहूंकवैदिजानतहरिकरधरिक
वहूंकहतमैश्रतिश्रमपायौ सूरस्यामग·
हिकंटरहीतियकैंधवढौंयदववनसुना·
यौ ८५ बिलावल कहैभामिनीकंतसौं
मोहिकंधचढावहु निरतकरतश्रतिश्रम
भयौनाश्रमहिमिरावहु धरनीधरतवनै

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ननहीचगअतंहीपिराने निचाववनसनग

रवकेपिघमनमसकाने मैअविगातअनः

अलघहोयहमरमनपायो भावसहितसव

पैंरहोंनिगमनयहगायो पकशनहैदेहैः

डुंवरथानहिंनामैं गर्भकियोतियदेहमैमैं

रहोननामैं सरनअभुअंतरमयेसंगानननजि

प्यारी नहांतहांडरहगईवेचोघक्रमारी ८७२

गगसारंग नवहरिमयेअंतरध्यान नवकि

योमनगरवप्यारीकोहेमोसेआन अनिथा१

कितभईचललनमोनचल्योनमोपेजाउ कंद

भजनगहिरहीघहकहिलेइकंधवछाई ग

ईसंगविसारसवैमैविरसकीनोवाल स

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रघुभुउरितनचरितनदेषननतरननभईबेहाल ८७३

रागनट नातैकरहुमटेकेहारी विछुरीमट

नगुपालसंगमहिविरहविथानतनवारी न

वकनतलाउलडाईमोहनवेनीझमसमगुहीक

रगाढी सूरस्यामप्रभुतमरेदरसविनुसव

नचलहुगाध्राथी ८७४ रागटोडी स्यामगाई॰

नवनीसंगमागि वकिनभईसवैनिसिजा

गि प्यारीसंगलगाउविहारी ऊंनललनातर॰

किनहूंउरी संगनहीनिहिंमिरिवरधारी ट

सूटिमाननटहृपमारी परीमरफधरनी॰

सुकुमारी काममैवेरलिनैसरमाही त्राहिता॰

हिकहिकहिवननवारी भईव्याकुललनतहूमा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

बिसारी नैनसलिलभेजेसबसारी सूरसंग
नंदभयमगारी ८७५ रागसारंग अकेलीभू
लपरीबनमांही कोऊबाउबहीकितहूंकोओ
रगाईपियबांही नहेंजहेंनाउतहांउरलागत
रुगरबनाबननांही सूरदासप्रभुनमेरदरस·
बिनुबैरकरंबैबैरआहीं ८७६ बिहागरा आ
जलभईगोपकुमारि स्यामनजैंसंगतैकहांग
येयहूकरहतव्रजनारि पैदिहसांदिसहूमनि·
देषिनबंकितभईबिहाल राधिकानंदीनहां
देषकलौबाकोष्याल कलुकडुषककुहर·
षकीनौकंजलैगाईस्याम सूरप्रभुसंगांदेषि
रमकैंकरेप्रेमकाम ८७७ रागबिहागरा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नवकुंजनिवलीब्रजनारि सहाराधाकर
नउविधाटेतरसकीगारि संगहीलैगईह
रिकौंसुषकरनिवनधाम कहेंजैहैंडेंछ
लैहैंजहांरसकनिवास चरनविनूनिवले
टेषतराधिकामनमोहि सूरप्रभुपगपरस
गोपीहरषिमनसुसकोरि ८८ बिहाग॰
उा हेंसिहेंसिगोपीकहतपरसप्यारीकोंउ
रलाउगपरी स्यामकामनतुशानरशैसीवा
संवसनुमपरी पुनिटेषिराधिकाविनूप॰
गपियपगिविनूनपावै कैपियकोप्यारी॰
उरलीनोयहकहिश्रमउपजावै उनागिरि
परिकैमैंउरलीनोउनागिरिधरउरलीनो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूरस्यामसुजानरवब्रजनारीपियप्यारीपगावी॰
नो ८७९ रागबिलावल जोदेषेहुमकैत
रैंहाठीसुकुमारी चकितभईसवसुंदरीय॰
यहतोराधारी याहीकोषोजतसवैयहरहै॰
कहारी धाइपरीसवसुंदरीजोजहांतहारी
ततकीनैकहूंसुधनंहीव्याकुलसवबाला
यहतोआपवेहालहैकहांगयेगुपाला वार
वारसूझतिसवैनहिवोलतबानी सूरस्याम॰
काहेनजीकहिसवपछतानी ८८॰ रागभैरो
कैयौंराधानहिवोलतिहै काहेधरनिपरीव्या
कुलहै काहेनैननषोलतिहै कनकवेल॰
सीक्योंवनमांदिपूकेलेहैं कहागयेमनमो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सू.सा.
३९९
396

हूनतजिकैकाहेविरहदुलीहै स्यामनाम·
श्रवननिपुनिसुनिकैसषियनकैंटलगाव
तिहै सूरस्यामआवेघरहूकरहूश्रेमेमनह
रषावतिहै ८८। इतिश्रीदशमस्कंधेविंश·
तमोध्यायः २· रागविहागडा कहांरहेश्र
वलौतमस्याम नैनउधारनिहारवहीनहोजो
देषेंव्रजवाम तमकोंनहींमिलेनंदनंदनयू
धनहैतवजागि लागीकरनविलापसवन
मौंस्यामगयेमुहिस्यागि निरषवदनकूषभा
नकैंवरिकोमनैमधाविनवेर राधाविरहदे
षिविरहानीयहगतिविननेदनेद यावनमैं·
कैमैंनेश्रारेस्यामसंगहैनारी कलुजानतिक

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ह्वां गये कन्हाई नहां नोहि लैन्याही मैं हठकि
यौ हू प्यारी माई जिय उपज्यौ अभिमान सूर
स्याम उरपर म्हि श्राये हैं गए अंतरध्यान ८८
राग कान्हरा मैं अपने मन गर्व बढायौ यहै
कह्यौ पिय कंध चढौंगी नव मैं भेद न पायौं
यह बानी सुनि हँसी के हरि भरि भुज निउछंग
लयें नव मैं कलौं कौन है मोसी अंतरध्यान।
भए कहां गये गिरिधर मोकौं न जिल्यौ कैं
सेमैं आई सूरस्याम अंतर भए मोतें अपने हू
कसनाई ८८३ राग बरारी किहिं मारग मैं.
नांउ सखी री मारग विसर गयौ नाजानौ कि
न हैं गए मोहन नातन नानन पयौ अपनो पि

सू.सा.
३९८

यौंहूं ढूंढत फिरी मूंहिं मिलिवे को चाउ को
टाला यौ प्रेम को पियपग हु पायौ रहाऊ बन हूं
गरहूं ढूंढति फिरी वर मार गनजि गोऊ छूछ्यो
द्रुम वेली लता कोऊ कहै ना पिय को नाउ व
क्रितम भई चितवत फिरी व्याकुल ग्रति हिय·
नाथ श्रव कौं ज्यौं कौं हूं मिलौ नौ पलक न
नजि हौं साथ हृदै मां हि पिय चरकरौ नेन·
नि वैटन टेउ सुरदास प्रभु संग मिलौ व्याकु
लिता सरस लेउ ८८५ विहागड़ा हरनक
रनि ह्रष भानु कुमारी वारवार मषि यन उर
लावनि करां गणि गिरिधारी कवहूं गिरवतध
रनि पर व्याकुल टेषि ट सामजन नारी भतिग्र

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कवारिधरतिमषघूङ्घलिदेतनैनजलधारी
तियाउरुषमोंभावकरतहैंजानैनिठुरमरा
री सूरदासमझलधरमसुपनोलियेरहतनव॰
नवारी ८८५ रागकाफी नेहनेहनउनकों
हमजानत ग्वालनिसंगरहतनेमाइयहक
हिकहिगुनगानति बनबनधेनचरावतबा
सरतियावधनउरनारी देषिदसाहूसभा॰
उसनाकीबजनरुनीपछिनांही कहाभयो
पियहरनौकीनौयाहिनहूकियेसपामहि
सूरदासप्रभुमिलौकृपाकरिहरिकरिमन
नामहि ८८८ प्रभावरी सषीमोहिमोहन॰
लालमिलावै ज्योंचकोरचंदकोउकटक।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

फिरिकैध्यानलगावै विनदेषिमोहिकल
नपरतिहैयहकहिसवनसनावै विनका
रनभैमानकियौरीअपनेमनदुषपावै हाहा
करिकरिपाइनपरिपरिहरिहरिटेरनगावै
सूरस्यामविनकोटिकरौजोऔरनहीजिय
आवै ८८ असावरी हौंतोढूंढफिरआई
सिगरोईहूंदावनकहूंनहीपायेमाईप्यारेनं
दनंदना अनतहीरहेजाइकौंनेयौंराषेलु·
पाईमोकोनकछुसुहाईकरेकामकंदना
मोहेतेपरीरीहूकअंतरभएहैवातेतनमसोंक
हनिवातमेरीकियौटंटना सूरदासप्रभुः
विनुभईहौंविकलनआलीकरोंरहेवनमाली

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूरस्यामनिवेदना ८८८ रागबिलावल मिल

हुस्यामसखिहिहूकपरी निहिंग्रंसननकी·

सुखियनाहीरसनारटलागीनटरी हुसहु

सकहिटेरउठतिहैनगसमवीतनपलक·

वरी धरनिपरीव्याकुलभईवोलतिलोच·

नधाराग्रफरी कवहूंमगनकवहूंसखि

ग्रावनसरनसरनकहैविरहजरी सूरनि

रषिवननारिदसावहददंकितनभईजहांतहां

परी ८८९ विहागरा ग्रहौकान्हकाहेनहिं

ग्रावौ नमहीननतमहीयनमेंतमहीहो

मनभावौ कियौवाहौग्रसपरमकरौनही

माना समौवाहौग्रवनमफरमरलीकेना

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
३९९

399

ना १ कंजकंजनपतफिरौंनेवीगुणमाला
सूरजप्रभुवेगिमिलौहोहनननंदलाला ८५
देषिरूसासकुमारिकोजबनीसबथाई न
हतमालफूलनफिरैंकाहूकहिमरकाई
नंदनंदनदेषेकहूंमुरलीकरधारी कुंडल
मकुटविराजहीतनसांवलभारी १ लोचन
चारुविसालहैंनासाप्रतिलोने अरुनअध
रदसनावलीछविबरनीकौने विंबपवा
लीलाजहीदामिनिदुतिथोरी प्रेमेहरिदस
कोंकहोकहंदेषेहैंरी १ अंगअंगछविक
हाकहौंदेषेंबनिआवे सूरस्यामदेषेनंदीको
हकहावनावे ८६ रागकल्यान राधिका

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सौंकलौधीरधरी मिलैगेस्यामस्याऊ·
लटसाज्ञानिकैहरषिनिधहोऊउघहर·
करी श्रापनहांजहांगईविरहसबपगिर
हीऊंबरसौकहिगईस्यामल्यावैं फिरत।
वनवनविकलसहहसोरहसकलब्रल
पूरनब्रकलनहींपावैं १ कहांगयेयहक
हतसबैमगजोवहींकामननदहनब्रज·
नारिभारी ८९३ रागविलावल कहूंनपा
वैंस्यामकोंफूलनवनवेली सबैभईव्याऊ·
लफिरैननमदनदहेली मृगनारीसौंपू·
छैंपूछैसकमारी कमलसरोवरपूछिहैं
विरहाननमारी १ कनककवेलिननसंदरी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सू.र
सा
५००

डुमकेतनउारी मनोहामिनीधरणीकैम
थापनारी शतउतनैफिरआवहीजहांराधा॰
प्यारी सूरस्यामअजहूंनहींकरीमिलनह
पारी ८५३ बिलावल करतहैंहरिचरित॰
ब्रजनारि देषिअनहींविकलराधायहैदेहिब
ह्निविचारि इकभईवैगवालकोवपुइकभ
ईवनवारि इकभईगिरधरनसंगरथइक
भईहेंनारि १ इकभईवैधेनुवछराइकभई
नेंदलाल इकभईसूरछतधरनिइकभईवि
शाल इकभईजमलाउधारनकहतराधा॰
नारि इककहतउटमिलोधुजभरिसूरश्य
कीप्यारि ८५४ रागबिलावल सुनिफनि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

अवनउडीअझलाइ ज्ञोरेषैनेंदनेंदननही
वैंसाषियनमेषवनाइ कहाकपटकरिमो
हिदिषावनिकहास्यांमसषदाइ कुसकु॰
ससनागनकाहिकहिवद्धरगिरीवहराइ
१ पुनिदौरीवजवालाजनेहलहेवनदुमसोर
लगाइ सुरदासप्रभुअंतरजामीविरहनले
हनिवाइ ८४५ रागकान्हरा कृपासिंधहृ
विद्धमाकरी अनजानेहमगर्वहदायोसोअ
पनेनिनहदैयरी सोरहसहस्रतियामव।
पकैगायानियमवदेह ग्रेसीरसादेपिक॰
हृणामयउपजीहृदयमनेह १ गर्वहस्या
तनविरहप्रकास्योप्यारीव्याकुलजानि स

सूर
सा
४०१

401

नौसूरप्रवदरमनरीजैहूकलईइहिमानि

८४९ रागकल्यान न्याइतजीस्यामागोपा·

ल घोरीकृपावकृतगर्वोनीतऊषव्रथव्रज·

वाल तैंकलुकपटसबनितैंकीनोअपज

सतैंनउरानी हूमइकसंगइकहीमनसब·

कौनैकनंहीविलगानी १ हूमचातकघन·

हरिनंदनंदनवरषनलगाहितकीनो नव

मदप्रवलपवनसमसमजनीप्रेमवीचउघटी

नो ज्ञानीरीनउघीसबसघानिधिमोहनवे·

उवजायौ सूरस्यामनवदरसपरसकरमि

लसंनापनसायौ ८५० रागकल्यान राधा

धाभूलरहीअउरागा नकनकऊटनकासम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रफानीछूंहिसकलवनबाग कबरीग्रसि·
नसिषंडीग्रहिग्रसचरनमिलीसषलाग
वानीसफरपिकवोलनकटनकगरनका
ग १ करपल्लवकोमलकुसमाकरजान·
ग्रसतमपकीर गंकावंदवकोरजानकै।
पीयनैनकोनीर विह्वलविकलजान·
नंदनंदनध्रगटमपानिहिकाल सूरदासप्र
भुप्रेमसंकुरनेलईलाइभुजवाल ८६८ रा·
गमलार हरिबिनुलागतहैवनसूनौ छूं·
छनफिरनसकलघनजनवनीटेनकामरुष
हूनो नजिमनपतिसनिश्रवननिपाइवेन
नादनुकीनो आपसकरधजनसनिसान

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४०२

402

रमनमनोमीनजलहीनो १ चितवतनचकि
तरमोहिमदेरतमनमोहनहरिलीनो तुम
बेलीफूलनसवमंदरनवलजानकहूंचीनो
कदलीओटनचोवनखेंवलअधरसुधारसभी
नो सूरस्यामप्रियप्रेमउमगारमहसिआलिंग
नहीनो ८९४ इतिश्रीभागवतेमहापुराणेद
शमस्कंधेसूरदासकृतौएकत्रिंसतमोध्या।
यः ३१ प्रगटहोनमसमघवरनन रागमलार
प्रगटभयेनंदनंदनआइ प्यारीनिरषविरह
अतिव्याकुलथरतैलईउठाइ उभयभुजाभ
रिअंकनदीनोराषीकंठलगाइ आनदतेंप्या
रीतनमनमेरीपरहकाहितउपविसराइ १ हूमन॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

भणंनरहमनमसोमरहनथेलउपजाई

धरनीमरफपरीकाहैंनैकहांगाईवनगाई

गाथामऊबरहीमनजानोकलैनकलम

नाई मरदामथुभिलमघदीनौंउघदाले

विमलाई ५०० रागकान्हड़ा नेदनेदनउर

लाइलई नागरप्रेमपगाटननव्याकुलनव

करुणाहरिहृदयभई देखिनारिनरुनरिम

रफानीदेहदसासबभूलगाई प्रियाजानन्र

कनभरिलीनीकहिकहिप्रेमीकामहई १

वदनविलोककंठउहिलागीकनककबेलि॰

श्रानेदनई मरस्रामफलरूपाहिमभईश्र॰

तिहिभईश्रानेदमई ५०१ मुहोविलावल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४०३
403

श्रेंनरतैंहरिशुगटभए रहनप्रेमकेवसजक
न्हाईजुवतिनुकोंमिलहरवदए सोईसब
सबकोंफिरिहीनेंवहैभावसतमानिलियो
यहज्ञानतहरिसंगतनवहीनेंवहैवुद्धिसवव
हैहियो १ वहैरासमंडलरसज्ञाननविव
गोपीविवस्यामथनी स्यामस्यामस्यामामथ
नायकवहैपरसपरशीनवनी ९०२ रागमा
रेग वहरस्यामवसमासकियो भुजिभुज १
नोरिजुवीव्रजवालावैसैंरसउमंगहियो वै
सोईसरलीनाटप्रकासोवैसियैंगानजुनप
वनध्यको वैसेंईनिरवतनरंगावटायोवैसैंव
हूतौकामवलुको वैसेंईवटरागनसदृननिसा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पतिवैसैंईमारगाभूलगए वैसैंईदसाभई।
जमनाकीवैसैंईसुरनरवसन्नभए वैसैं
निसावैसैंमनजुवतीवैसैंईहरिसवैभजी
सुरस्यामवैसैंमनमोहनवैसैंईप्यारीनिर
षलजी ९०३ विहागडा पियसुकवतनहिं
दूरमिलावतसन्मुषहोतलजात श्रीराधि
कानिउरसुवलोकतसुनिहिंहियेंहरषात
सुरसपरसमोहनीमोहनमिलसंगगोपी·
गोपाल सुरदासप्रभुसवगुनलाइकउ
पनकेउरमाल ९०५ इतिश्रीभागवतेमहा
पुराणेदशमस्कंधेसुरदासकृतोद्वात्रिंश
तमोध्यायः ३२ तृतीयराम रागविहागडा

सूर
सा
४०४
404

ब्रजरमनी सम्यामसहज्जान प्रथमसमरली·
नाटकविहविहरयौमनकोज्ञान ब्रजव।
हूमनकामसुरनकियौपुरुषसुनादि म
वनिउलटीरीतकोनीहेवमवनाश्रादि
सहजसुघनिमिसवालसोवनसोरवेषट।
मास हेतजवतीसघवदावनकियौप्रन
रास मेटस्यंनरथ्यानकोतुघवहेराध्योमा·
व सूरप्रभुमहिमाप्रगोवरनिगामसेतन·
पद ४०५ रागनट मोहनवयौसुनुतराम
संगमिलवहूमभाननजयागोपकावहूंपास
पकंरीसरसकलमोहेवेनुसयाप्रकास
जीवजलथलकेपाकिनवयेमनिजमन।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हिउदास १ यकिलमयौसमीरहनिकैन
मनउलटीधार मुरअनजननारिमिलिव·
ननिसाकरनबिहार ११९ सगनट बिहर
नसागरंगगुपाल नवलस्पामासंगसोहत·
नवलसवअजवाल सरहनिमिश्रतिउज
लनामैनवलनावनधाम परसनिरमल
पवनजमनाकल्पतरुबिसराम १ कोस·
हारसगामपरमितरच्यौनेरकुमार मुरअ
भुमराटियौनिसरमिकामकोटकहार ११·
देवरंगधार देषौहविजरासरच्यौ नरिकहूस
स्यौनारिविभ्रवलोकौयहरसभ्रवलोकहांस
च्यौ भ्रमरिसीवसमाजमायिमतिलेलो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वनमनउहांकव्यौ एकहिमरासमारभय॰
थियरवरकोमसमकैजोश्रोरनव्यौ १ गानग्र॰
नमदनश्रभिमानदोषदुषमसवमोहेपकोन
वव्यौ सकमारदनारदादिकहतपह[illegible]या।
नेदिनकाहेपव्यौ निरषनैंनरमरीनरज॰
निमषकामकदकमिलकलहमव्यौ स
रयत्रषषीरजनरसौष्ठिनउलरघ्रनेंनघ्रनं
गानव्यौ ९८ इति श्रीभागवते महापुराणे
दशमस्कंधे सारदासकृतौ नविंशतमोध्या
यः २३ जलविहारवर्णनं गगललित गा
मरमिश्रमतभर्इवृजबाला निमिसषदैन
मनाजललेगपभोरभयौ निहिंकाला मन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कामनाभईपरहूरनरहीनएकोसाध छो
उशासहसनारिसंगमोहनकीनोसघश्रा
गाय १ जमनाजलवेहरनतनेटनेटनसंगा
मिलीसकमारि सूरथन्यथरनीहूंहावन
रविननयांसघकारि ९-९ गौंडमलार रैं
निरसगासमघकरतबीनी भोरभयेंगाए·
पावन्यजमनासलिलन्हातसघकरतश्र
तिवछीशीनी एकरइकमिलतरकश्रेक·
भरिकैचलतिएकसघकरतश्रतिनेहवा·
छी हमननससकनश्ररतवारछीटनलर
नकरतकलकेलरकनीरहाछी १ कहूं·
नहिउरतिजलथलहिकोंराकरतिहरन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४०६

406

मननितुरम्यौंकेननासी सूरप्रभुसोमसा
मासंगगोपकामिनीननसाथमणमगनभा
री ४१० गागजैनसिरी जमुनाजलकीडन
नंदनंदन गोपीहृदमनोहरवहुंदिसमध्यशो
तिहूनिकंदन सोभतपानपरसपरछिरकन
सिथलहोतननवंदन मोंन्नवनीमूजनेतिशो
हिपतिकौलमपौशुंगपरवंदन १ कवसुति
कुटिलमटेमग्रंवुकनवुवनगग्रगनिमंदन
नत्रगंतूककमलरसमघभविशरनशुलिशो
नंदन हुरिलैवलनशुगाधशंकमविन्पोल
वधकषगाफंदन सूरस्वामीश्रीपनिकेश
नगाबनदूक्रनखंदन ४११ मांग स्यामा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्यामसुभगतनसुनाजनलविभ्रमकरतवि।
हार सेतकमलइंदीवरपरममनोहरभो
रभपनीहार श्रीराधाकरसंभ्रमभरिभरिछि
रकनवारंवार कनकलसामकरंदरसव·
नपरस्रवनविउपरकार १ श्रुतिसीऊसम
कलेवरसूंदनप्रतिबिंबितजनुतार ज्यौं १
निसचक्रगगनमैंडोलनमणिसवकरन १
विहार धाउगाहतनहूषभाजुसनाहरिसोह
नसकलसिंगार नडितनजलटसहरजविथि
मिलकैवरघनश्रमसूनधार ५१२ रागक १
ल्यान राधेछिरकनक्कीटछबीली उचक
चकेपमईछूरीसुंदलटकिरहीलटगीली

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५०७
407

वदनचंदनाटंककनककेरतनजटितमनि
नीली गतिगयंदमृगराजकटीपरसोहति
किंकनिटीली १ मच्यौखेलजमुनाजलसं
गरप्रेमसमुदिरसरसकीली नंदसुवनभुज॰
ग्रीवविराजतिभागसुहागभरीली वरष
तकुसुमदेवगंध्रवमैंउडुभिसुरसवजीली
सूरदासस्वामीकेवेहूरतनमनतरंगधकी
ली ५१३ रागसारंग देषौरीउमग्यौसुषस्रा
ज जलविहारविनोदमनसुषहविरतन
कोसाज भीजपटलपट्यौसुभगतनउर
रहैमरचैंन सूरसपरससुभावमानोज
गोनिसकेनैंन १ कलुककंबिनकेससा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ईसरससोभाभेव स्त्रभगराजतकामद्रुम।
कोमनोश्रृंगारनेव जुवतिगनसवजूथ।
जितनितनभातिश्रृंजलनीर स्त्ररस्त्रभगाग्यं
ललनकवस्त्रघटस्यामसरीर १२७ कान्हरा
विहरतहैंजमुनाजलस्याम राजतहैंदोऊ
वेहंजोरीदंपतिश्रुफवजवाम कोऊदाछी
जलजाउजेवलोकोऊकाटिहिरदेग्रीवा
घहूस्त्रघवरनसकैंश्रैसोकोसंदरताकीसी
वा १ स्यामश्रृंगचंदनकीआभानागरिके
सरश्रृंग मलयजपंककंकमामिलिजल
जमुनाउकैरंग निमस्रमसमिस्योमिस्योश्रा
लसननपरासिजमनभईपावन स्त्ररसं

सूर
सा
४०८

408

मजलमध्यजुवतिगनजनकेमनभावन

॥४१५॥ कान्हरा जलक्रीडासषसुतिउपजा।

यौ नामरंगमनतेंनहींभूलनवहैभेदमनश्रा

यौ जुवतीकरिकरिजोरिमंडलीस्याममना

गरीबीच चंदनषोरगअंअंगमाछूटतजलसि·

लकटिमईकीच १ जोसषस्याममकरतजु

वतीसंगमोसषतिहूंपुरनाही सूरस्यामदे

षननारिजुकौंरीफिराफिलपटाहीं ॥४१६॥

बिलावल बिहरतिनारिहसनतंदनंदन

निरमलदेहछूटततनचंदन श्रंकनभरि

भरिलेतनंदनंदन धनिसोभात्रिभुवनजग

वंदन १ कंचनपत्रनारिश्रंगसोभा वैउन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कौंवैउनकौंलोभा कवड्श्रेकभरवल·
नश्रगाधा परसिपरसिमेटतमनसाधा
१ कोऊभाजैकोऊपाछैंधावैं ज्ञवलिन·
सौंकहिनाहिमगावैं नाकोंगाहिश्रगाधि
ज्ञलडौरै सघव्याऊलनाहूपनिहारैं ३
कंटलगाइलेतपुनिनांही देतश्रलिगन·
रीकनजांही सरस्यामव्रजज्ञवनिउभो
गी जाकोंध्यावनसिवमनिजोगी ११७
रागटोडी श्रैमेस्यामवसराधाके नामलेत
पावनश्राधाके पियास्यामननश्रेज्ञलडा·
रैं वाछविकौंविनलाउनिहारैं १ मनोज्ञ
लटजलडारतधारैं मननमनहींतनमनथ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४·१
409

नवौं निरषिरूपनहिधारसभौं सुरस्य
मकौंग्रंकनथौं ४१८ रागरामकली री
केस्यामस्यामारूप नैमियैलटववारिउर
परश्रवतनीरस्ररूप श्रवतजलञवपरम
धारानहींउपमापार मनोउगलतराहश्रम
तकनककितिविपरधार १ ऊवनिपरसतस्य
मसंदरनागरीसरमाउ सूरप्रभुतनकाम
व्याकुलगापमनहिसहाउ ४१९ रामकली
स्यामास्यामग्रंकनभरी उरजउरपरमाउ·
भुजभरिजोरिगाढैंधरी तरतमनसघमा
नलीनोनातितिंहिंरंगटरी परमपरटोऊ·
करनकिशरागधिकाश्रवहरी १ प्रेसेंउसघ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हियौमोहनसबैआनंदभरी करततरंगाहि॰
लोरजनमनाप्रेमप्रेमुदकरी रामनिमिष॰
महरिकोनोपन्यपनयद्दचरी सूरप्रभुनट
निकमआपनारिसंगमनवघरी ९२॰ सूनरी
राहेस्यामजमुनातीर पन्यपुलिनपवित्र।
पावनजहांगिरिधरवीर जुवतीवनवनम
हाक्रीश्रीरपहिरैंचीर राधिकामधस्यामहा
३ककनकवरनसरीर १ लालबोलीनी॰
लटंडियासंगजुवतिनभीर सूरप्रभुछवि
निरघरीकेमगनभएमनिकोर ९३। राग
नट लषियतस्याममनललचान कहत
हैंबरजाइसंटरिमघनआवतवान घटस

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
८१०
410

हृदद्रुमगोपकन्यावैंनिभोगीराम इकछि·
नभईकोऊननारीसबनहूरीश्याम १ विहस
सबचरचरपराईब्रजगाईब्रजबाल सूरप्रभु
नंदरामपइवेलछैनकाहूष्याल ४२२ राग
जैतसिरी ब्रजवासीसबसोबनपाये नंद·
सबनसैसीसनिकीनीचरलोगनतुनजाइ·
जगाय उठेपानमोहनमषभाषतप्रातरैं
नविहानी पैंडनप्रेमजंभातवदनभरिक·
हतसबैघरहवानी १ जोजैमैंक्षोनैंमैंलागेश्र
पनेश्रपनेकाज सूरस्यामकेचरितश्रगोव
रनाथीकुलकीलाज ४२३ जैतसिरी ब्रजज
वनीरमराजमपत्री किधौस्यामसबकोमन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

भायोनिसरनिरंगजगी पूरनब्रह्मअलष·
अविनासीसवसषिनसुघटीनो जेनीनाति
भेषभएतेतेभेदनकाहूचीनो १ वहसुघट
रनकाहूमनतेपानिहितसाधिपुगाई सूरस्या
महूलहिसवडुलहनिनिसिभावरदैआई ९
२५ रागसोरठ साधनंहीजवतिनमनराषी
मनवांछितसवजुनिसघपायोवेदउपनिष
दसाषी भुजभरिमिलेकटनक्रवचांपैब्रधर
सुधारसचाषें हावभावनैननिदेववनासर
नवरनसघभाषें १ सकभागोनश्रगटकरि
गायोकलुनउवधाराषी सूरदासब्रजनारि·
संगहरिपागेरहीनकांषी २२५ कान्हरा ५·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५॥

निसकम्न निभागीनवषाम्मै गुरकीकृपा
भईजवसूरनतवरसनाकहिगाम्मै धन्यसा
मझंहावनकोसबसंतनयातेंजाम्मै सूरनर
मुनिमोहनसवकीनेसिवहिसमाधभुलाम्मै
१ जोरसनासंदेगहरिकीनोवेदनहिदराम्मै
सूरदासतहनेंनवसापश्रोरकहुंपमाम्मै ६२ ९
प्रभावरी मैकैसैंरसरासहिगाऊं श्रीराधिक
स्यामकीप्यारीतमरीकृपावासव्रजपाऊं श्री
नरेवसपनेनहिंजानोरंपतिकोंसिरनाऊं न
वलऊंजवनधामनिकटइकश्रानेदऊंदीर·
वाऊं सूरकहाविनतीकरविनवेजनमस·
नमयहध्याऊं ६३ प्रभावरी नमहीसोकों·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ठीतिकियो नैनसदासरननतरराषेसुष
देषतनहिंगनतबियो प्रभुमेरीतमससङ्
वमिटाईजोईजोइमागतयेलि सागोंवर
नमरनहूंदावनजहांकरनहारिकेलि १
यहवानीजभुजंगमुवनविज्ञमननतवङ्
नमरमानो श्रीहृषभानुसनापनिसोंहित
सरजगालमरमानो ४२८ विहागरा रास
रसलीलागाइसनाऊं यहजसकहैसनेम
षष्ठवननितिहितरननासिरनाऊं कराक
हौंवकनाश्रोलाफलइकरसनाकौंगाऊं
श्रुतिहितनवनिधिमुषसंपतिलघुनाकौं
टवनाऊं १ मोपरतीनदोउहितदेमैंजगामा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५१२

512

याथिगदेषै हरिजनदरसहारिहीसमबूकै
श्रंतरकपटनपेषै धनिवकताश्रोतायनि
तेईस्यामनिकहैताके सूरधन्यतिहिके·
पितमातामावभजनहैजाके ९२५ बिला
वल वृंदावनहरिरासउपायौ देषिसरदनि
सिरुचिउपजायौ अद्भुतमुरलीनादसुना
यौ जुवतिसुनततनदसागंवायौ १ मिल
धाईमनकोफलपायौ थावरचलेचलत·
ठहरायौ उलटीजमुनाधारबहायौ फनि
सुनिचंचलपवनथकायौ २ सुरनरमुनि
कोध्यानभुलायौ चंदगगनमारगविसरा
यौ रूपदेषिमनकामलजायौ रसमैंश्रेन·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

यारसजनायौ २ जवतिनकेमनविरहव
ढायौ बहुरिमिलेहितसुतिउपजायौ फे·
रिरासमंडलीवनायौ हावभावकरिसव।
निरिकायौ ३ कल्पैरैनिरहहेतउपायौ प्रा
तसमैजमनातटआयौ नारितकेनिसिस
महिमिटायौ जवतिनप्रतिरूपवनायौ ५
सिवनारसारदयहगायौ ध्यानदसौचित
नहींवलायौ रमाकेनजासषकौंध्यायौ
सोसषनंदसवनव्रजपायौ ६ रागगौंडम
लार रासरसरीतनहिंवरनिआवै कहांवे
सीवुद्धिकहांवहमनलहोंकहांवहविद्धजि
यभ्रमभुलावै ज्योंकहौंकौनमानैनिगम·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४१३
413

ग्रगामसोंविनकृपानहीपारसहिपावै मा
वसोंभजैविनभावमैंबैनहीमाहिध्यानहि
वसावै १ यहैनिजमंत्रयहज्ञानयहध्यान
हैदुरसदेपनिभजनसारगाऊं यहैमांगोंव
रवारप्रभुसूरकेनैनलोंवहैवरदेहुपाऊं ४३ ।
जैतसिरी गोपीपदरजमहिमाविधिभृगि।
सोंकही [illegible] ल
ही यहमनकैभृगकसौनारदादिकहरी।
भगला मांगोंतिनकेचरनरैनुनौहैयरजग
ता १ सोनिजगोपीचरनरजवंछनहोतम
हैव मेरेमनमंसयभयौकहौकृपाकरमे
व १ व्रजसंदरिनहिनारिविचाकृतिकीस

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वखाही मैंग्रहसिवधुनिसेषलछमीतिहि
समनाही प्रडुनहैतिनकीकथाकहौंस·
मैंग्रवगाइ याहिह्सनैजोशीनकरिसोहरि·
परहिससमाइ २ प्रकृतिपुरुषलैभईजग·
तसवप्रकृतिसमाया रचोपकवैकुंठ·
लोकजहंत्रिभुवनराया प्रततग्रम्युतनि
र[illegible]मैंसोई [illegible]नहिंना·
हिप्रादिप्रंतनहिप्रभुसोई ३ प्रकृतिगुविन·
यकरिकत्योसर्वतमंहीहोदेवा हरिविं
तरतमहिंतमहिंजाननतनिजमेवा यावि
धिवहुप्रस्ततिकरीभईगिराग्राकास मा
गोचरमनभावतोपूरोंतमरीग्राम ४ प्रक·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४१७
414

तनकसौंकरजोरिमखिरानंदरदेवतसजो
नारायणाआदिरूपतसरोमलष्योहम नि
रगुनरहितजनिजसरूपलष्योनमकोंभे
व मनवानीतेंअगमअगोचरदिषावउसो
देव ५ वृंदावननिजधामरूपाकरितहाँ
दिषायो सवविनजहांवसंतकल्पवृक्षनि
सोंछायो कुंजसघनरमनीकतहाँवेलि
सुभगरहेछार गिरिगोवरधनधातमैफ
रनाकररतसभार ६ कालिंदीजलअमृत
प्रफुलितकमलसहाय नगनिजरतितटो
जकूलहैंसमारमनतहांछाय कोरतस्याम
किसोरजहांलयेंगोपकासाथ निरषस

छविष्फनिधकरहैनवबोलेजउनाथ ७

जोमनइछाहोइकहोसोमोहिप्रगटकरि

पूरनकरोंसकामदियोमेंयहनमकोंवरि

फनितुकहैहुगोपकाकेलिकैंनमसे

ग पवमलिनिजमषकहोपूरणपरमा

नेट ८ कल्पमारसतचलाजवसवसृष्टि

उपावै प्रकृतिहिलोगनिवर्नआश्रमधर्मव

लावै वहरिग्रधर्मीहोंहिनूपजगग्रधर्म।

वढिजाइ नवविविपप्रथ्वीसरसकलकें

विनैसहिश्राइ ९ सफरामंडलमरनघेउ

निजधामसहमारो धारोंनहेंमैगोपभेषसो

निनैनिहारो नवैहैकरगोपकाकरहोमो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४१५

415

सौंनेहु करौंकेलतमसौंमदामसनवचनम
मपेहु १० स्फतिमनकैयहुवचनभागश्र·
पनेवहूमाने विनवनलागेसमयरिवसमो
जानतनजाने भारभयौजवहृष्ष्वीपरनवहु
तिलियौश्रवतार वेहरिवाहुहैगोपकाहरि·
सौंकियौविहार ११ जोकोऊभरनाभावहु
हैयरिहरिपदृष्यावै नारिपुरुषकोऊहोइ
सोइस्फतितिविवगतिपावै तिनकीपदरज·
जोकोऊहेरावनभुममाहि परसैसोऊगो
पिकागतिलहैसंसयनांहि १२ भृगुनातें
मैंवरनेरेतुगोपितुकीवारत स्फतिमतिवा
रंवारहूहैश्रुपनेश्रवगारत यहमहिमाप

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दगोपकाविधिहीदईसुनाइ नवभृगुआदिक
रिषसवैवरदेहरिपदचितलाइ १३ सर्वशास्त्र
कोसारसारइनहासमरवजो सवपुरानको
सारसारजोसर्वश्रुतिनिको वेदनविधिसों
यौंकह्यौदियौविधिरिषनवताइ व्यासकह्यै
वावनपुरानमैंसोईसुरकह्योगाइ १४१ इति
श्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेसुरदास
कृतौचतुर्त्रिंशतमोध्यायः ३४ विद्याधरशा
पमोचन नंदसवगोपीग्वालसमेत गयौंस
रस्वतीकेतटइकदिनसिवाअंवकापूजादे
त पूजाकरनसकलदिनवीत्यौहैआइतहां
सोंक व्रजवासीसवपुमितहोइकैसोइगये

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४१८

416

नमोंक १ ग्रर्थनिसा३कउ२ग३घा३केलपटग
घोनेंट्या२ वौकउत्सौउषपा३ षुकात्योहा·
हाकूसलङ्ग३ मवा३निमिलषीकूसलगा।
घोपगाग्रहिदीनोंङ्खोडि विद्याधरकोहूपथा·
रिकल्योनाथकैरकोतमरीहोउ २ विधिग्रे·
गिराश्चापमोहिदीनोभयोग्रउरहूसो३ सवटे
वनकेदेवतमहिहूसेमैंदेष्योग्रवतमकोंनोर
हृविग्रतांकोंपा२ना३लिरगायोश्रापनेश्रोक
सूरदासहरिकेगुनगावतग्रजश्रायेग्रजलो
क ४३३ श्रीहरिवनविहार रागग्रसावरी
मोरवेरोवामाथ्योहीनैंराजनकविरमटेसरी
वरनकमलरूपरचलिरजनीहूंघरवारेके·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सरी भौंहैं धनुष हग पनच सषी सुति भाल·
तिलक मनु वानरी भोर होत सुति सेंथिका
रमैं कियौ सुकन संधानरी १ मनिमय जटि
तमनोहर कुंडल राजत लोल कपोलरी कं
लिंदी मैं रवि प्रतिबिंबत चंचल पवन सुलोल
री सुभग नासिका मुकता राजत फल मल
त छवि दोलरी भृगसुत मानौं विमल सुधा।
म चनवी चकियौ उघोतरी २ सुकन अधर
ससिमुष मृदु बोल षट कुसुम सकानरी
मनो मयपक बिंव ते मजनी रस मुमगागजु·
वानरी दसन दमक दामिन मनुषक तसो।
भाकदनन सुबेरी षाहीतें दाडिमि उरफा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४१७

417

टनतिनकीसरनहिंपावैंरी ३ चिबुकचारु

मरकतमनितुलसखीत्रिवलीराजितग्रीवां

री मानोसमलीनरेषाकरिकामहूपकीसी

वोरी भुजविसालचंदनसोंचरचितकरगहि

मृदुमषवेसीरी मानोसुधासरोवरकेहि

गकौतुतजगकलहंसीसि ४ कंचनवरन

पीतउपरैनासोभतसोंवलअंगरी मनश्याव

नदोऊउपरोपाछेनिसिवासरदरूकसंगरी ३

ननविसालहदोराजतहैलापरमकतामाल

री मनोनीलगिरिपरतेंसरनाग्रधसावतहैं

धारी ५ नाभगंभीरसमुथासरसीजनुत्रिवि

लीसिढीवनाईरी ग्रजवधूनैनसृगीश्रावत

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हैप्रतिप्यासीदिगञ्चाउरी कटिप्रदेससंदर
सुदेससराचिनापरकिंकिनिराजतिरी मानो
मदितहंसकलक्षोनागुंजतसुनिफनिवा
जतरी ८ पीनपीडुरीनवलसषीरीवरनोउ
जनघलालरी मंदमंदगतवैंग्रावतहूँडरद
मनकीचालरी सुरदासहियवसोनिरंतरम
नमोहनघ्रभिरामरी वृंदावनमैविहरतरो·
रूममप्रियस्यामास्यामरी १३४ रागकान्ह
रा विहरतकुंजनिकुंजविहारी पिकसुक·
विहंगपवनथाकिथिररहेजालापनजवा
गिरिवरधारी सरितानाथाकितथाकितद्रुमवे
लीसधरधरनजवमरलीप्यारी रविस्रक्रम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४१८
418

गृहेगृहेगोकुलचोरनिसंकागहीजबबदनउघा
री १ आभूषनसबसाजआपनेथकितभई
ब्रजकीकुलनारी सूरदासस्वामीकोलीला
अवजोबैवृषभानदुलारी ४३५ संषहुउवध
वर्नन रागविलावल संषहुउतनिहिंग्रीम
रुआयौ गोपीहुतीप्रेमरसपागीतिनतनाको
कलुसोधनपायौ चलौफिराइसकललै·
गोपीहरितन्योनबउहिसाधिआई कोघट·
लियैजातहैहमकौंकुसकुसकारिकरि
गुहराई १ गोपीदेसननतहरिपहुंचेदानब
रूषिरुरायौ सकामाबगिगाइदियौनिहिंगो·
पितुहरसबलायौ मनप्रमोलताकेसिरपा

ईदईहलधरहिआई सूरबलेबननैंगृहकौं
हरिबिहसतमिलिससदाई १३८ इतिश्री·
भागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेसूरदासकृ
पंचत्रिंशतमोध्यायः ३५ बिलावल कौंन
परीनंदलालहिंबान धातसमैंजागनकौ
बरियांसोवतहैपीतांबरतान संगसषाद्व·
जबालषरेसबमधुबनथेनचरावनजा·
नि मातजसोदाकबकीठाढीदधिभोज
नघोरतलिपैपानि १ नमसोहनजीव·
नधनिमेरेसबलीदेसुनावौंकान सूरदा
सधनिधनिवैप्रानीगोबिंदगुनलीनैंजि·
नानि १३७ बिलावल जागोमोहनभोर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४१९

419

भयौ वदनउघारिस्यामनमदेषौनृविकीकि
रनप्रकासकियौ सेंगीसषाहारसवठाढे
षेलतहैंकछुषेनललनयौ श्रुफदाढीहैंकंवर
गयिकाउनकोकहाउवाइलियौ १ हरिसम
सकाइकहौनवमोहनहौंवृषभानकैकव
हिगयौ सूरदासप्रभुनमेरेदरकौंसवचस
लैहरिवज्रापदियौ ४३८ विलावल जागियै
गुपाललालग्वालद्वारठाढे रैंनअंधकार
गयौरविउदेसामसलीनभयौनागगनदेषिय·
ततनाहिकिरननतरनिकाउठे सकिलनभए
कमलजालगुंजकरतभृंगमालप्रफलत
वनपहूपजालऊमरिनऊमिलानी गंध

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वेगुनगांनकरतध्यानदाननेमथवनतहरन
सकलपापवदनविश्ववेदवानी १ बोलत
सषावारवारसषदेषैंनवक्रमारगाइनिभई
वछीवीरहूंदावननैवैं जननिकहतिउठौ·
स्यामजानतजिपरजनीतामसहरदासप्रभु·
कृपालनमकोंकलूषैवैं १३१ भोजनवर
नन विलावल भोजनभयोभावतेमोहन
तातौजैंविनाइगोगोहनषीरषांउषीवरीसं
वारी सफरमहेरीगोपनिप्यारी १ राइभोग
लियौभानपसाइ संगसुरहरीहरीगलयाइ
सदमाधनतलसीदैनाथौ विरतसवासक
वौरनिनाथौ २ पापरवरीसुवारपरमसा।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४२०
420

वि ग्रहकेंग्रहहनिंत्रुवनिहैहैहवि सूरनत
रसरसनतरीतोरी मैंमसोंगरीछौंकोफोरी ३
भरनाभटघटाईटीनी भाजीभलीभांतिटम
कीनी साचवनासंगमागचौलाई सोवाग्र
हसरमेंसरसाई ४ वथुवाभलीभांतहवि
रोथी हींगलगाइलईटांयसोंधी पोपर
वरभांतिभलीत्रुनि टैंटीटयिटैंछौंकलई।
त्रुनि ५ कंटहश्रोरककोरेकोरे करवीका
हवेंवेंरासोंरे भलेवनाइकेरेलाकीनें लौं
गलगाइनरनतललीने ६ धीरागमनोरई
नामें रव्योंग्रेशूरहविराजियनामें फलेफ
लभहिंजनाछौंके मनहविरोइनाजके।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

श्लोके २ फूलकरीलकलीयाकारनम फू
लीग्रगमस्तकलीग्रमूतसम ग्रफवङ्गम·
लीदूईघटाईं मटरमजेवतजातकन्दाईं ८
पेटावङ्गतग्रकारनकीना तितनीसवैसा
दहविलीना सेदरहूपरनालूराती लीनी
तलिकैग्रतिंह्रीनातो ९ कचरीकवराश्रीर
कचाह मरसनिमूननिस्वादसंवाह कि
नकभांतकेलाकरिलीने वडेकरोंदहवट
गंभीने १० वरीविमलग्रफवरावङ्गतवि
यि घारेघाटेमीठेमैमयि वराग्रोरराइतो।
पकौरी उभकौरीमेंगाढीसटमोरी ११ ग्र
मनग्रेउरहैंसमागार वेसनसालनग्रपु।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४२१
421

केनागर खाटीकढीविचित्रबनाई बहुत॰
बारजेंवतरुचिसुआई ९२ रोटीरुचिरकनक
वेसनकरि अजवाइनसेंधोमेल्योधरि सु॰
बहिस्रेगाकरतनवरतनवनाए येभाजिभाजिवरा
लनसंगवाछाए ९३ मांडेमांडउहुंस्रोरवरुपरे
बहूधूतपाइसुवहिसुवतरे पूरीपूरकचौरी
कौंरी सदलसोऊजलसंदरसौरी ९४ लव
ईललितलापसीसोहै स्वादसवासमहज॰
मनमोहै मालपुवासाधनमथिलीने स्रा
हरुमतरविसमरंगलीने ९५ लाइचीलाडू
लागतनीके सेवसहारीधेवरघीके गोफा
गृहीगालमसूरी मेवामिलेकपूरनपूरी ९६

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सासिसमसंदरसरसघ्रंदरसे उपरकनी
घ्रनतजनुवरसे वड्डतलेवजलेवीवोरी
नाहीकहतसधातेंघोरी ७ देषनदराघ॰
होनहेसमी मनोवुदवुदाउपजेघ्रमी फे
नीवुरसमसिलीहथसंगा सिमरीसिघ्रत
भईपकरेगा ८ साजोदलोग्रधिकसघदा
ई नाऊपरउनिसफरसलाई घोवाघरी॰
ग्रौषहैगाघ्यो सहैसफरसीदोरसवाघ्यो ९
वासौंधीसिघरनघ्रतिसौंधी सेलिसिरव॰
मेटनवषचौंधी ऊलाकलवीलीधरिफंका
री फरहैउदनकारकीन्यारी १० पतेजन
नजमोराकीने नवमोहनवालकसंगा।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४२२

422

लीने वैठेआइहमतनदोऊभैया प्रेमसहित
परसतिहैमैया २१ थारकटोराजटतरतन·
नके भरिसबसालनविविधिजतनके प
हिलैंपनवारोपरसायौ तवआपुनकरकौ
रकुटायौ २२ जेंवतनंदविप्रआयकौआयकें·
यो भोजनहूंविसरततनहिंगैयो सीतलज
लकपूरसरवयौ सोमोहनअतिकविक
विप्रवयौ २३ महरमदितनिनलाउलउ
वै तेसूपकहांदेवकीपावै तसीथोराउ
वाजलल्याई भरौजुलूघरकालेआई २४
पीरेपानप्रातनवीरा पानभरउनिटांतन
हीरा सगमरकंकमकपरकरलीनौ वा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दुवादशवालनिकोटीनो २५ वंदनश्रीरघुव
राजाथान्यो अपनेकरवलकेअंगवान्यो
वहुरीवहनसवनपुनपायो तापाछेआप-
नहूलायो २६ यहजेवनारसुनेजोगावे सो
निजभक्तअभेपदपावे सूरदासदेषोगिरि
धारी वोलिदईसफदनिधारी ॥८॥ रागग
कानकोविवाह रागसूहोविलावल वर-
नयरेधरिदेवीपूजी जाकेमनअभिलाषन
हूजी देवीनेंदपुत्रपतिमेरे जोपेश्रीउग्रसेन
हनेरे १ अंट करिअनुग्रहवरदियोनववर-
षभरिलागिनपाकियो त्रैलोकभूषनपुरूष
सुंदरसकलगुननाहनवियो उवटिघोरस

सूर
सा
४२३
423

गारीसखियनकुंजचौरीयानई जिनतपकि
योहोवरषभरिलोचरीविधनावानई १ मोर
मकुटरचितमकुटवनाय माथेधरिकैंहरिवर
प्राय ननसांवलपीतदकुला देषतहोदा
मिनीघनभूला १ छंद दामिनीघनकोट
वारोंजवनिहारोंसषछवी कुंडलविराजगं·
डमंडलनाहिसोभासरिखी औरकोंनस·
मानत्रिभुवनरूपगुनजामाहही मोरनाच
तसंगगोलनमकुटकीपरछांहही १ वंसी
कीधुनिवेगिपदाई गोपीसबमिलन्यौत १
ग्राई नवसवइनमिलसंगलगावा अरुव
छंद
इफूलनमंडपछावा १ लपसपूलनिकुंज

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मंडपफुलनमैंवैठीरची वैठेतस्यामास्याम
वरत्रैलोककीसोभासची नितविहारश्रय
रनारदसंगमनिजनआवही जयजैतका
रउदारसविपनश्रेतरध्यानकरावही २ रा
समंडलभुजकवजोरी हरिवरसांवलरा॰
धागोरी पानग्रहनजवंहीहरिकीनो मंड
लभरतनवभांवरदीनो १ छंद दीनोजभांव
रगासमंडलवीतगांठिहदैहुली नेहमनह
षभांननतनयारासमैंजोरीभली इनहिको
किलकाविकलाहलउतैंसवव्रजनारियां
आपजनेजीइंद्रदिसतैंदेतआनेदगारियां २
मनमथसैनेवनेवानी येहुमफलेग्रनश

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४२४

424

नभानी बरबंदीजनमिलजसगावैं मघ।
वाघननिसानबजावैं १ छंद बाजेसबाजे
सुरनुनभतेंपुहुपबंजलवरषही देवनाति
सानविमानदे[illegible]हूकावकरिहरषही
इतसुरदासम[illegible]भतेंग्रानेंदपूजीसनकोसा
धका श्री[illegible]मोहनलालटलहिउलहनी
श्रीराधका ४२५ हूंदावनगावनसमय ग
गलिलावल टेषिमषीव्रजनैनवनजात गोह
निसनजनमतिमतकीछविगोरस्यामसह॰
विहलचरगान नीलांवरपीतांवरश्रोटेय।
हसोभाकछुकहीनजात जगलजलदज
गनदिनमनोमिलिग्रसपरसजोरतहेंना॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

न १ सीसमुकुटमकराकृतकुंडलकलक
नविविकपोलरहिंमोलि मनोजलटजग।
पासजगालरविनापरेंरहथजुषकीकोन
कटिकछनीकेवलउटलमोहरगोचारनव
लेमनजुमानि ग्वालसखाविचथोनेटने
रनवोलतवचनमधुरमतवानिन २ विनै
रहीव्रजकीजुवतीसबआसमहीमैंकरनवि
चार गोधनहूंटलियेंसबरजपुंजहूंरावनगा
पकरनविहार ५८३ ग्वालनिवचनमकुलसु
नि रागनट छवीलेलालमुरलीनैऊरजा
वौ वलिवलिगाइगोपाललालकेधारिकरि
सुधरमधारसप्यावौ कवनमगोपभेषव॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सू
सा
४२५
425

जयरिहें रहिहो रवालनिसाथ कवनमहा

ब्धीनषावेगेहोत्रिभुवनकेसाथ १ दुर्ल

भजन्मदुर्लभवृंदावनदुर्लभप्रेमतरंग ना

जानियेवहुरकवहैहैस्यामनमारोसंग प्र

पनीअपनीकांथकामरीहीनीसवनविछा

३ सोहरिवाइनेदवावाकीरहेसकलग १

हिपार २ विनतीकरतसवलसिदामास

नोस्यामहैकान यारसकोसनकादिमहा

मनिनजनअमरसत्यान हरिसनिरीन

वचनसरलीतनविनयेमनिमसकार ७

नगंभीरगोपाललालाप्रियहसिकरलई ३

टाइ ३ यविकाविअपरवेत्रमनमोहनकियो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सफरफनिगान सरवसहितियौगोपालसैं

पकनिसनवारेतनस्रान वलतग्रधरभू·

ऊटीकरपलवनासाग्रदजुगनैन मानो ६

निरतनभावदिषावतगतिकियैनाइकसे

न ४ गुंजासहितवंद्रकामाथैऊंचितग्र·

लिकविसाल मानोकौसकमलचापन

कोंउदिग्रापग्रलिवाल ऊंडललोलक·

पोलनकेदिगग्रैसीसोभादेत मानोग्रसी·

सरोवरक्रीडनमकरलरनकेदेत ५ ऊल

मलातिभृगपटकीरेषासभगसोंवरेगान

मानोषदविफरकरथ्यैवैदेउरोकियौग्रध·

रान लटकनिवैजंतीचरननिपरसासाप

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वनककोर मनोहरसरीपगाहैंचाईबल
कमंडलफोरि ९ तुलननिलनामंदमाह
नगातिमोहेकोटिअनंग मोहेसकलजीव
जलथलकेभईजमनगतिपंग वेकेवर·
नैंननभुजवेकेथवलोकनिजअनूप मा·
नोकलनरीवरवरवापडूमिरच्योस्मरभूप
जिनकिनघकिनसकलमनिजनजडप
फलितडुमडार सूरदासचरननिकेवलि
वलितनमनधनवलिहारि ९५५ रागमारू
ग रीकनगवालविफावनस्याम वेनुवजा·
वनमघनतुलावनसवलसरामालेलेना·
म हंसनमघाकरनारीहैंनामहमारोसर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

लीलेत स्यामकरहूतश्रवनमहूंत्रुलावङ्रूप
नैकरतैंग्वालनिदेत १ म्रलीलैलैसवैव·
जावतिकाहूपैनहीश्रावतरूप म्ररस्यामत·
मरेम्रषवाजतिकैसैंदेषौरागग्रनूप १४५
म्रलीकीनिंदा रागनट म्रलीम्रनतदेह
गतिभूली गोपीप्रेमहिंडोलनिहूली कव
हूवक्रितहोरिसयानी सेटवलैंडुरवैगैसैं।
पानी १ धीरजधरिइकउमगिम्रनावैं घट
करिकहिग्राशहिविसरावै कवहूंम्रथिक
वहूंम्रथिनाहीं कवहूम्ररलीनाटस्रमाही २
कवहूंचलैंकवहूंफिरिग्रावैं कवहूंलाज·
तजिलाजलजावैं म्ररलीस्यामसहागिनि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

भारी सूरदासप्रभुकेबलिहारी ४४८ रागवि
हागडा अधरधरिमुरलीस्यामबजावत सा॰
रंगगोरीनाटनटनकोरिझौसिरीहनावत
आपभयेरसबसनाहीकेऔरनबसकरवाव॰
त ऐसोकोत्रिभुवनजलथलमैंजोसिरनहीं
धुनावत १ सुभगमुकटकुंडलमनिश्रवनि
देषतनारिसभावत सूरदासप्रभुगिरिधर॰
नागरमुरलीधरनकहावत ४५० रागसारं
ग अधररसमुरलीलूटनलागी जारसकौं॰
षटरितुतपकीनोसोरसपीयूषफनितरसभा
गी बछिनकहाभईब्रजवासिनिपहलोम॰
लीनआई सावधानक्योंहोतनहीनम३प।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

जीतुरीवलाई १ कहांयहरहीकहांतेआई·
कौनैंयाहितुलाई सुरदासप्रभुहमपरना·
कौंकीनीसौतवजाई ५४८ रागकल्यान
मुरलीमोहनीपरमभई करीजकरनीदउ
देवनकोंसोव्रजफेरदई उहिंपयानियेइहि
व्रजसागरमथिपियतपियूषनई सुधरसु·
धापियवदनईइतनैंइनछबिछीनलई १ सा
पस्वैस्ववाइससमसुरकोनीटिगाविजई
पकहिपुटइतसुमनसुरउनमटरामटनम
ई ५५· रागकेदारा सखीरीमाधवदोसनदी
जै जोईजोईकरोसोईसोईसखीरीयामुरली
कौंकीजै वारवारवनवोलमफरसुरगति

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४२८
428

पुनीतउपजाई मिलिश्यवनतिमनमोहम
हारसतनकीसाथिबिसराई १ सुघसदुव
चनकपटउरअंतरयदूसमकछुनजानी
लोकवेदकुलकानछाडिकैजोजनकरी
सोमानी सुजहूलौयदूपकपकानिरसल
वपकसंगाजसाथी सूरदाससामीकरु
णामयपरतनहींसुववाथी ११५१ रागकेदा
रा मुरलीअधरविंवरमी लेतसरवसजव
निजनकोवदनवदनभ्रमी पीयप्यारीगर
वकारीकरतनहीनमी बोलिसवदससम
सरमिलिनागासरगाटमी १ सहाकदिनक
दोरमाउवांसवंसजमी सूरश्मीसवपरम

छुरननैकहूनसमी ए५र रागसारंग वेसी
वेरपरीज्ञहमारैं श्रुधरपिहूषग्रंससवङ्क·
निकोइनपीयौसवदिननिजन्मारैं ३कफ
निहूरिमनहूरनहूरौहूजैववनहूरनश्रनि·
यारैं वांसवंसहियविविधमहासटश्रपने
छिहूनजाननगारैं १ सौंप्योसुपतिजान।
व्रजकोविनसोश्रपनाइलियौरघवारे स
वदिनसहीश्रनीनसूरप्रभुश्रीगुपालजिय
श्रपनेधारे ए५३ रागमलार जववजवमर
लीकेसघलागन नवनवस्यामककमलर
ललीवननघमिघनेश्रुरागन वाननक
हूनरहनटैटैहूयरैश्रलिंगनमांगन फर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कनअधरविंवनासाउदेसयोविनवनिस्मा
गत मौंहूंधनुषनैनधनधारेमनोमदनस
रसांधत जाहिलगेसोइउनिजानेसंगले॰
नवलवांधत पलइकमोहिपलटिसोली
नतप्रगतपीनधनागत सूरदासस्वामीवे
सीवसमरछ्योनिमिषनजागत ४५८ वि
हागरा सुहृवरीतेंहमसवेविसारी हरिसे
सीतस्मामईवाकेजानिनटसाविचारी कं॰
वहूंकरपलवपरराघतकवहूंअधरनिधा
री कवहूंलगाइलेतहिरदेमैंनेंकइकरत
नस्यारी १ स्यामभुजानकियेवसअपनेजो
कहियतगिरिधारी सूरदासप्रभुकेतनम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नयनवंसीवांसरीप्यारी ५५५ रामकली
म्हलीभईस्यामतननमनयन श्रवनमवा
कोंहूरिकगावनवसजाकियेनंदनंदन क
वहूंश्रधरकवहूंगावनकरकवहूंगावनहैं
हिरदैधरि कवहूंवजाइमगनहूंश्रापुहि·
लस्करहतमुषश्रधरनापैधरि १ पेसेंपा·
पागरहतहैंजासोंनाहिकरतकैंसेंतमप्या
री सूरस्यामहमसवैविसारीवहकैसेंश्रव
जातिविसारी ५५८ सूहोविलावल म्हली
हरिकोंभावैरी सदारहतिमुषहीसोंला·
गीनानारंगवजावैरी कहोंरागसुरकनीमरा
गनीझरकरकनीकैंगावैरी जैसेंमनरीफत

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४३०
430

हरिजूकोतैसेयेभांनतिकावैरी १ अथवानि
कोअमृतगुनिअववनहरिकेमनहिभुरा·
वैरी निरियरिकोंअपनेवसकीनोरंगभरि
ववनसूनावैरी उनकोमनअपनावसक
रकैअवनानानावनवावैरी सूरजसामरा
हैंढिगवाकैंधेसोकौंनटरावैरी ९५१ राग
भैरों मुरलीहरिनैंनिकनाळूटतिहै वाके
वसहरिभएनिरंतरवदसअधरनिरसलूटति
है तमनैंनिठुरभयेवैवोलतनिनतैंमनउ·
वटावतिहै अरजपंथकुलकानमिटावत
सवकोंमिलजकरावतिहै १ निठुररहत·
उरकरतनकाहूमहिपार्थेवरहफूलतहै

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ब्रववहहरितैंहोतनन्यारीनकाहूकोंभूलत

है रोमरोमनषसिषअंगगोरसपागीह

रिप्यारीहै स्यामवाकेवाकेरसलवथे

जानेमोतहमारीहै ५५८ विहागरा मुर॰

लीहमकौंमौनभई नैऊनहोतअधरनैंम्

रीजैमैंनषारई कवहूंब्रववतकवहूंगा

नलैलैजलथलनैंजपई पुनिपुनिलेतम

ऊवनहिमानहिकैसीभईदई १ जारसकों

व्रतकरतनगाल्योकोनीरईवई कहाभयो

वावंसवंसमैश्रामनत्रासगई श्रैसीकहूंन

होरेषीजैसीभईनई स्रवववाकोटोनासे॰

सनतमनोजजई ५५९ विहागड़ा मुरली

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४३१

स्यामग्रथरनहिंदारत वारंवारवजावतगाव
तउरतेंनहीविसारत यहतौग्रतप्यारीहैंह
रिकोंकहतपरसपरनारी याकेवसहिंरह
तहैंग्रैसेगिरिगोवरधनधारी १ लटकरह
तमुरलीपरढाढेगाषतग्रीवनिवाई सूरस्य
मवसताकेडोलतपलकनहीविसराइ २१
विहागरा मुरलीकेवसस्यामभएरी ग्रध
रनतेंनहिंकरतहैंन्यारीन्याकेरंगरएरी रह
तसदाततमयविसराईकहाकरनयोंचाह
ति ऐंषीमुनीनभईग्राजलोंग्वेसवंसरियाहा
हति १ स्यामहिनिदरनिदरहमहूंकोंग्रव
हीतेंयहरूप मुनोसुरहरिकोमुषपायेंवोल

नवचनअनूप ९८। रामकली मुरलीस्या·
मकहांथोंपाई करतनहींअधरतेंन्यारीक
हांटगोरीलाई ऐसीढोठिमिलतनहींहेगई·
उनहीकेमनभाई हमदेषतवहांपियतसु
धारसदेषोरीअधकाई १ कहाभयोसुहा·
लागीहरिकैवचननिलियोरिकाई सूरस्या
मकोंविवसकरावनकरामोंनसीखाई ९९ २
रागसोरठ मुरलीहरिकरावेंवनिहै अब।
हीतेंधैसेगुनयाकेवहुरकाहियरगनिहै
लागीयटपलववैठनदिनदिनवाढतजा
ति अवहींतेंतमसवितहूरहीहैहोंजुकट
तमकलात १ याव्रजमैंनहिभेदवाननिज

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४३२

432

देषौहूदैविचारी सूरस्यामयाहीकेहैगये॥ सबब्रजनारिविसारी ४८३ रागसारंग ज वहरिमुरलीधरधरी गूहविवहारविसा रिब्रजजपथसंकानिसंककरी परिरूप॥ दृष्टकैंग्रानिव्याकलउलटजपलटचरी सिवसुतवाहनरिपुजसिलेविवमजुवि। यिञ्जूयिहरी १ चातककीरकपोतमक॥ पानिकसारंगमयिविसरी स्यानविंववेष कचेपानिलउरपानिलाजमरी हंससुतात॥ टकेलिकरतहैग्रानंदउमगाढरी सूरदा। सप्रभुवहरिपरसपरप्रेमप्रवाहभरी ४८४ रागागूजरी स्यामसुरलीकेरंगढरी करप

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

लवनाकौंबैठावनक्षाउनरहतघरे बारेबा
रमुथररसप्पावनउपजावतमुराग जव
सकरनदेवमुनिगंधर्वतेकरमानतभारा
वनमैरहतडरीकोजानैकौनथौंम्रानीजा॰
३ सूरदासप्रभुबडीसहागनउपजीसोनव
ला३ १९५ रागकेदारा मुरलीनामगुनबि
परीत कहैंमुरलीगहैंमुरभ्रुविरहैंनिसदिन
प्रीत करतनबंसीछिद्रपरागटहृदयछोछे।
श्रृंग बदतनगहहविमुधरपीवनकरतमन
सापंग १ चलतनतेसवमुवलकौनेमुचल॰
चलतनगोसु प्रमरमुतानेसहसलोकहिव॰
लतभुवपरसेसु तीनहुगुनमगानपेसो।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४३३
433

कालकवनप्रनीति सूरनेसोपककीनेरी॰
फाग्निगुनप्रनीन ४९९ रागमलार वांमरी
विधितेंप्रबलप्रवीर कहियेकाहिप्राहिप्रे॰
सोकियोविचरतजगतप्रधीर विप्रलविभू
नलहीवबरानननपककमलकरिध्यान ह
रिकरकमलडहूंपरवैठीगाछ्योयहप्रभि।
मान १ वारवदनउपदेसविधानाध्यायेथिर
वरनीन श्राटववनगरजानिगरवीलीक्यौं
वलियेउहिंरीन पकवारश्रीपतिकेमिघयें
किनश्रायोगुनतान याकेतोनंदलालला
टुलोलगोरहिदिनमान २ पकमयालवैट
श्रागेहनविधिभयोपरमप्रसंस ३ ननोस॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कलविमानकियौहैगोपीजनमानसहंस
श्रीवैकुंठनाथउरवासिनिजावतजापदरेनु
ताकेसषसुषमैंसिंहासनकरवैठीयहपेनु
३ अथरअमृतपियफलवनटारतिनहींसि·
षानहिंनाग नटिपसुरयानेंदसवनकोया
हीमेंअनुराग ९८ रागकेदारा मनमोहन
मुरलीअधरधरी कुंजनिवनमैंरवनरुप।
निधिगिरिवरधरनवरी अधरनानवेधान
समसुरकेरागरसउमगभरी श्रुतिकरषत
चितविनजुवतिनुकोनागषगपसुविपरी·
नकरी १ पियमषसुधाविलासनिष्फाति·
संगीनसमसुरटनरी सूरदासत्रैलोकविजैक

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रटरपैमनपतितगार्वहरी ४९८ रागसारंग नव
मेरोमनवोस्यौमाईजबकरमुरलीनधलई
बाजनरागरागनीवहुरसउपजतनानतरंगन
ई देहदसाविनसायिभईसजनीश्रेणगश्रेणकी
प्रीतटई तनमनधानस्तानगुनमेरोसरवस
स्यामहिश्ररपदई १ हरिमखवचनभुजापट॰
लोचनउकटकवितपरई सूरस्यामप्रभुत
मेरेटरमकोंकोरिदासीविनमोललई ४९९
रागकेदारा मुरलीभईश्राजअनूप प्रथरवि
ववजाउगातिथरमोहेत्रिभुवनभूप देखिगो
पीग्वालगाउनिदेखिवनगृहरूप देखिम॰
निजनमैंनवंचलदेखिसंदरररूप १ देखियर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

निग्रकामसुरनरदेषिसीतलरूप देषिसु

रुग्रगाधमहिमाभएहाउरकूप ॥१२०॥ राग॰

केदारा सुरलीसवनिकोमनहस्यौ पुथ

महीव्रजनारिसुनिकैंश्रनिगिरिधरवस्यौ

सकिनहिंरहीजवतिजनछिनसवटस्रव

ननिपस्यौ पतिपुत्रपिताविसारग्रेंवरवली

नजिगृहमस्यौ १ सिद्धिसाधकगुनीगंध

र्वसुननसवविसस्यौ मगुनमनमाहतन

शैलैसिथलससिनहिंटस्यौ मृगामोरमथ

पवकोरसारससवनिघहमनकस्यौ श्राप

नौव्रतष्ठाडिवानीजोगाजरद्यनधस्यौ २ नि

कससरपनडुरनवांवीकल्लजवंसीकस्यौ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४३५

435

हूनतोरकुंजनिकुंजसूरभीटसननहामन·
वसो वनरकोकिलरहीवितनहैकीरनैक
नमसो ध्यानसोधररहैषगमृगनाटउर
मैंश्रसो ३ थकेथिरवरसरश्रसरनरल·
येघरनीवरो सूरवाजनश्रथरधरिजवका
मनावनषरो ९३१ रागमलार इहिमरली·
कळमलोनकीनें श्रधरसथारसहिनूह·
मारोश्वापपियोश्रोरहैटीनें टीरवदुमतृण
मैलसरमषगासीवनहैसथामृगामीनो जा
नतिकहास्वादश्रीसषकोछोछीहरोसार
सषहीनो १ जासधफकारनकालिंटीतट
हजनतोरभयोननछीनो समधफसूरस·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

षपरसऊटलिचितसवहूनकेदेषतहरि·
लीनो ९७२ विहागड़ा माईमुरलीवजाई·
किनरी नंदमहरकोऊंवरकन्हैयारैनन।
जानैदिनरी मोहेषगमृगग्रकुपसपालक
मोहेवनउपवनरी वलतननीरथ्थाकितस
ईसलिलागऊनचारेंनहूनरी १ मुरलीवजा
ईसवमनभाईश्रवनसुनीजिनकिनरी
सूरजदाससकलजनमोहेमुरलीकीध
नसुनरी ९७३ रागमलार माईरीमुरलीहे
चितचोस्यौ वटतनहीअपनैंवलकाहू।
सनेहस्यामसौंजोस्यौ करतसनेहहूसत
तनअपनैंदेषनअंगनमोस्यौ श्रवनसु·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्हर
सा
४३६
436

ननस्हरनरम्हनिमोह्हेमागारजाइककोस्हौ १
गोपीकह्हनपरमपरब्रैमैंमवद्धनिमोंमन॰
नोस्हौ स्हरदामप्रभुकीग्रथंगीइह्हिंविधि॰
स्यामप्रकोस्हौ ९०८ रागगौरी ज्यौंज्यौंमर
लीमह्हनदियौ मौंम्यौंनिडरस्यामकोमल॰
ननवदनपिथूषपियौ रौंकेरह्हनपानपह्॰
व9टह्होननकाजकियौ भ्राउनपौढिग्रथ
रमनापरमऊवननाह्हिंह्हियौ १ जस्यौजग
नरनिपतिमिवनास्हयौमोइह्हिमह्हजियौ वि
धिमरजाटमेटस्हरजइह्हिंजोभायोमोकि॰
यौ ९०५ बिलावल जवकरवैनमद्योव॰
लवीर ख्रवनमननमारनरजयकिनम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पसललाथ्यकितवहृतनहिंनीर सायरथ
कितमहृगुनिथ्यकियौसेसमहृसफनथ
रतनथीर सिवथकौञ्जानथ्यानग्नलाथ॰
कौगोसतनथ्यकितपियतनहीषीर १ पव
नथ्यकितग्रहथकीवनवेलीवनिनाथ्यकी
विसारेवीर स्वरदासग्रुदिनजमोरांउउ॰
गनथ्यकिनरहेरहिंतीर ९०९ रागधनासि
री मरलीवाच स्वारनीज्ञानउरहृनौरेद्र
एखोधोंगहृवातस्यामसोंकिहिंविधिज्ञसो
सनेद्र प्रथमजाइवनवसीहृद्धहैछ्वाडिग्र
मग्रकगोरु पकैपाइसहृमैंसवउपाहिमग्री
घमग्रकमेरु १ नजीसग्रारस्वारफलसाधा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४३७
437

सखीसुकाईदेह सखैोनतनमनसुधिसानि
सुलागतविविधिवनापवेह यादेहीकोग
रवकरतहौसुरलीसोंप्रतिवेह सूरस्याम
इहिंभांतनरिझायौतसहूंग्रधररसलेह ५७७
ब्रजप्रवेशसोभा रागविलावल स्यामक
ह्मोतनहैंसुसिकात पीतांवरधरवरन
पांवरीव्रजवीथनमैंजात ग्रटभुनतुंटवेट
ननघसिघलोंसोंधैभीनेगात एकावली
ग्रधरसघवीराकांधलक्रटकरकमलफि
रात १ धन्यभागयाव्रजकेसघीरीधनिथ
निउनकेजननीतात धनिजेसुररासघभु
निरघतप्रतिभुषेलोचननग्रघात ५७८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रागकान्हरा ब्रजजुवतीसवकहतिपरसप
रवननैंस्यामवनेवनआवत ग्रैसीछविमैंक
हूंनपाईसषीसषीकोंप्रगटदिषावत मोरमु
कुटसिरजजलजमालउरकटितटपीतांवर
छविपावत नवजलधरपरइंद्रचापमानो
विज्जलतापटदेषिलजावत १ नीलप्रसून
गवलीस्वरसरीस्यामसेचवगयांनवनावत
स्वरदासप्रभुस्वरलीग्रथरथरैंआवतरागक
ल्यानवजावत ५७४ रागअडाना स्यामसुंद
रस्यावननवननैंआजदेदेषिनैंनरीके सीस·
मुकटडोलस्रवनकुंडललोलभृकुटीधनु·
षनैंनाषंजनषीजे दसनदामनिमोतिउर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४३८

438

परमालमोतिपवालवालसंगम्रावैरंगभीजे
सूरप्रभुस्यामनामसंतनकेसूषदधामश्रंग
प्रतिछविनिरषनिरषजीजे ८८ रागका·
न्हरा विराजतरीवनमालगरैदूतवैंहलूवैं
प्रावतवनतैं फूलनिसोंलालपागलटक
रहीवामभागसोछविनटवतिमननैं मोर·
मुकटसिरसिषंडगोरजमुषपरमंडित नट
वरवरभेषधरेप्रावतपाछविनें सूरदासप्र·
भुकीछविब्रजललनानिरषिथकिततनम
ननौछावरकरतप्रानंदवढवतें ८८१ राग
गोरी ब्रजकोंदेषिहरिप्रावत कटितटपी·
तमभगपरराजतमृदभुतभेषवनावत ॐ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कुलतिलकविकुरवजमेंडितमुरलीमधु
रवजावत मुसिकानिवंकअवलोकन·
मन्मथकोटिलजावत १ पीरीधोरीधूंम
रगोरीलैलैनामबुलावत कवहुंकगान
करतअपनीरुचकरतललनालवजावत
कुसमितदामसमधुपकलगुंजतसंगसषा
मिलगावत मेंटसेंटगतवलतमनोहरज्व
तिज्ञरसउपजावत २ कवहुंकनिरतकर
तकौतूहललसकभेददिषावत आनंकेट
जसोदानंदनसूरदासमनभावत ४८२ रा
गगौरी उपमाहरितनटेषिलजानी कोकु
नलमैंकोकुचनमैंरहीतुरिकोकुकोकुग

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४३९
439

गनसमानी मुषदेषतसखिगयोगगनकौं
नड़ितदसनछविहेैं मीनकमलकरवर
नैनैंनतुरिजलसैकियेंवसैं १ भुजादेषि
द्विगजलजानेविवरनपैठेथाउ कटिनिर·
षतकेहरिडरमान्योवनवनरहेडराउ गौरी
देहिगुननकौंवरनतश्रीश्रंगापटतरदेत स
रस्यामदसमकौंसरभावननामदमारोलेत
१८३ रागकान्हड़ा ब्रजवननारेषननंदनं·
दन नवघननीलवरननाऊपरघोरकियेंत
नवंदन कनकवरनतनपीतपिछोरीउर·
राजनवनमाल निरमलगगनापियनवाट
रतापरसत्रुदामिनिजाल १ सकनामाल·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

विपुलवगपंगतिउदनपकंहींजोति सूर·
स्यामछबिनिरषतजुवतीह्रषपरमपर·
होत ४८४ रागकान्हरा स्यामकमलपद
नषकीसोभा जेनषचंद्रइंद्रसरपरमेसिव
विरंचमनलोभा जेनषचंद्रसनकमुनि·
धावतनहिंपावतमरमाहीं जेनषचंद्रप्रग
टब्रजजुवतीनिरषनिरषहरिषांहीं १ जे·
नषचंद्रफंनदनिमषहृदैतेंपकोछिननहि
टारत जेनषचंद्रमहामुनिनारदपलकक
हूंनविसारत जेनषचंद्रभजननषलनारत
रमाहृदैजेपरसत सूरस्यामनषचंद्रविम·
लछबिगोपीजनमिलदरसत ४८५ राग

सूर
सा
४४०
440

मलार देवक उदीयदेवकीसौंपिवसुदेव·
सुतघनवरष्यौ उपज्यौसुवनविमलसु·
कौफलनिरषसकलव्रजहरिष्यौ निर।
मोलकनगाहाथजसोदानंदकोवितग्राक
रष्यौ सुरनरमुनिजनसेसजोहरीउनपेप
गोरंतनपरष्यौ १ सिधसाहवनध्यानधर
तदैसोप्रतिव्रजजननिरष्यौ सोइउरहारव
सनराधाकेसूरष्यौगिरधरसरष्यौ ९८८
प्रसावरी स्यामहृदैजलसुतकीमालाप्रत
दिंप्रत्रूपमव्राजैरी मनोवलाकपांतनव·
घनपरउपमाकछुइकराजैरी पीतहवित·
सितप्रकनमालवनराजतिहृदैविसालरी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मानोंइंद्रधनुषनभमंडलपगटभयौनिहि॰
कालरी १ भृगुपदचिन्हउरस्थलपगटन।
कौस्तुभमनिछिगटरासितरी वैटेमानोष
टविधरकमंगगहंद्रनिसामिलहरषनरी
भुजविसालस्यामसुंदरकीचंदनषौरचछा
यैरी सुरसभगगंगासोमाऊपरबजलल॰
नाललवायैरी ४८० रागमलार टेपोसषी
सुंदरनाकीसीवा प्रथरप्रकूपमरलिकारा
जतलटकिरहीप्रधग्रीवा मंदमंदसरप्र॰
नमोहनरागमलारवजावत कवरीफ॰
सरलीपरगिरधरप्रनहीसरभविगावत १
हसतलसतदसनावलपंगतव्रजवनताम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्वर
मा
४४१
441

नमोहत मरकतमनिग्रुटिविंबमकनाह
लवंदनभृग्रकीसोहत मघविगामनमोभ
३कसोहतमञुराजीवप्रकास स्वरप्रकन·
धागमनदेषिकेप्रफ्लितभपङ्लास १८८
गागदोशी गोपीजनहृविवदननिहारत क्रे·
वितश्रलिकविघफररहीभूपरनापरतनम·
नवारत वदनसुधासरसीकहलोवनभृङ्ग
टीदोक्रुरघवारी मनोमफपमफपानहि·
श्रावनदेषिररनजियभारी १ ३क३कग्रल
कलटकिलोवनपरघदउपमा३कश्रावत
मनोपमगीउनरगानतैंदलपरफनपरसा
वत मरलीग्रधरधरैंकलपूरनमंदमंदस्वर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

गावत सूरस्यामनागरनागरनिकेवेंवल·

वितहिङुगावत १८९ विहागरा देषरीदे

घसोभाराम कामउपमाकहादीजैरमांजि

नकीदाम मउटसिरश्रीषंडसोहैनिरषिर·

हीब्रजनारि कोटिमारकोवंडग्राभाकीरक

शशैंवारि १ केसऊंवितविथकारिभूपरवी·

वसोभाभाल मनोवेंदहिश्रवलजान्योरा

ङघेस्योजाल वाफऊंउलसभगाश्रवन·

निकोसकैउपमाइ कोटिकोटिकलान

कनछविदेषिननभरमाइ २ सभगासघ·

परवाफलोचननासिकाइहिंभांत मनोसं

जनवीचसकामिलिवैठहैडकपोत सभा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४४२
442

गनासातरप्रथरछविरसभरीप्रहलनाउ म
नोविंवनिहारसकभुवधनुषदेषिउवाउ
उ हसतदसननिचमकनाईवज्रकनरवि
पोति दामिनीदाडिमनहीसमकियोमन
भ्रतिभ्रांति चिबुकवरचितवितचुरावत॰
नवलनंदकिसोर सूरप्रभुकीनिरषसो॰
भाभईतरुनीभोर ४४॰ रागसोरठ नैन॰
मननाविरारैनवारि स्यामसोभासिंधु॰
जान्यौअंगअंगनिहारि पचरहीमनजान
करिकटिलहलनाहीनीर स्यामतनजल
रासपूरनमहागुनगंभीर १ पीतपटफह
रानमानोलहरउठतिअपार निरषछवि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ननंनीदेवैदीकहूंवारनपार चलतअंगगति

भंगकरिकैभौंहंभावबताइ मनोविवधि

वभौंरडोलतचितपरतभरमाइ २ श्रवन·

कुंडलमकरमानोनैंनमीनविसाल सलि

लफलकतरूपअभादेषिरीनंदलाल वा

हूंदंडभुजंगमानोजलधिमध्यविहारि म

कतमालासुरसरीमनुहूंचलीहैधार ३ सुं

गअंगभूषनविराजतकनकमकुटप्रभा·

स उदधिमथमनुप्रगटकीनीश्रीसुधाधर

काम चकितभईनिरषनिरषसोभादेहग·

तिविसराइ सुरप्रभुछविरासनागरजाति

जानतगाइ ४४ रागनट सजनीनिरषना

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४४३
443

गारहूप मनकरमवचनविचारदेषोअंग
अंगअनूप कुटिलकेससुदेसअलिगन·
वदनसरदसरोज मकरकुंडलकिरनकी
छविदुरितिनिफिरनमनोज १ अरुनअधरक
पोलनासासुभगाईषदहास दसनकीदुति
तडितनवससिभृकुटिवदनविलास अंगा·
अंगअनंगजातैंकविवरवनमाल सूरसो
भाइदैपूरनदेनसुघगोपाल २२२ रागक·
ल्यान लालकीरूपमाधुरीनैननिनिरष·
नैकसषी मनसिजमनहरनहाससांवरो
सुकवारगामनघामिघअंगअंगनिरषसुम
गांभीवनषी रगमगीमिरसूअंगगपागलटकि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रहीवामभागचंपकलीकुटिलअलकवी·
ववीचरषी आछतटगअरुनलोलकुंडल·
मंडितकपोलअधरदसनदमककीछवि
कौहूंनजातिलषी १ अभैहैभुजदंडमूल
पीनअंससानकूलकनकनषलसटकु·
लटामनीधरकी उरपरमंदारहारसक·
नालरवरसदारमनउरदगानितियनकी
देहदसाकरकी सकलितवयनवकिसो
रवचनरचनचितकेवोरमफारितपिकसा
वनूतमंजरीचषी सुरस्यामसजानगाव
नकल्याननानससमसुरनकलइतेपरमव
लिकावरषी २९३ रागानट नैननिध्यान

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४४४

नंदकुमार सीसमुकटसिषंडराजतनहोउ
पमांपार कुटिलकेससुदेसराजतमनोम
धुकरजाल छविरकेसरतिलकदीनौंप
रमसोभाभाल १ भृकुटीवंकटचारुलोच
नदेहीरेंहीजवतीदेषि मानोषंजनचापउर
डरिउड़तनहिंतिहिंपेष मकरकुंडलगंउ
फलमिलनिरषिलजितकाम नासिका
छविकीरलजितकविनवरननाम २ अ
धरविद्रुमदमनदाडिमविद्रुकहैचितचोर
सूरप्रभुमवंदसुरननारिनैनचकोर ४४५
रागकेदारा सुरहोमेरेस्यामललाहो नैंना
निविसालहोमोहीतेरीचालहो मोरमुकुट

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

डोलनबोलनमधुमुरलीकलमंद मानो·
नकृतनमालसाधापरसिषीनावतआनंद १
मकराकृतकुंडलछबिविराजतिवाकेलोल·
कपोल पेषटअधरललमसनविवमफर
मफरेबोल चपलचितनवनीमनोहरा·
जतेभ्रूभंग धनुषबानउरकैवसहोतहैंको
टअनंग २ वदनसुधाकोसरोवरकुटिल·
अलकअपार व्रजजवनीमृगीरच्योतिन
कौंफंदसोवार पीतांवरछविनिरषनटा
मिनिदुतलजाइ चमकिचमकिमनोसा·
वनघनमैंदुरजाई ३ चरनकमलअचल
विराजतवनमाल प्रफुलितहैंहैंलता·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४४५
445

मञ्जवटीलालननमाल सूरदासपाञ्जविप·
रवारींमननतनश्रान गिरधरपियदेषिदेषि
कहाकरौंग्रजमान ४४५ सूहोविलावल
देषिसषीग्रधरनिकीलाली मनमरकतते
सुभगकेलेवरपैसेहैं वनमाली मनोपात
कीवदासोंवरीतापरञ्जकनप्रकास ज्योंदा
मिनिविचवमकरहतहैपहरतपीतसुवा·
स १ कैधौंनकमालवेलीवदन्नगफलवि
द्रुमपाके नासाकीरआइमनुवेसौलेनव
ननहितताके हसनदसनदकसोभाउप·
जतिउपमाजातिपलगाई मनोनीलमनि
पुटमकलागानवंदनभविचगगाई २ कि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

यौंवज्रकनलालनगानषचिनापरविद्रुम
पोंन किधौंसुभगावेधूकसुमनपरफल
कनजलकनकोंन किधौंग्रकनश्रेत्रुजपर
वैठीसोभिनसुंदरताई स्तरश्रकनग्रथरनि·
कीलीलावरननवरनिनजाई ११८ बिला
वल मोतिनकीमोलमनोहर राजतस्याम
सुभगउरऊपरज्यौंगिरिनैसुरसरीधसीधर
नटभुजदंडभौरभृगुरेषाचंदनचित्रतरंग·
सुंदरवर संषचक्रगदापद्मपाणिमनुक
मलकौसदृंमनकीनेचर ११९ रागका·
न्हरा उपमाधीरजतज्यौंनिरषछवि षंज
नमीनमधफमृगसावकदीनलीनह्वैरहे·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्मर
मा
४४६

446

कमलछवि कोटिमदनप्रापुनयौहास्यौगं
डुलमीनजनखुग्यौतेजरवि हरिपटतरेदेह·
मैंलजावतसकुचनहीप्रावतिघोरेकवि १
प्रथरप्रकुनदसननिङुतिदेषतवज्रासिषर
विडुमसकुचेसव स्मरदासरछावप्रधायौ
पटतरमेटिपिसानेप्रवछव ५४८ सागानट
मषपरवेटडारोंवार कुटिलकचपरभोरवा
रोंभोंहपरधनवारि भालकेसरतिलकछ
विपरमदनसतसतवारि मजुचलीवटस
धाधारानिरषमनदेउवारि १ नैंनषंजन·
म्रगजवारोंकमलकेकुलवारि निरषकुं
डुलनकुलवारोंकुपप्रवननिवारि कुल

कललितकपोलविंबपरमकरसनवारि ना
सिकापरकीरवारौंत्रधरविद्रुमवारि २ दस
नपरकनवज्रवारौंवीजदाडिमवारि चिव
कपरचितचितवारौंश्रानशशिवारि सूरत्र।
भुकीश्रंगसोभाकोसकैनिरवारि ११९ रा
गसोरठ स्यामउरसुधाहृदमानौं मलयर्ज
दनलेपकीनेवरनितनहिंजानौं मलयतन
मिलिलसतिसोभामहाजलगंभीर निरष
लोचनभ्रमतपुनिपुनिपरततनहीमनधीर।
उरजमौंरीभोरमानोमीनमनकीकांति
भृगुचरनहृदविद्धपसवजीवजलवहुभां
ति स्यामवाहुविसालकेसरधोरविविय

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रघनस्याम सुंदरमुकुटकुटिलकचसुंद
रसुंदरभालतिलकछबिधाम सुंदरभ्रुसु
दरश्रुतिलोचनसुंदरअवलोकनविश्राम
श्रुतिसुंदरकुंडलश्रवननिविचसुंदरफल
कनरीफतवाम १ सुंदरहासनासिकासु
दरसुंदरअधरवदनद्युतिवाम सुंदरदस
नचिबुकद्युतिसुंदरसुंदरहृदयविराजत
दाम सुंदरभुजापीतपटसुंदरसुंदरकन·
कमेषलाछाम सुंदरजंघजानुद्युतिसुंद
रसुरतियनउदारनाम १०२ सुधमान
लीला गागमारंग वैदीकहीस्यामसुंदर १
कौसुंदरवदनविलोकि जाकारनछूब

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४२४
448

दपदग्रवलोंग्रषिधेंगोराधीरोक नकनहमो
रवेंद्रकीमाथैछविकोउदितनरंग मनोग्र
मरपतिधनुषविराजतनवजलधरकेसंग
१ रुविरवारुकमनीयभालकौंअंजमति
लकदियें मानोग्रषिललोककीसोभारा
जतिउदयकियें मनिमयजटितलोलकुं
डलछविग्राभाफलकनगंड मनुदिनक
रकीनीलकमलपरपसरीकिरनप्रचंड २
भृकुटिकुटिलनिकटनैननिकैंचपलहो·
तइहिंभांति मनोतामरसकेसंगषेलति
बालभृंगकीपांति कोमलस्यामकुटिल·
अलिकावलिललितकपोलनतीर मानो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सुभगसरदइंदीवरसफपनिकोश्रुतिभीर २

मेंटहासनासिकानिकाईवदनपरसपरहो

उ सुरसमनसाभईपांगुरीनिरषउगसगीगो

उ १०३ रागसारंग रहीदेखूंघटपटमांषिओर

मनोकियोभरिमानसवासोमनसथवंकट

कोटनवसनकेलिकपाटसलछनदेहगह

रुगोउ भीनरभोगिकुसभूपतिकोराछो

धरिसधमोट १ मंजनआदितिलकआभूष

नसजिआगुधवउछोर भृकुटीसुरगहीक॰

रसारंगकरनकटाछनवोटि १०४ सारंग

सवसोकोंजानिधैसोकोजै सानिगाधकेक

हतहैमोहनप्रजैशेउिसदीजैउरउरवांपवां

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

यिभ्रुजनंधननषरेषावरमोननदीजै मोहव
छाइसिमाइदमनदलग्रधरमथाग्रपनैमष
पीजै १ ग्रंगग्रंगाउरकाइग्रधिकवलग्रतिनि
मकमंजोंगाननपमीजै गृछउननिगाहिंगा
दिगृछदैलुदैनकवहंग्रमजलभीजै मनि
मषिमषहिपाइलागनहौंनाहीमानमहार
मलीजै मरमजीवनमफलदमोंदिमवे॰
गीवमकरिनैपोंजगाजीजै १०५ धनासिरी मः
मिनिग्रंमपरीयोंदेरी मेरीमिषमनिवनर॰
गाधिकेमननैंनावविनेरी ग्रपनीग्रपनी ।
निधिवारेउदिग्रववनग्रमरमवेरी हविम
रईयरमधामननिमधिकौंग्रभ्रुपानकरैं।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

री १ वहुमसिफूटैजानिवदनविधरच्यौ॰
विरंचियहैरी सौंप्यौसुपतिविवादिस्याम।
हितसुनेंरहीलटलैरी जाकीजहांप्रतीति॰
सुरप्रभुसरवमनतहांमनतहांसचैरी सुधनसु
धानिथिग्ररपिसघानीविधिप्रुनिप्रुनिनप
वैरी १०९ रागमलार यहरितहुसवेकी
नांही वरषनमेघमेदनीकेघटशीतमहर
षिमिलांही जेवेलीग्रीषमरितुडाढीनेन
रवरलपरांही उमगीनदीप्रेमरसवाढी
मिलसमुदहिजांही १ पजारदवपतिका॰
जश्रापकेसमुफिवतरमनमांही सुरप्र
प्रभुवलीराधिकालैहनीपियपांही १०१

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सू१
मा
४५०
450

रागकाफी सनमोहनतेरीआनपियाकोंवार
नोनंदकुमार जोतनमनसेरोस्राटिकेतलोंमान·
हृयहरुपकार वेंस्नषीमोंहेंकलेकविवंचे
दनतिलकलिलार मनोंससीभवंगकेवाप
नस्रवतसुधाकीधार १ नैंनमीनसरवरस्रा
ननमेंवंचलकरनविहार मानोकरनफू·
लवारेकोंलपकनवारंवार वेसरवनीसु·
भगनासापरसुकतापरमसदार मनुति·
लफूलमधुरविंवाधरदेंकुविवहूंदनसार २
सरससदाररहोरीपरलोनोनीलोउहिंस्राका
र वीवनचुवनस्रधरसमानोंरहिगाईहूंट
मफार केंटसिरीउरपरकविराजतगाज

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मोतिनकोहारि दृहनावर्तदेतमनुध्रुवकौं
मिलिनषतनकीमाल ३ ऊचजगकंभसं
डरोमावलिनाभसरसरशनुसार जनुजलपी
वनहैमिसनाकोजोवनगजमतवार रतन
जटितगजरावाजूवंदसोभितभुजनश्रपार
फूलासमगफूलफूलेमनुमदनविटपकी·
डार ६ छीनलंकनीवीकिंकिनिफनिवाज
तशतिफनकार मोरवाथिवैसौजनुहूलर
मनमथश्रासनमार जगलजेवजेहरजरा
ऊकीराजतिपरमउदार राजहंसगतचलति
कसोदरशतिनितंवकेभार ५ छूटकिरलै
लेहिगालकौमिलितनसषकेतार सूर·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५५१

551

सुंगसुगंधसमूहनभौंरकरतगुंजार १०८

रागबिलावल अदभुतएकअनूपमबाग

जुगलकमलपरक्रीडतगजवरतापरसिंह

करतअनुराग हरिपरसरवरसरपरगिरिव

रगिरिपरफूल्योऊमदपराग रुचिरकपोत

बसतताऊपरतापरअमृतफललाग

१ फलपरपुहुपपुहुपपरपल्लवतापरसुक

इकमृगमदकाग खंजनधनुषचंदताऊपर

रहतनतहांइकमनिधरनाग घरहरसविरस-

होतननहींकबहूंसोभातहांकरतनत्याग

सूरदासप्रभुरसिकसिरोमनमाधवतिनसु

धामियसुपाग १०९ देवगंधार प्रियासुघरे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

घोस्यामनिहारि कहिनपरतिश्रानननकोसो
भारहीविचारिविचारि षीरोदकहूंघटपट·
होतोमननमघटियोउचारि मनोंमुधाकरउ
ग्यसिंधतैंनिकस्योकलंकपषारि १ सोभि
तमकनामांगसीसपरराजतिहिंग्राकार
मानोंउडगनजानिनवलसमिश्रापकरन·
जहारि भाललालसिंदुरवैंदाविवमृदमद
दियोविचारि मानोंफलवंधूकफूलपरवै
ठेपंषपसार २ वेचलनैंनचहूंदिसचितव·
ननजगाषंजनभ्रउहारि मनोंपरसपरक
रतलराइकीरववावनगार वेसरकीमक
ताभैझाईवरनविराजतचार मानोंसरग

सूर सा
५५२
452

रुसकभूंमसनिराछेराजतद्वार ३ मकरा॰
हासमैंदसनविराजतउनिदामिनिद्यमकार
चिबुकडुंदमनदिखौविधानारूपसबैनिरख
२ कंटपोतनपटनरटेवेकौंकलूनंहीप्रभुहा
२ मनुजगभानुदुईदिसिउगपतमतरिव॰
लौपनार ५ उरपरमालललालहीरावलिरा
जतपौसकुमार मनुवहूंदिसनिरलूंमस्य
गनमैंतपवेदेविधुगार निहालिनिहासुपरे
मनमोहनलजितभईसकुमार लीनीउम
गउदाइप्रेकभरिस्मरदासवलिहार ॥१०॥ रा
गमारंग नाहिंनैनीप्रानिहटनीको मेरोक
हौमनिदैवजमंहरिमानमनायोनारार॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नागरपीको सोईसहूपसहागसलछन
गीफैजाहिभावतीजीको कीजैकहासमैं
विनुसंदरिभोजनपीछैंग्रचवनछीको १
तऊजमाननजैगीभामिनिरविकीकिरन
कामफलफीको प्यासेप्रानजातहैंजल
विनुप्रनिकाकीजैसिंफग्रमीको सूरस
हूपगरवजोवनकेजाननहैंग्रपनेसिरटी॰
को जाकेउदैग्रनेकप्रकाससमसिहक
हारकमलकलीको १०॥ रागकेदारा
प्रतिहूदनकीजैरीसनगंवार नंदनंदनके
श्रंगश्रंगपरसरवसदीजैवारि एकवारमो
तिनकेधोषेंहूंसत्रुनैगेज्वार यहमकरह

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४५३

453

तहोंपुनियाहटतेंसारिहैनपकोहार १ यह
जोवननदियाकेजलज्योंकततनोरतिजक
रार सूरदासप्रभुअंतमिलैगीजवबीतेंदिन
चार १०१२ रागमलार समझिरीनाहिनैन
ईसगाई सुनिराधिकेतोहमाधवसोंप्रीति
सदाचलिआई जवजवमानकरतमाधव
सोंविकलहोतअधिकाई विरहअगनिते·
लोकजरतहैंआपरहतजलमाई १ सिंध
मिथ्योसायरपुनवांध्योरिपुरावणजीतिमि
लाई सोउत्रिभुवननाथनेहवसवनवांस
रीवजाइ प्रकृतिपुरुषश्रीपतिसीतापति
सुकरसकव्यासगाई सुरसपाहरसीन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्यामकीतैंब्रजववसविसराई ९०१३ राग॰
सारंग वेगिचलौपियकुंवरकन्हाई जाका
रनतमपठवनसेयौसोनियमटनभवेरा॰
सघाई नैनसिथलनासापुटसीतलश्रंगात
पतकछुसपिनपराई सकलगातउरभी
जिपासीनाउलटपुलटततनतोरजंभाई १
तमश्रषिनीकुमारस्यामघनपहश्रोषटर
कमषीवनाई जौसरजप्रभुत्यायौचाहौ॰
तौतमउनकौदेहदिषाई ९०१४ रागकान्ह
रा सषिनिरीमानिनीमाननकीजै परहरोव
नध्रंजरीकोजलहै जोगोपालसाभोसोटी॰
जै चरीचरीघटरहततनसंटरिजैसैंकलावं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४५४

454

दकीछीजै पूरौप्रभुसूरकृतहैतेरोकाहेनहू
पनैंनभरिपीजै १ कमलनैंनकेसुनिसुहृ
नहोउहिंजीवनदसहूंदिसजीजै सूरस्याम
सोंहिलमिलिभामिनिकाहेनजनमसुफ
लकरिलीजै १०५ रागकेदारा वैदीमान
नीगाहिमानै मनोसिद्धसमाधसेवतसुर·
निसाधैंयौंन श्रटलध्यानमनपलनटरैंउ
फाहूंवटभौन गोमहीकोध्यानकीनोटे·
कटौरेकौंन १ लेइजाउमनाउसुवहूंकरि
सौरिसप्रतिगौन सूरकेप्रभुतुमैंनिरषत
कैसेगीरिसवौन १०९ रागनट राधेतेरीउ
पमानहिश्यानमौं सूरभीसनपतिनाकौ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

भूषनश्राननसोभाजानसों सिंफक्षलनाप

तिनाहनकीघुनउदितनपूजैभानसों वि

द्रुमघ्यरदसनदाडिमद्युतिश्राश्भृकुटी १

कियेवानसों सूरदासप्रभुसोंकविमिल

होमकलक्षपकल्पानसों १०२ रागसारं

ग राधेवोलननंदकिसोर ललितत्रिभंग

स्यामसुंदरवचननिरखननैनवनमोर छिन

छिनविलेवकरतहैंसुंदरकौंवरहनम-

नमोर श्रानंदकंदवंदद्वदावननेकरनैं-

नचकोर १ कहाकहौंभागनिकोमहिमं

पुन्यगननलहिंशोर सूरदासप्रभुपैचलि-

भामिनिलैमिलप्रानप्रकोर १०१८ रागम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४५५
455

रंग वलिवलिरीबोलीवनस्याम कमल
नैंनकीप्रानवल्लभासूरतनकैरेंहूरिप्रानरु·
काम सूरलीप्रीतऋधिकतेरेहितसोख्रव·
धरनधरीरीबाम कोमलकरनिसक्रम·
मनोरकैप्राप्तनसेजरवैंरीभाम १ जोपर
कृपाबड्रतेमैंजानीविसरतनहींकहूंतेरो
नाम सूरदासप्रभुकोमिलभामिनजोपा
योबाढ्तविसराम १०५५ रागसारंग रंग
बलीवनकुंवरस्यानी सरसवसंतविरा
जतरहयगयमदनमहीपतिफौजपला·
नी वहूंदिसघोटनीनिकसवमूकीमनो
बोलधरधरारंउगनी सोलहकलाखुणा·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

करकीछविमोहतमेनछ्रअसिरतानी १
बोलतहंसचपलवंदीजनमनोप्रसंसतपि
कवरवानी धीरसमीररटवरग्रलिगनक
ममोदक्तनमरलीटानी ऊसममसामन·
ग्रथिकविराजतकटिनमानगछग्रतिग्र·
भिमानी सूरदासप्रभुसोंकरिविनतीभि।
लिहोराधेरसवसग्रानी १०२० रागबिलाव
ल रीतंकोहैहेंहाविहती कहानजिमानम
नोहरसनिसषीसमकिकहीहैसनी नाहि
मनाउजगाउजवतिनकोंप्रथरसधामथ
मैंमंजनी सूरदासप्रभुरसिसिरोमनवल·
छलकरिजराधिकापूती १०२१ रागसारंग

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४५८

456

स्यामाश्रेसीस्यामहिभावै वैठनउठनचलन
गोचारननेरीलीलागावै पीनवरनलषिपी
नवसनउरपीतधातअंगलावै श्रानननवेद॰
समानजानकैमोरचंदकासीसवनावै १
श्रुतिश्रमसकदरसनसंभ्रममिलअंगअंगाम
विपावै विठुरननोहरसकाधेसनिजे।
जजेजप्रतिधावै नेरोईविचकरैप्रफनिरषै
वासरविरहिनसावै सूरदासवसरासरसि॰
कसौंअंतरकौंकहिश्रावै १०३२ रागकेदारा
मोसीहितननेरैहूहै पदिनवारगायैसनि।
नागरिनैननिनीरदनश्रैहै कदिनकाटनैगर्व
विहरीलीउदिवालिवेतानिमापरहैहै जोव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नवादरव्यांहस्रव्रजअग्रैसोजोनूनरैहै १०२३

रागबिलावल रहिनेरेहुंदावनवाग सर
निराधिकेकदमकीसाषापकअमीफल
लाग श्रुहनस्पामकलुपीतअमितछबि
वरननजाईअंगविभाग श्रुतिमपकमर
लीकेपरसनवैचैवलनसमीरसराग १ ब्र
जवननावरनारिकनकमयरोकेंरहनस
धामरनाग नवपूलापद्धेसकननिसंटर
सकपिकमरकटकोकिलकाग मैंमालि
निजननिकरिजोग्योमीवनल्हाषपरैहैं र
राग स्तरमञ्जमउदिदेषिपरसिकेपियपि
यूषश्रवनीकेलाग १०२४ रागबिहागरा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४५७
457

आपुनचालियेजूमोहनकीजियेनलाज
मोसीजोतमकोटिकपटवैप्यारीनमानत
आज हौंजुतिहारीअनाकारनिकहाकह
नवजराज सूरदासप्रभुवडेयोंकहिगयेअ
पुकाजमहाकाज १०२५ रागकान्हरा राधे
मोरसवरम्योनजानत जारमकोंसरभानसी
सदियोवंदभयोक्रुमगात पचिहारेसव२
कोटिकलाकरिवंदनपटहरात ऋजहूंअ
मेफिरतआधीनेआमनमैनमहात १ मो०
हनकेजरूपरसलोभमेसोचतनवप्रघटजात
अवकहिसूरपपीहाकेमघकैमेंमेंफस०
मात १०२६ रागनट रसिकराधेतेंबोलीने

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दकुमार मंजनकौंनरसनहरिलोचननेंसो
भाकीधार कौंनहैतनेंमिलीसिनासिनवि
छुरीकौंनविचार मदनकदनमाथेंधारिवे।
कौंगेदनकरनप्रकार १ खंजरीटम्रगमीन
मधुपमिलिइहांरचीवनसार कबरीसि॰
घरमेषविषकेसवमेफलसौवावार घर॰
धनराषिवैदिपाछैंकरिकोनौहरिमनुहार
विनतीमनवलम्रस्यामकोउदिकारिक॰
सौंहमार १॰२३ रागटोडी मनावनहारिरही
हौंमाई नविननैंपटहोतिनराधेहौंनोहिलैं
नपढाई राजकुमारहोइलौजानैघरकीरु
ईवढाई कमलनैंनकोजानमहानमसु॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४५८
458

पनीराषिवड़ाई १ देहीमौंहूबलीकरहूनीति
रछैंहाथनवाई सूरदासप्रभुजोकरौंइहूलनि
नैवावाकीजाई १०२८ रागनट बननकौंग
येमानकियें नंदलालआरनहूंवैदेसोंहकर
नहींसीसछिंयें जाकेपदकमलाकरलीने
मनवचक्रमचितउनहिंदियें ताप्रभुकीपर
ईहोंआईनेकीरनकीमोरलियें १ हरिमुष·
कमलसबौरसमजनीप्रतिआनेंदपियूष·
पियें सूरजदाससकलसुषहरिसंगाक्लेस·
विमुषकाकलपाजियें १०२९ रागगौरी राये
कननेंषारिकगईरी प्रबलिदेषिआनपनि
कीगननवतेंकदाभईरी जालिनतेतेंदई।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रिषाईकरटोहनीलईरी नाछिनतैंमनपरी
चटपटीगाइनडुहनटईरी १ अवनाकोउ॰
पचारकरैकौनप्रीतकीवेलवईरी अनेगरा
जंसीचनऊंभीलैलागीप्रेमजईरी वलिव॰
लिफिरिफिरिचितवनिटैमनटैमनउरफि
गईरी सूरदासप्रभुस्यामसुंदरमनमथिय
नकामरईरी १-३० रागकान्हडा आजरा॰
धिकारूपअन्हायौ करहतनवनैनिरषिन
हिंआवैमसछविउपमाईनुनपायौ अलवे
लीअलकतिलककेसरकौंनाविवसिंदूर
वृंदवनायौ मानोपूरनचंदषेतवाढिलावि
सरभानुसौंचाउलगायौ १ काननकीवी॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४५५
459

गीदमकनहैंमनोमैंनरथचक्रवढायौ सीस
फूलमनिनागसीसधरिधनुसुहागकोछत्र
बनायौ भृकुटीविकटनिकटनैंननिकेबस
रकेसकनाछविछायौ मानोमृगनिग्रसी·
भरिभाजनपियतनवम्योदुहूंछरकायौ २
दसनवसनदसनावलिराजतिविद्रुकवारु
तिलनाकिवनायौ दाडिमविगसिरहेविद्रु
ममधिभृंगग्रापनोसावकसायौ कंचुकी·
स्यामसरीरसंवारीवेंकीपरनगालसोमहा
यौ मानोदीपकअदतभवनमैंतिमरसकु
चमरनागनस्रायौ ३ भूषनभुजालसतस्रे·
सीसतुपलवलग्रेतुजसीसनिवायौ ३तने

परहरन स्रवन प्रभु लै हूं नीद्र पन दिषरायौ

॥३३॥ रागसारग बलिबलि मौन मिटाव नम

न सुचलस्रोट दिषाइ कमल छिगाय सौ सी

सपरपान समिनन वितै नैं नदोऊ मूं देम षमें

संगरी स्ानि सन नषवितै कपट कौवातैं स॥

सकानी जियजान ॥१॥ देषातीन भूमपरका

छीतिन नतोस्यौ करनानि सूरदास प्रभु रसि

कसिरो मनि बिलसो स्याम सुजानि ॥३२॥

बिहागरा राधिकानजिमान मयाकरु ते

रे चरन सरन त्रिभुवनपति मेटि कलपतरु हो

दि कलपतरु जाके चरनकमल फल तिवं॥

दिन सो ते रेष्यान धरैं धरनी धरु सुद्दो वाव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४८०
4.80

रीकहतैंकोनोपीतमपटैहदियेवैरनिव्रज १
तमहोनागरिवैष्णीनागरवरतनसंहरिवै·
संदरवरु वैनोहरिदुषहरनसवनकौनहु
षभानसुनाहरिकोहरि जोफकिकलुक
त्यौचाहतनिहैउन्हैंतानसाषिमोहीसोंलरु
निवहीसुरवनिरषिनैंननिभरिग्रायोउवरि
लाललनितहरु १०३२ रागकान्हरा स
निप्पारीराधिकेसुजान कहियौकौंनका
जसरहैरीरहिफटेग्रभिमान तिनकेचरा
नरमानिनलागतसवगुनिरूपनिधान ति
नकेसषकेवचनमनोहरसोतैंकरतनका
न १ परमचतरसंदरसषकारीतोसीलिया

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नग्यान कीजैकहाकृपनकीसंपतिविना॰
भोगविनदान ऐसीविद्याहोतनितहरिको
जिनहृदैकौविज्ञान नाहिनैंकटतऔरके
काटैंभ्रमदनकेबान १॰३४ रागसारंग व॰
ज्ञरिपछितैंहैरीव्रजनारि देषिजाइहाटैमग
जोवनसंदरस्यामसगारि ऐसीनिठुरनैक
नहिचितवनचंचलनैंनपसारि कहागरव
याकटैननकोदेषिहाथलैवारि १ तजिस्र॰
भिमानमानरीमानिनिमैंजुकरतमनुहार
स्वरजहंसस्यानस्वनथोथैंकवडेकवरनज
वार १॰३५ सारंग गाईहीमानकुरावनहोप
यरीकिमाई ऐसीछविराजतहैमोरनसो॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४६१

461

मोपैबरनीनजाई आजुहिबलिगैबदनादेषै
धैनोलौंजोलौंरहैनिठुराई सूरस्यामप्यारी॥
अतिराजतमनहिंगावरेडुराई १०३९ रागकल्या
न बिरमनकीजैभामिनीरसमैंरसकीबा॰
त मैंपरईतहिंलैनसोबवेनोबिनकछुनस
हात हाहाकरतितेरेपाइपरतहौंछिनछि॰
नतिमिचटजात सूरदासतेरोमुषजोवत॰
अतिआतरअकुलात १०३० बिहागरा ऊन
रनदैनमोहरीमोनहैरहीपनोसुनिसबबा॰
तैंनैकहूंनमटकी अवधौंचलैगीकबरज
नीगईरीमवमसिवाहनवरनीलैदेषिलट
की मैंनारीकैंरअलोलपरैंरीकरकपोल१

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ह्रमिलिषतनषनिकरह्नतनरह्रीवटकी १ ध्रु

समानश्रापज्ञसपतम्रानिवज्ञाविवेरह्रैहेरीति

मचरकेरटकी म्रराप्तसवलिजांउराधिका

झंववचलिश्राज्ञञ्जवितेरेश्रात्वेनीलेपटकी

१-३८ रागकान्हरा ह्रनीयरह्रग्रज्ञमानकरै

ह्रविपटयौमोकोंश्रानरह्रैयरह्रजियमोचक

रै केसैंववनकहोंयाश्रागेंमनश्रज्ञमाकरै

वतरचतरई फवैनयासौंमानिरिमश्रतिंही

करै म्ररस्यामकयौसरह्रजमनैयेमोयरह्रग

ह्रवकरै १-३९ रागनट नेंरनैनकिथोंरीवा

न कितेमरेकियेमररूपरेयरकेतेगाहिग

हिगाषतश्रान षगापरकमलकमलपरक

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४६२
462

दलीपरहरिध्यान हरिपरसबरसरपरक·
लसाकलसापरसकिभान । ससिपरविं
वकोकिकलाना[illegible]कीरकरनग्रनुमान वी
ववीवदा[illegible]नेउलिउपजतिमधफपञ्चूण्र·
सपान ठेलागाति[illegible]सबगुनलिउजागरिहूर·
नकलानिधान सरसणामनवदवसनका
रनध्याऊतनएदेग्रुमान १०८० गागसोरट
गायेरविबिपकेतानलिपावत मेरुसनाए
तिन[illegible]नाकोंकोंनसनावत ह
रुवाहनलालाहनउपमासातेंपवेंहुगावत
नवग्रहसानवीसलोहिमेदनकाहेगाहर
लगावत । सांरंगावचनकलोकारिहरिके

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सारंगवचनसनावत स्वरहासप्रभुवदास

नविञ्लोचननीरहुगावत १०५४ सोरठ ज

लसतशीतमसतरिपु[illegible]गुभञावनन॰

विलक्षभयोरी मेकसता[illegible]तजमाथे

कोटप्रकासनमाउगयोरी माकतसतप॰

तिप्रकप्रवासीपतिवाहननोजननसहा॰

ई हरिसनवाहनप्रस[illegible]सनेहीमानोप्रनल

देहदौंलाई १ उदधिसुतापतितासकोवाहन

तावाहनकैसैंसमकावै स्व[illegible]लि

यमसुवनरिपुतिहिउनारलैशलिलबहा॰

वै १०५५ रागरारांग प्रणलीला मानिमना

योराधाप्यारी करियनसरलदहनकेना॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

इकनाहूपीरप्रेमकन्यारी नेंजफकतरी॰
श्रीरनहूमतप्रवतेकाहेहूसी विनहिमसि
सवननकतामसतैंनेंमघकमलविहूसी १
देसेविरटहूपरसनागारेलीनीपलहिकहु
सी नैपैंइलीप्रेमकीसंपतिसोसंपतिकि॰
नमूषी उनतनविनेप्रापतनचितवोग्रहो
हूपकीशसी पियप्रपतोतऊहोउनप्यारी
इमसेइयेकोसी २ नोमैंशानशानवलभ॰
केतैनोचरनउपासी सनिलैहूकोऊचनर
नारिकनकरनप्रेमकीदासी ज्योंज्योंसोन
गरीस्योंउनकैंवाढोप्रातरलाई कानूप्रान
वनितारतिसनिकैसनवेदीनिठुराई ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हियेंकपाटतोरिजउनाकीवोलतिनहीतु
लाई हागाधागाधाजकलागीचितवानकी
कन्हाई जोपैमानतमागैनांहीभावतेमान
नहोई हियउनवानप्रेमरमउदिहैयंनभाव
तोसोई ४ जोगीरीतिहिनेहगवेहैलाषक
हैविनकोई काहूलियौप्रेमकोपरगौचत
रनारहैसोई कतहैनारिरहीनीचैंकरिदेषि
यतलोचनफूले मानोकुमरदहदिउरुप॰
निसौंसकुचग्रथोमषफूले ५ तेरहितह॰
घभांननंदनीसेवतजमनाकूले तेरेतन
कमानमोहनकेसवैसपानपभूले ईडुव
दनसषमरनसपारीनेननिकनपलजो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मा
सा
४६४

464

रे नैरेदरमनश्रामकेप्पामेहविकैंनैंनचके
रे ९ नैरेवलवैंमननतनकाहूउपजनकाम
हिलोरे कहियनद्रतेचनरनागारनेननक
सानमभपभोरे नवहूनीफिरगाईकान्हूपै॰
स्पामउहांश्रुतसरई ज्योंहूटतजैश्रानप्पारी
मोजननसवेरोकरई २ वैवैसैंनमश्रैसें
वैटमेंज्ञोकाजनमरई कहानकीजैवादि
श्रापनीकिननकमसोमनिमरई श्रपनीचो
पश्रापूंडीश्रायेहूरदेश्रागैंदाटे भूलगाईस
ववतसपानपद्भतेजसबगुनगाटे ८ वो
लैंनंडीउलेनउलायेमनोचित्रकाटे पसो
नकामकहैनागारमोहैंचवरीकेवाटे हू

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तीवचन नेहूँउलटिवताइकियौहूटयह
परकिरननिहारी आपुनफूलमाललैदा
देखिगोवरधनधारी प्राननाथसौंरिस·
कझकैसीसनिहूषभानदुलारी कहूँन·
भईमनीनहिंदेषीजलतरंगतेंन्यारी १२
सहूसवौमिलनविलगानकोआनिकसंभ
रंगजैसो सदानरहैजाइछिनमैंकुरपान·
श्रोसकननैसो वैहूँपरमसलीनकियैम·
नहूँसकाहिमोहनवैसो चरआयेंआदरन·
तुकैयेवैदीहूयश्रवैसो २ पनोभौंरभावते
मनकेश्रौरवैलिकोपैसी कीनोमानसर
नमोहनसौंकीनीवातश्रनैसी जानैंनमकै

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

लालनमारोनमैउनैहैजैसी याहीतेंखति॰
गारवभरीहोवैदाटेनमैवैसी ३ जावनज॰
लभरघाकीसविनावारिटिनाकोआवै खेत
उटाथिमैलीनहोइजोलहरकोटउपजावै व
लभकोंवलभहैमिलियेनोहिकौनसम॰
फावै लैवलभवनभावनेमोहनभुजभरि
कोकहिगारिटिवावै ४ राधावचन फकि
वोलीहांनीहोत्यांनेंकोंनेमिषेपटाइ लैकि
नजानभवनअपनैंत्यांलरनकोंनसोंआइ
कोंनतिमपीटहैंवैटीमहचारिओरतुलाइं क
लुनानीकलुसीरीवातैंकान्हहिवोलिसना
ई १ वैटीलैटरपनधरिआगेंवैरहेपाछैटाढे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पटअंतरमसुषश्रीरनिहारेइनेसानमनगाढे
नरफनरहैंथरैंनहिथीरजविरहिग्रनेलके
शढे इननागरिचनरचनरउननागरइन १
वाननकेपाटे २ हनीवचन वशैवशइकों·
प्रनिपारैवशैवशइक्षीजै नाकैवशेवडेसव·
नागनवैरवडेसोंकीजै नेहृषभांनवडेकीवे
टीजाकेन्यांयेंजीजै जहिपवैरहियेमेहेसीवे
मीपीटनटीजै १ भामिनिश्रीरभवंगमहोऊ
इनकेविषैहिउरिजै गवैंग्रनविरचैंसुषना
हीउन्हैनभूलपनीजै इनकेवसमनपरेम
नोहनवडेजननकरिपैये कामीहोइकाम
मानरसोकैसेंकेसमफैये २ जेनेप्रेमछके

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्त्र
सा
४९९

466

देषेतिनैनवालनरनाई नैरमानसयानसषी
नेकैसैकैसमनफाई हौंजकहतिहौंवाटवा
वरीन्हनमैंआगिउटाई परिहैकोऊविनग
भावतमैंत्रुफैनहीमत्रुफाई ३ वड़रोंभये॰
सहचरीमोहननाकैंअपनीघातें लागेकौ
नसषीकेधोषैंकहनऊंजकीवातें सधिक
विदेषिकसवैउनकेजवषाईहाहातें आपपी
रपरपीरजानिकनभूलीजोवनमातें ४ कहूं
भयौनसयौनैदेष्यौतनसौंआनग्रवोलैं हो
नकहाहैआलसहूमिसषिंनहूंवटपटषो॰
लैं पावनकहामानैमैसजनीकहागवाव
नवोलैं कान्हहीआननाथसंगप्यारीफिरि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

होऊंजनजोलैं ५ कहारहीश्रुतिकोथिग्राग

निजरनैकनदयादघानी प्रगटैज्ञानिमदन

मोहनसौंबानबानश्रधिकानी सिषकीक

हतश्राषिलागानिहैलागनभलीसषानी म

नकीवैंपमानकरियनकनघोरेहीश्रनवा

नी ६ रहीमूरिंपरसौंहटभामिनिभूलिनव

टनउबारे हरिहितवचनरसालकटिनपाह

नसौंहूटउनारे धरैपीतपरमनमाषराटैनेक

नकोपनिवारे जिहिप्रारीनदेवनरसारम।

निसोयरीननाप्रकारे ७ कवहूंनिकटवैठि

कुसमावलिश्रपनेहाथवनावै जोईजोईवा·

तभावनीभावैसोईसोईबातचलावै जितही

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४६७
467

तकषफिरतभामिनीतिनआगुनहीआवै ना
चतजाकेउरत्रिभुवनतं छिनमैंनाहिनचावै ६
षिनगावैषिनवैंनवजावैकमलभृंगकीनाई
षिनपाइनतरहाषपरसारतछुवननपावत·
छांई छिनहीलेवलाइभामिनिकीलालव·
कैललवांही कहतआनकीआनमनोहरि·
छिनछिनहाहाषांही ५ जिननैंननिदेषत·
उषभूलेसउषनैनसमावे जोसषसकलस
षनकोरानासोसषनैंकनजोवै जोलिलाट
त्रिभुवनकोटीकोसाइनतरिसोवै गावैजा·
हिरदेवनरसरसनिविरचैनाहिविसोवै ६ प
तेमानभएवमनागरवोलतकपटकुराइ टी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पककोधप्रेममाकनतछिनपरमैंजिनवकजा
ई कवहूंकरकञ्छलहूतीकोकहैवानसष
दाई कपटीकोंन्हपन्याइनराधेनोहिद्वषभान
दुहाई ११ पटयोमोहिदईवनमालाजहांकहूं
रतिमानी होवहिवानरतैउदिआईआलीलोहि
दुरानी काहेंतैंहमिवौवदायोमोसोंकरोक॰
हानी नेंनागविपरिवानिराधिकाइहिठल
अधिकारिसानी १२ राधावचन जानोकहा॰
कौनअपराधनआनिकानहेलागी सोसनि
रहीसंदरीकेननप्रगटडवारेंआगी जहापिर
सिकरसलरसीलेप्रेमापिद्ठषनपागी जि॰
नेदियेसषमंत्रसांवरेतऊदटलहरनआगी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४६८
468

कहियेकहानंदनंदनसोंपसेलाउलगाइ तें
नागरिनैवैपहिचानीनागरनागरनाई इनके
दनवंदनवंधियैवहदुमनपायौजाइ कहा
कहीयकहिनेनहीगावेसैमेलाउलगाइ हारे
कहिअवलासोंमोहनतंजतनपानेकपोलें
मानोपाहनकीप्रतमासीनैकनइनउतडोलें
हतीवचन इनदिवसनहसवौकरतहोक·
विहोकवैकलोलें कहादियोपठैसोसखा·
सकैषैवग्रापनोसोलें तवहदपसोप्रानव
लभसोंलूटतनाहिलूटायौ देषेंसर्वाफिप·
सोमनमोहनमनोभवंगामषायौ १ काहे
कौंअपराधलेनहोकरतकामकोभायौ नै

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

निकटह्वैवैदिरायिकाजौचारतिह्वैजायौ व·
ड्रौंलेड्डजगाइमनोहरजवतिजतनउपजा
यौ विरहानापदापहरिवैकोंसरसमगंधव·
ढायौ २ जितेकियेउपचारमनौंलेविरतञ
गिनिमैंनायौ कामश्रगिनितैंविनाकामनी
करिकौनैंसविपायौ जिहिकेहितनंत्रिभुव
नगाइठकुरानीकरिहूजी जिनकेसंगसंगार
तिविलसीवननाइककरिहूजी २ ग्रनादि·
नकाइलासविलासनिवेश्वलितंसंहूजी से
सेपियसौंमानकरतिहूतोनोतैंमग्यनहूजी
मेरेकहेंमानतीनाहिनयहकोऊसौरकहै
गो· राघनमाननतिहारोमोहनपनेकोनसहै

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४३५

469

गो ५ जानोगीनवमानोंगीजवननकोंका·
मदहैगो करिहोमाननमदनमोहनसोमान·
दीहाथरहैगो राधावचन नषलिषिकयो·
जाहूनाके उदिजाकेहाथविकाने जासोंरहि
तेंनदिनमाधवहरदहूनजोंमाने मषमेरे·
हैमाननमनावतमनवासोंलपटानें गावतवि
रदलोकसाचौहूरिहरिहमकोंविसरानें १ मो
हनवचन तेंममतिलकनहीममभूषननम
हीधानथनमेरो होंसेवकसरनागतष्रायोजी
वतमनमननहेरो तेरीसोंवृषभाननंदनीएक
गांऊसोफेरो हितसोंवेरनेहघनहितसोंयरहे
तेरो १ राधावचन परधनमननटमनदाकाभि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

निडोलनकंजनमांही वारनथेनुफेनमधि·
पीवनजेवनमहीकोवांही उमनकामका·
मरीश्रौरनवैठनगोपसभाही भूषनमोरपिष्
षनमुरलीतिनकेप्रेमकहांही १ मोहनवच
न प्रेमपतंगपैदीपकमैप्रेमकुरंगवधैसो
वानकरदैवकोरनमोवैटेषिमीनवनजैसो
जहांप्रेमनहांमानतमानानिप्रेमनगैयानिपे
सो प्रेममध्यजेकैरैहूसवोतिनैप्रेमकहिकै
सो १ गाथावचन रिसलैनैंनपुनिधारेमनि·
मालाननदेसे निरषप्रापप्राभासमयानेव
दूरिनैनरूषफैरौ लिषेफिरनमनमांफडगा
थेंजाननलोकपुंथेरो उनैमानभावनेतम·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४७०
470

कतमानमनावतमेरो १ मोहनवचन तेरी
सौंभ्रामामतिहारोइहांश्रीरकोमोहै लैटरप
नमनिधरेपाइतरटेषोहैमोंकोहै विनश्रपरा
धटामकोंत्रामैंटाऊरकोंमवमोहै निरषउ
मयप्रतिविंवश्रापनोफिरेनैंनमनमोहै १
नैकमोहनमनकानिजानिकेमनमोहनम
षमान्यो मानोंटौटुमजरतश्रामभईऊन्यो
येवरपान्यो जेभाईतेसोंहरिवाईतवमधेम
नमान्यो टियोतेवोरहाषश्रपनेकरिप्रव
मैंजीवनजान्यो १ राधावचन हमकरि।
कस्योवलोटहरिऊंवनटौंश्रावतिहोंपाछें हा
थलऊटियाकामरकांधेभेषितिहांगोकाछैं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

गऊदुहनकीवेरभईहैलयैंवछ्रुकवापाछैं ।
जोनपन्याउराषिल्यौंमरलीहमैंनमैहैसाछैं
मघनकेंजमुलिगुंजतदांहरिकुमलैतदांउ·
साई आनरजानिमदनमोहनकोंकामके
ललैआई उटिगोपालमुंकमोरलीनीमनोंर
कनिथिपाई अनिरमरीनश्रीनपियप्यारीछो
रतनाहिछुराई २ अवलेंवनआलिंगनछुंव
नदियोमरतमषछूरो रहीफलकिअमछूं
दवदनपरओरपाइषगाहूरो मषसमीरसों·
मैंषिपरस्परगाहेपानपियजूरो हूफननान
मन्मथ्थविनगाजन्नवडरौंदेंतमहूरो ३ आ
रसमगनवदनकमलानोअवलानिरवल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सुर
मा
४७।

कौली विषकतजातिस्पामविवभुजभोविशि
घाशुंकभोरिलीनी गोरेगानमनोहरउवजेफु
लेलकंञुकोभीनी जञुमधुककलसस्पामना
ईकेस्पामञ्चापमोहीनी ४ इलिगायिकानव
लउतनागरज्जरेसभटरणोहोऽ वानकलूट
नैंनशुसितषवरवरषस्मितानेंसोऽ हूटेहार
केंञुकीटरकीयाइनमरेनकोऽ प्रगशोन
फुनवीचकरिवेकौलाजलजानेंशोऽ ५ क
वहूंथुंवरशोरजनावैवितवैवटनउचारी म
नमरकतमनिसैलहूटेमैंनिरषतमषशत्रु
हारी कवहूंघोलिलेनशुपनेकरशूष्येकवा।
विनचारी मानोदीपकउरितभवनकीमर।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नगाईछैयियारी ६ इहिउररहनपीनपरछो
टैंकहाकहौंवनगाई मोरेकानूकामकरैमो
रैयोरीवैसभुगाई प्रभुमैंप्रियाप्रियामैप्रभुदैं
न्यौंजलतरपनकाई यहजिनकरोहियेमैं
कोहैवङ्गरिपैकटनाई ७ करजोरैंविनती·
करैंमोहनकहोपाइसिरनाऊं होंसेवकसर·
नागतआयोंकहोतोविदीलिषाऊं तेरीसों
वृषभांननंदनीप्रवदिनतवगुनगाऊं प्रव
जिनकौमाननममोसोंयहैमोजकरिपाऊं
८ हमकारिउरिप्यारीउरलागीमनोमहाम
घपायो नममनदियोप्रानवननानननहोंम·
नकाहिलगायो लईवलाइपाइलागतयों।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्नुर
सा
४७२
472

पिछलौउषिविसरायौ स्यामसनोहेप्रेमक
सौटीप्रेमहिमानसहायौ ९ टूटेवेंदछूटीय
लिकावलिमालगतेंतनवागे अंजनअधर
भालजावककरंगपीककपोलनद्रागे विन
गुनमालपीटगाडकेंकेंनउवटिउटेउरलागे
रसिकराधिकाकेसुषकोसुषविलसेस्या॰
मसभागे १० रसिकगुपालनवेलीराधान
पतेद्दवसकानी प्राननाथसौंप्रानपियारी
प्रानपलटसोलीनी रतनागरिचतुरचतुर॰
उतनागरउभैबुद्धिपरवीनो प्रतिदिनजान॰
माननजिभामनिमनमोहनसुघटीनो ११
गायेऊंजकेलिकीतहलनोगावेजिहिभावे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वड्डरनवसैगर्भपातकमैंश्रहनिरभैपदपावै
ताकेसदासमीपवसैंहृदिनितध्यानेंदवदावै
जीवनमुक्तसुरकेप्रभुकोध्यानेंदलीलागावै
१०५५ मलार राधिकावसकरिस्यामपाये वि
रहगयौहूरजियदहरषसवकैंभयौसदहसमष
निगमजिहिंनेतगाये मानतजिभासमनमौ
नकोवलहस्यौफिरनवनकंतकेत्रासभारे
कोकविधिनिपुनदोऊस्यामस्यामाप्रवल॰
ऊँजगहहारदाढेसमारे १ भक्तहितदेनत्र॰
वतारलीलाकरतरहतप्रभुनहोंनिजध्यान॰
ताके श्रृगारप्रभुसुरव्रजनारिकेहितवेधेद
तमनकामफलसंगताके १०५५ १०५७ इतिश्रीभा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४१३
४१३

गवतेमहापुराणेदशमस्कंधेषट्विंशोध्या
य ३६ अथभूमासुरवध रागदेवगंधार २
कहदिनहरिहलधरसंगगऊचारनि खेलनजा·
तवलेगोधनवनचारनि कोऊगावतकोऊ
वेनुबजावत कोऊसषकोऊनाटसटस।
नावत १ खेलतहसतगायेवनमहीयो चर
नलगीजितनितसवगाईयो हरिग्वालन·
संगखेलनलागे सुरसुरमेंगालजगकेभागे
१०४८ गगनसोरट ३ हरिसुंगतरूषभासुरआयो
देष्योनंदसुवनवालकसंगभलीवाततहैपा
यो गयोसमाइरूषभननधरिकैमनमैंदा·
उविचारै हरितवदीलषि(यो)ग्रसरकोउलत·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

येत्रविहारे १ गेयांविफकवलीजिनकित·
कोंमषाजरहांनहांवैरे हृषभसीगासोंयरनि
उकामतवलमोहनननहैरे श्रावतवल्यो·
स्यामकेसनमषनिउरश्रापत्रुत्रमारी क्रूटि
पस्यौहरिकुपरश्रायौकियौजहश्रतिभारी २
धाइपरेमवमषाहांकदैहृषभस्यामकोंमा·
स्यो पांडवकरिभुजसींगाहिफेस्यौभूतलमो
उपह्यास्यौ पस्यौहृषभपरवनसमानह्वैव
क्तितभयेमवग्वाल हृषभजानकेहमसव
धापयहकोकुविकराल ३ देषिवरनजम
मनकेसनकोमनमैकरनविचार स्वरदा·
मषभ्रम्रमरनिकेरनसोननिमनश्राधार ४· ६०

रागरामकली धनिकान्हधनिब्रजआए आ
जुसुतनवधरिकैयहमास्यौधनितमहमैंव
वाए यहछैसोतमअनहीननकसेकैमैंभु॰
जनफिरायौ पलकमोहिमवडनिकेदेष
तमास्यौधरनिगिरायौ १ अवलौंहमतम॰
कौंनहीजान्यौतमहोजगप्रतिपालक सूर
दासप्रभुअसरनिकंदनव्रजजनकेदुषधा
लक १०५८ व्रजप्रवेशसोभा रागगौरी आ
वतमोहनधेनुचराये मोरमकुटसिरउरव
नमालाहाथलकुटगोरजलपटाये कटि॰
कछनीकिंकनीधुनिवाजतचरननिपरनु
पुरवाजिराये ग्वालमंडलीमध्यस्यामघन॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पीनवसनदामिनीलजायैं । गोपसषाश्रा
वतगुनगावतमध्यकान्हलधरछविपा·
यै स्नरदासप्रभुश्रमरसंचारेब्रजआवतम
नहरषवढायैं ।०५५ रागरामकली नेरो
माईगोपालरतनस्रूरो जहांजहांभिरतप्रवा·
रियैजकरितहांपरतिदैहूरौ हृषभहूपटा
नवरकआयौसोछिनमाहिसंवारौ पौंडु·
पकरभुजसौंगाहिवाकौंभूतलमौंफपछा
रयौ । कहतगवालजसमतिसूनमैयाव·
डोष्टननेंजायौ यहकोऊआदपुरुषअवता
रीभागहमारैआयौ चरनकमलरजवंदत
रहियेअनुदिनसेवाकीजै वारंवारसूरके

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

प्रभुकोंनिरषवलैयांलीजै १०५८ रागसोरठ
जसुमतिवारवारपछताती सुनिकोरतहु
घभासुरकीजवग्वालकहीसुषवानी गोध
नभीतरग्राइसमान्योकान्हुह्निमारनताकौ
मैनहिंकान्हूकोकछुवाल्योप्रग्यानिहीवर।
नाकौ। सुनिजसुमतिभैयाकतषीजतह
रिकेभाषपाल गरवनतल्पदेहूधारीकोंप
पलमैंकियोवेहाल तमरीरछाकोयहूनं
नीयरसवव्रजनरषवार सूरस्यामसवकोम
नमोह्योमोहननेंटकुमार १०५१ रागसारंग
हमैंतुरकौंनकौंरेभइया उलनफिरनसक
लहुंदावननाकेमीनकन्हैया तवजवगा८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

परनहैह्मकौंनह्वांकारिलेनसहैया विरंजी-
वजसमतिसनतेरेह्वारिह्लधरदोऊभेया १
इनतैंवड़ोश्रोरनंहीकोऊपसवदैनवषैया स्र
रस्यामसनमषजेश्रायेतेसवसरगाचलैया ४ ५२
रागबिलावल हेंमिजननीमेंवानकहतह-
रिमैंह्वदावनदेष्योनीकें अतिरमनीकभूमि
द्रुमवेलीकुंजसघनतिरषतसषजाकें जम
नाकेतटधेनुचराधेंकहतवातमातामननी १
कैं भूषमिटैवनफलकेषायेंमिटेप्यासजम
नाजलपीकें १ सनतजसमतिसनकीवा
तेश्रतिआनंदमगनतवहीकें सूरदासप्रभु
विश्वभरनजेचोरभयेव्रजजनकरहीके १०५ ३

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४२८
476

इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेसूरदा
सकृतौसप्ततिंशोध्यायः ३७ अथकेसीवधवर्न
न मारू अखरनवउकटकावंधस्यो सभामोक
वैसोगरजनहैवोलतरोसयस्यो महावडेजेस
भटदैत्यकुलवेदेसवउमराउ मासमानमेवेसे
वकनोंहीजाहिकहौंकलुराउ १ नृपतिराजः
श्रापमदैहमकोंश्रेसोंकोंनविचार तमश्रपने
मनसोवतजाकोंअखरनिकेसिरदार जोकः
रिकोधजाहिउकल्विनमेतिनकोकरेसंघार
मथुरापतिघदसनिगरवतभयोमनमेधरिः
उनवार २ मेनलुउफरजातसीमपरधुजपः
ताकधवपान पैसोकोंनजमोहिनजानतः

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तिहूंभवनमेरीग्यान अमरवंसपमहावलीस

वकहौंकाहिउहांजान ननकननकमेनेट

टहोनाकारिआवैबिनग्यान ३ यहकाहिकें।

सविनैकेसीननकल्यौजाइकरकाज त्रिना

वर्तेसकदाकृतनानिनकीकरतहौंलाज ।

यातेंकछुहूंहैमैजाननधरिग्यानद्रस्यौंवाज

कलवलछलकरिमारिनरनहीलेआवद्रस

वआज ५ अतिगारविनहूकल्यौअमरभूत।

किनकितककातयआहि कहामारैंजीवत।

धरिल्याऊंपकपलकमैनाहि आतापाइअ

सरतवधायौमनमैयहअवगाह देखौंजाइ।

कौनवरूपेसोकंसउरतहैजाहि ५ यहक।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सू र
सा
४७७

477

हिकैश्रायोव्रजभीतरकरनवशेउनपात नर

नारीसवदेषतउरपैभयोहृदैसंताप हरिता·

कौंदैसैंनतुलायोसोपैकाहेनग्रावत नववद

दोऊहाथउठांयेश्रायोहरिदिसधावत ९ हरि

दोऊहाथपकरिकैताकौंदियोहूरफटकार

गिर्योधरनिपरश्रतिविह्वलह्वैरहीनदेहसंभा

र वड्ड्योंउद्योसंभारग्रसरवहथायोनिजम

षवार देषभयानकरूपग्रसरकोसरनग्रा

येउवार १ दोउबाउवड्डभातकियेउननवद्द·

रितुहिउपायो पकहाथमषभीतरनायोप

करकेसटरकायो वड्डंबोफेविग्रसरगादिप·

टक्योसवटउस्योश्रावान बौंकपस्योकेंसा·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सखनिकैभीतरवल्योपरात ८ यहकोऊ

नहीभलौब्रजजनमयौनातैवङ्गतडरात जा

योकंसत्रसुरगहिपटकौनंदमहरकेतात

पङ्गपहुंछिकीनीदेवनमिलश्रानंदमोदवधा

प ब्रजजननंदजसोदाहरषेसुरसुमंगलगा

ये १०५८ भूमासुरवध रागबिलावल हरि

ग्वारनिमिलिषेलनलागेवनमैंश्राषिमिचा

ई मिसहै भूमासुरश्रायौनहोंकाहूजानिन॰

पाई ग्वालरूपहूषेलनलाग्यौग्वालनिको

लैनाउचुराई धरेउराउकंदराभीतरजानीका

नकन्हाई १ गुदीचांपिकैताहिनिपात्योप १

हौपरनिमरफाई सुरग्वारमिलिहरिगुद

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्तु रा
मा
४७८
478

ग्रापदिविद्वतुभीवजाई १७५५ गगाकानुत्रा क

हतजसोटावानसयानी भावीमिटननहीका

हूकीकरनाकीगतिकाइनसानी कहोकहो

तेंस्यामनउवसौकिहिवाध्यौइहिंसौमवग्रानी

केसीमकटाहूषभप्तननातनावननकीचली·

कहानी १ कोमेवेपछनाइमसैवग्रवविनजान·

तसवकरीग्रयानी लैवलाइछतियांसौलो·

पस्यामगामहरषननेदगानी भूषेगपग्रानट

पिषानदिवद्वनग्राजपछनानी गेहनिनव·

नजुवाइलपटोऊभोजनकोंमातग्रनगानी २

स्याईपरमइद्वनिकीप्यारीजेंवनवलमोटनक

विमानी मांगिलियौसीनलजलग्रचयौम·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

षयोयौव्रवनभरिपानी बीराषानदेषिहोऊ

बीरादेऊजननीमुषनिरषसिहानी बलब

लगयीमुषारविंदनैंजनमनहोऊलषपतमि

टानी ३ रतनजटितपलकापरपौढेवरनिन

जारकुसमरजधानी सूरदासकछूफदनमो

गतनवपाऊंकछूटीजैबानी १०५९ फागली॰

ला रागविलावल नित्यधामवृंदावनस्याम

नित्यरूपराधाव्रजवाम नित्यरासनित्यजल

विहार नित्यमानषंडितअभिसार १ ब्रह्म।

रूपएईकरतार करनहरनत्रिभुवनपसार

नित्यकुंजसुषनित्यहिंडोर नित्यहित्रिविधि

समीरझकोर २ सदावसंतरहतजिहिधा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सुर
सा
५३६
४७९

स सदाहरषध्विनन्दीउदास कोकिलकीर
सदाजहंरोर सदाहपमनमधचितचोर २ वि
विधिसमनवनफूलीडारि उन्मतमधुकरभ्र·
मनिग्रपार नवपलववनसोभाएक विहर
तहरिसंगसखीअनेक ४ ऊहूऊहूकोकिला
सनाई सनिसनिनारिपरमहरिषाई वारवा
रसोहरिहिसनावत रितवसंतआयौसमफा
वति ५ फागचरितरससाधिहमारें षेलैंसव
मिलसंगतमारें सनिसनिसरसागमसका
नें रितवंसतआयौहरिषाने ॥५॥ रागवसं
त आयौजास्यौहरिरितवसंत ललनाकोंस·
हरीनोविरंत फूलेवडवरनसमनपलास

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रतिनायकसुषकोविलास १ संगनारिवहू

श्रासपास मुरलीश्रुनकनिकरतभास

स्यामस्यामाविलासएक सुषदायकगोपीश्र

नेक १ नजितनदीकाहूछिनेएक श्रलष·

निरंजनविविधिभिषेक फागरंगरसकरस्य

म जुवतीपूरनकरतिकाम ३ वासरहूंसुष

देनजाम सूरस्यामप्रभूनिकटवाम १०५८

रागवसंत यदुपतिक्रीडतिजुवतिनुसंग सा·

घरसऊवननजितरंग षोडससहसमनअष्ट·

नारि तिनमैसोभितत्रतसैमुरार १ उडगन

निसहितससिसिंधुवार मनुपहिराधौवित·

हितविचार वेवलमलयानिलवलतवीर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४८०

मज्जलदविंबसोभतशरीर २ वदननिकट

कवत्तवननीर मकरंदनमिलमधुकरस्रधी

र मलयजमृगमदकेसरकपूर अंकमश्र

लाभकुलसुगरद्धूर ३ कूटनकटाक्षरसभ्र

कटीघूर मन्मथशमैंनसंग्रामसूर जहांना

रदादिरिषकरतगान जगपरनहरिजसविता

न ४ सूरसमनवरषतविमान जयजयनि

जजनमुषनिधान १५५ धमाल विलावल

स्यामस्यामदोऊषेलतहोरी फागमच्योश्रुति

व्रजकीषोरी श्रुतिदीवनीवृषभानकिसोरी

नवसिंगारस्रीराधागोरी १ उनरिस्यामदल

परदोऊजोरी वारींकाटकामछविपोरी गव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

लखबीरनकीलैकोरी सुरंगगुलालभरग-
लागोरी १ गावतसबैमधुरसुरहोरी तानलै
नटैदैकककोरी राधासहितचंद्रावलिदौरी
औचककौनीपीतपिछौरी २ देषनदौलैगाई
सुजोरी उरगायौसिरस्यामटयोरी ग्वालदेत
होरीकीगारी वैरकियौतमहसौंभारी ४ दस
नपरसपरजवतिनुबौरी लईआइकैपीतपि
छौरी बालकरनसनमुरलीकौरी सुधरनतैं
नहिटारतजोरी ५ भलीकरीसबतमहम-
सौंरी सावधानअबहोउकिसोरी स्यामचितै
राधासुषओरी नैनचकोरचंदरसओरी ६ पि
यकौंप्रियामोहनीलगाई उहिअंतरगोपीहे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४८१

सिधाई गाद्यौहूरषिललितासुजजाई गाईस्या॰
मकीसबबनगाई ३ मनमानीसबकरनबङा
ई राधामोहनगोटज्ञगाई करनसबैरुचकीप
ञ्जनाई नंदमहरकोगारनगाई ४ फगुवाहू
मकोंदेहूमगाई पंचरंगसारीवञ्जनदिवाई ल
रनसबैजवनीपहिराई लीनीजोजाकेमनभा
ई ५ षेलतफागरह्यौरसभारी वृदाकिसोर॰
वालकनरनारी प्रतिभ्रमजानगयेजलतीरा
ग्वालग्वारिहूलधरिहरिवीरा ५ परमपुनी
तजमनजलरासी क्रीडतजहांब्रह्मअविना॰
नासी धन्यधन्यसबब्रजकेवासी विहरतदे
हरिसंगकविहासी ७ जलक्रीडानकरिनिति॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मिलकीनें ब्रजनरनारिनकोंसुषदीनें क

रिसुक्रमनानवलेब्रजधामा करेसवनिकेपूर

नकामा १२ जोसुषनंदजसोदापायौ सोसु

षनांहीप्रगटवनायौ सुरवननायहमाधवि·

वारें कैसेंहरिसंगहमहूंविहारें १३ धन्यधन्य

येब्रजकीवाला धन्यधन्यगोकुलकेग्वाला

सुरस्यामजिनकेसुषदाई भूप्रगटेहरिहल·

धरिभाई १४· रागगौरी कबुहिनब्रजश्रोरों

रहोंहरिहोरीहै सुवजिनमथुराजाहुकरोंग्र

होहरिहोरीहै परवकरोंचरणपनेहरिहोरी·

है कुसलषेमनिरवाहूग्रहोहरिहोरीहै १ प

तिवापियचलियेनदीहरिहोरीहै हिमीयाम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४८२
482

भनप्रनंदवसहरिहोरीहै १ सवसहकोफ॰
लफाग प्रगटकरोहरिअपनोंअंतरकोअनु
राग मनोहैजाटिनसोथिकैभूपतिकोनोका॰
म मसिरेखासिरतिलकदैसवकोऊकरैप्र॰
नाम २ कनकसिंघासनवैठेयोजवनिन॰
केउरधान मुलककेवोरसुवलधजाहूंवरस्रा
तपनान फागुनमदनमहीपतिउहिविधि॰
करिहैराज पंचहितिथिभरिवरनिहोंसारद॰
कृपासमाज ३ नीजतिहूंप्रप्रगटियोअप॰
नीश्राननरेस सनिगामगामउफडुंडभीसो॰
इकरिहैसवदेस वौथवहूंटिसवालियेयद॰
अपनीइकरीत मेरेगुनगाहनिलजहैलाटि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सकुचकुलरीत ४ पांचैपरिमितपरहरोचलो
सकलशहिचाल नारिपुरुषषटकैकरोयहैव·
चनप्रतिपाल छूटछ्रागारसराणिनीनालना
नवंधान चपलचरितरकनाथकेसीषोसरसं
धान ५ सानैस्नानिसवसजिवलीराजाकेरुव
मान श्रपनेश्रपनेघरननैंसवेवलीहरषान
श्रादैंउरश्रउमानकैसवनिमन्योमनपक नृ
पतिकहैसोईकीजियैजिनकोऊकरीविवेक
९ नवमीनवसतसाजकैकरस्नानथउपहार
मनोवलीमिलिमेलकैमनमिजभवनजुहार
दूसमीदससदिससोधिकैवोलेराजाराउ जगा·
नीस्पोचलश्रपनैंस्नानवैराराछूराउ १ स्नानि·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४८३
483

आईएकोटसीबोलेसबसिरनाइ नरनारीसब
बसकरीनेगेयहकाजसिराइ सुनिसुनियह·
भूपालकौबडरआसिषादेत करहुराजअति
सुषहिसौंरतिसुतन्हसमेत ८ देषिभलेम
टआपनेहाटसदिवसविचारि काजकरोहव
आपनीहैनिसंकनरनारि ढोलनभेरडफबां
सुरीबाजैपटहिनिसान मिलहुलाजपटखो·
उकैउबरोनहीनिदान ९ बेकबचनवनस
जेघरनभएसबार धूरिधरीघरफैंटभरि·
धारजेंबहुषियार जहाँतहाँसेनाचलीसुकत
उरजसिरकेस आपनपरमसफैनहीरागनारे
कपटेस १० जहाँसनैनपसंजमीधर्मधीरआ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वार छिरकैजाइनिसंकहूँपकरैनोरकिवार
जैकवहूँदेषीनहींकवहूँसुनीनकान तिन-
नारिनकेउरनसोंलगेउरुषपरिग्रान ११ मा
नपितापतिवंधुकीछुटीसवनकीकान था-
इधैमिलिक्रूलवधूपरउरुषहिंपरिवानि
नैनभरैसुंजनकरैछिरकैवंटनवारु मरजा
दागषैनहींकटपटउरैफारि १२ नेरसचोट
सदिवसमैजिनजीतेजगराफारि सठपंडित
वेस्यामधूसवैभपरकसार द्रुन्योपग्राटशना
पतेंउवैमिलेपालागि जहांनहांहोरीवरीम-
नोमवासनिस्रागि १३ सवनावैसवगावहीं
सवैउगावैछार साथसुमायनपैषहीवोलैव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सू.र
सा
५८४

484

चनविकार विमलवसंतजुमाजिकैमरजा
शकीषानि अतिअलीतजियजानिकैपरबा
प्रगटेश्रानि १५ परमधरमतेंराषेकृपाकरो
रतिनाथ आवतहीविनतीकरीहमियेजारे
उदिहाय सुनिआपुमरतिनाथकीनृपसम
ज्यौमनमोहि नाउधरमअपनैंरहौवसोहमा
रीवाहि १५ सुनौकहांलोवरनियेमनसिज
केगुनग्राम सुनोस्यामउहिमासमैकियोजु
कारनकाम सुररसिकमनमेंकियोसुनि
राधाकीवात स्यामकृपाकरिहरषरहेवरजे॰
मधुवनजात १०९१ रागवसंत देषियतव॰
नवृजराजग्राजसुनिउपजतहैसुनरागा मा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नोमदनवसंततदोऊमिलिषेलतफिरतज्ञफा·
ग डुमगनमध्यपलासमंजरीउदितअगनि
कीन्याई अपनेअपनेमेरनमानोहोरीहरषल
गाई १ नवदलकुसुमअनेकवरनवरविटप
निभेषधरे मानोराजतराजसभामैसभहीरे·
गभरे केकीकोककपोतऔरषगगारवकुला
हलभारी मानोजुवतीस्यामपरसपरदेतदि
वावतगारी २ फिलीफांकनिरफरनिसान
डफभेरभौरगुंजार मानोमदनमंडलीरचिघु
रवीथिनिविविधविहार झंजनझंजनिकुज
नकोकिलवानीविमलवढी जनुकुलवधू
निलजहैगावतिगृहगृहअदनवढी ३ ५३

सूर
सा
४८५
485

पपगागसुपरसतकीऊतिफिरतिपवनसुतिधा
यौ रमसुनरासविरहनसेंजोगानिकोरिवाडि
नमनभायौ जहंजहंऊसमलनाहेषतसुलि·
तहींतहींसुलिजात मानोममफिरतसुवलो·
कनपरसतगानिकागात ५ कहांकहांलौंक·
हौंरूपनिधिवृंदाविपिनसमाज सूरदासप्रभु
सवसुषकीनिधिकानूनमानौराज ९८२ रा
गवसंत देषौवृंदावनसोभकमलनैन मानो·
श्रायौहेमदनगजनगरदरदैन द्रुमनवदलकुसु
मसुनेकरंग प्रतिललितललनासंकुलितसंग १
करयैंपत्रषकरिकसनिषंग सत्रुवनेसम
टसाजेंकवचअंग कोकिलकंजरयुयहोंस

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मोर रघुसैलसिलपटचवचकोर २ वरधुज

पताकनरनाक्केल निरफरनिसानवाजैभं

वरभेर छविछाजतविपुलविलोलपान श्र

तिसीतलमंदसुगंधवान ३ छविघाउधरन

जनुतरगगात श्रुतितेजवमनवानेउदात

सुरदासइमवदनवाल आयोकामकृपन·

सिवक्रोधकाल ४ नवविनैवललोचन।

विसाल श्रवश्रुपनोकविधापियैगुपाल ५

३३ धमाल रागसारंग होरीषेलतजमनाके

तटकुंजननविहारीगिरिधारी उनमधिपन·

कोमंडलजोरयौधीवृषभानुदुलारी होहोहो

रीहोतपरसपरदेतदैआनंदभारी मारगला

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सुर
सा
४८६
486

लखरगजाकेसरकरकेंचनापिचकारी १ नव
मोहनसवसषाञ्जलायेमिलिकेंमनोमनायौ
रैभयातसवौकसरहियौमनकोऊहोउगहायौ
वैजोहमकोंपकरपाउहैंकरहैमनकोभायौ
तातैंसावधानह्वैरहियौहमतसकोंसमझा·
यौ २ श्रीराधागोरीनवलकिसोरीञाउहीस
तोजकीनो सषीपकवोलिञपनेहिंगभेष
ग्वालकोकीनो ताहिमिलनकोंचल्योभाव
तोकाहसषानहिचीनो नेकसवातनिलाइ
स्यामकोंपाछैंतेंगहिलीनो ३ ञरञाईसव
व्रजकीवनितामोहनपकरैजवही हसवि·
धुनापैमागनदीजोपकरपाउहैतवही नव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हरिवसनहरेजहमारेहाहाषाईसवही भवनो

वसनछीनहमलैहैहाहाकरिहैसबही ४ प

कसषीनवआइअवानकमोरपंखुराहिलीनो

पकसषीपाछेतेंआईपीतांवरउनछीनो पक·

नआंषआजमषमाथेंऊपरगुलवारीनो को

वरनैफागुनकीमहिमामनमान्योमोकीनो ५

पककहैवोलोवलदाऊवहांमिलितमैंखुडावै

पकसषापटवोधरअपनेजसमतिकोलैआ

वै नमजिनजानोछलवलछूटौनेकनछूट·

नपावै आवौराधाकीकरौवीननीवहांमिलि

तमैंखुड़ावै ६ हरिहितैंदेषेवलदाऊवदन·

सषीउरिपाई उनहूकौंजैसैंतैसैंगहिछलव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सू॰
सा
४८७
487

लकीरिलैआई कीनैघरेआनइकहौरेवलमो·
हूनदोऊभाई उनहूंकीओषआमषमास्योरा
धाज्ञसैंनवनाई ७ एककहैंनूवदनउहावोह
ममषहरमनपावै देषेकमलनैनकोमूरत
तनकोतपनवुफावै देषिदेषिहूषभोननेद·
नीमनहीमनविगसोही वडेभागभासेगोकु
लकेहममषकहेनजाही ८ सवनरमनिर्ज
कोध्यानधरनहैंमनमैंआवतनांही सोप्रभुदे
षवननननआगेंटारेजोरेवांही नवैलाललालि
तामैंवोलेमनमैंहोइसकीजै लाडिदेहूवरजै
रिसुषपैनैपीनोवरमाहिदीजै ९ नवैमषीसा·
नमषहैवालीकसुवावहूतमंगाया लोका·

केजियहूतीकामनांसोनाकौंपहिरायौ बा॰
होवेंसनंदबाबाकौंसबकोभलोमनायौ रा॰
धामोहनजगाजगाजीवोसूरदासजसगायौ
१०९६ रागवसंत श्रायौश्रायौपियरितुवसंत
देपतिमनमहषविरहसुनेत फागषिलावहू
सेगनकेत हाहाकरतनगाहलटनेत १ नर
नगाईहरिलियेमनाई हरषनेनउरकेदलगा
ई उषहासीतरतैभुलाइ सोसषउझंकेउर
नसमाइ २ रितुवसंतश्रागमनजान नारि
नुकोगाध्योमनमान सूरदासप्रभुमिलेश्रा॰
नि रसिरायोरतिरंगदानि १०९५ धमाल रा
गसारंग करिलियेंउफहिवजावैरोहीसना

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४८८
488

रकाषिलारहोरीके संगसषासवबनिबनिर्थ
वनछविमोहननहलधरजोरीके लालसुदे
गवजावतगावतभावतधुनिसुरलीयोरीके
लालगुलालसमूहउडावतफेंटकसैंग्रवीर।
फोरीके हाथनिलैभरिभरिपिचकारीनाना
रंगसमनवोरीके १ कोऊमारतकोऊहाउ।
निहारतभ्रमरमपरसदौरादौरीके षेलतफा॰
गकरतकौनहलनेहभरेमनमथजोरीके
वरनवरनसिरपागचौतनीकटिललाटचंद॰
नषोरीके २नहषभानसुनामंगलीनीनक
ननवलमवटिनयोरीके २ नीलंवरसुरंग॰
कंचुकीननगजनराधागोरीके मत्तरामिनि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चनमध्यरहितदुरिश्रगटह्वोतवितवनिथ्योरी
के नषसिषसाजसिंगारनारिव्रजजनतनइंडि·
याङ्गसंभवोरीके पांनभरेंमुषवमकतबो
कामालटियेवैंदागोरीके २ कनककलस
केसरभरिलीनेवङ्गतैंरंगरंगाबोरीके ज्ञव·
निहूंदवजनारिसंगलैजाइगहेयोमगाव्रजबो
रीके वरचरटङ्गटिमनैंउठिधाईगुरुजनश्रुरू
३रजनवोरीके ३नैसपाकरजेंचीलीनेगा
रीदेह्सिकवनोरीके ४ इतहिसषीकरिवा
सलियेंविवमारमचीफोराफोरीके पाछैनें
ललितावंद्रावलिहरिपकरेभरिभरिकौरी
के ब्रजजवनीदेषतहीधाइजरांतहांसब·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मार
मा
४८९
489

चंद्रगोरीके इकगाढिपीतांबरफकफोरनहै
कमरलीलैकरमोरीके ५ इकमखमोंमख
जोवरहतहै इकफिरतहै पकरतिपतिगोरी
के नवनअवीरहेरैजमनानटमायिविम·
गीमाघनचोरीके अवहमहापञापनोलैहैं
पाइपरीगायागोरीके अपनेंअपनेंमखके·
कारणसबमिलिफकफोरीके ६ नीलांव
रपीतांवरसोलैगांठिदईकसकसडोरीके
कनककलसकेसरभरिल्याईग्वालिटियोह·
रिपरहोरीके ग्वालिग्वालंदभरीव्रजजुवती·
गावतगुनसबमिलहोरीके अमरविमान
चढेमखदेखतपक्लप्रहृजयधुनिपोरीके

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सुरदासप्रभुनिकैसैवरनैछविराधामोहन-
जोरीके १९९ धमालरागगौरी ग्वारिनिजे
वनगारववगहेली राधाकेसंगराग्रामसहेली
झंऊउवटकनकतननगोरी श्रंगसुगंधचढी
रकिसोरी १ दछनचीरपटाउकोलहलगा
पहिरेविविधिपटमोलकोमहिमा कवरी
ऊसुममंगमोतिउमनि केसरआउलला
टभृऊटिपउ १ काजररेषनैनञ्जनिघारे
षंजनमीनमधुपमृगहारे श्रवननिऊंउ
लरविसमिजोनी नववेसरलटकैगज-
मोती २ दसनञनारञ्रधरविंविजानो वि
उकवारूमृदैमधुमानौ कंटकपोतमक

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४५०
490

नावलहार ज्यौंजगमगीतिविविधिम्हरसमर्याद
४ ऊवचकनामणसमिभ्रमभूले वैठेविन्ह
रिटोऊमसगुकूले करकंकनहूरोगजदंनी
नषमनिमानिकमिटउरगंनी ५ नाभहृदै·
ननहाटकवरनी कटिमृगराजनितंवनक
रिनी करलिजंघवरननकलनूपुर गवन
मरालकरनिधरनीपर ६ भूषनअंगअंगसजे
मननौरी गावतफागनंदकीपौरी सनि·
मंदरवरवाहरआये हलधरवालगुपाल
बुलाये ७ एकतनरपकनभईनारी षेल
मचौब्रजकेविवभारी ऊंऊमचंदनअरग
जनोरी हाथनपिचकारीलैदौरी ८ गोपी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

गोपकिसैंफकफोरे संवलगोटपरमपरजो

रे उडतगुलाललालभफनभयोअंबर केकम·

कीचमचीघरनीपर ९ चंगमृदंगबांसरी·

बाजै एकरतएकएकमतिभाजै गमिल

इकमंत्रउपायो हलधरअपनीभौरकुला·

यो १० कानलागिस्यामासमझाय संकर

घंनस्यामहिगहिल्याय हरिकोहाथगहैं

चंद्रावलि काजरलैआईसंध्यावलि ११ ल

लितालोचनआंजनलागी चंद्रभगामुरली

लैभागी इकलैलावतिहरदिकपोलन इ

कलैपोंछतिललितपटोलन १२ इकअव

लैबै इकअवलोकत चुंबनदानदेतइकटं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्त्र
सा
४९१

पत मगानभईउरवगुनसेभारत लालमजी
अपनेउरधारत १३ गुरुजनसहिमबैमि।
लरैषे तिनहूंकोंतनमनकारलेषे पकक
हैपियकोमुषमाईं पककहैंफगुवालैलो
है १४ काहूलियोपटपीतबुढाई पधाराष
तिकूमवशाई लिपिटिमषाजबुढावनआ
प तिहिंलियोलूटिनमोहनपाप १५ बोम
निमारमचीकरआझी गवालटकोपलपक
नबाझी वलिकियोबीचगवालसमफाये
मोहनमेवामोलमेंगाप १६ फगुवाटेला।
लनबुटकाप हमतहमतगुपालतहांआ॰
प नवमोहनहलधरपकराप करबुतक

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नख्रासुनमनभाए ७ नाकनैनमखकंज॰
ललाचौ हलधकलसहलधरसिरनाचौ
वहुतभरेवलरामसवनिगाहि धौंलागिरि
मनुवलीधानवहि ८ न्हानवलेजमनाके
कूले गोपीगोपसवैसंगकूले जोरसवाछै
षेलतहोरी सूरदकहावरनैमतथोरी ९
सूरदाससहनिकैसंगावे लीलासिंधुपारन
हीपावे १०८ धमार रागसोरठ सुहोइफ॰
वाजनलागीहेली वलइवलइजैषेतहांज
हांषेलतस्यामसहेली जहंचनसंदरसाव
होतिहिमिसदेषनदाउ पदुगुरजनवैरीभये
कीजैकौनउपाउ १ मावोवल्लरामेलियेंसो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्र
सा
४६२
492

वनकोंदेह्नविडार वैंदेंह्हमकोंपदेंदेंषहृप
निहार जलज्ञतगागरद्दारियेजमनाजल
केकाज इहिंमिमवाहरनिकमकैज्ञाइमि॰
लेव्रजराज २ रागरंगरगमगिरलोनंदराइ
दरवार गावतिसकलगुवारिनीनावतम
कलगुवार ज्वीवरीस्रानंदकदिजीवनज्ञा
निश्रमार गाइषेलहंसिलीजियेफागवडे॰
म्रोहार ३ मवलीसकुटविवाजईकरिपट
राजनपीत सुराजप्रभुश्रानंदभरेगावतह्रो
रीगीत १०८८ रागश्रमावरी वल्लभराजकु
मारव्रवीलीहोललनाउनाउ धन्यनंदय।
नियनिजमोमनधन्यगोकुलगाउ धन्यकं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वरद्दोऊलाउलेवलमोहनजाकोंनाउ सषा
नामलैवोलिहैंसबलनोकसीदाम जहांत
हांतेंउठिचलेवनवोलतसंदरस्याम १ गि
रवरधारीसभेसरलीमधुरवजाइ श्रव
नसुनतगोपीसवैघरघरतेंचलीधाइ भेष
विचित्रवनाइकैभूषनवसनसिंगार सुंदर
तेंसवमजिचलेवालकनकुनीनार २ एक
श्रीरजवतीजरीएकश्रीरवलवीर वोंसमार
मावीमलीमनोहरूपेसभटरागधीर सकल
वधूश्रारेंमिमटेहेंश्रपनेश्रपनेटोल कुम।
किसबैपुनिगावईसषविचविचमीटेवोल
३ एकसषीनवसैंनटैलीनीसवलवुलाइ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४९३
493

हाहाकैयौंहूंभांतिकैमोहनकोंपकराइ बहुर
उलटिब्रजसुंदरीमोहनलीनेघेर नैननिका
जरदैसषीदसनवदननननहेर ४ फांकसुर
जइफवाजहीबहुविधिदुंदुभिसाज विविवि
चभेरीकिमृ[illegible]मीबोषसहूवडुकाज शहिवि
धिहोरीषेलहैसकलबोषसुषदाइ तिरिबर
धारीदृपरैंदुरजवलिवलिजाइ ५०४९ राग
गौरी गोकुलसकलग्वारनीघरघरषेलत
फाग तिनमैंराधालाडलीजाकोअधिकसु
हाग फेंटनिमिलिगावतचलीफमकिनेंट
केदार आजपरवहंमिषलियेमिलसंगानेंद
कुमार १ मोहनदरसदिषावहोदुरोनोनंद

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कीश्रान रसिकराइसंदरवरराधासवकेजी
वनप्रान जसमतिसुतवितभुमरहीवहते·
रीमुसकानि आनंदकविउपजाइयैसहजप·
रीयहवानि २ उरतस्यामथरिपाइयौराधाम
रिबंकवार कनककलसकेनरभरेलैधाई।
ब्रजनारि भरीभरीसखिस्यामहेपीतपिछोरी
पाग देहगेहसुधिविसरहेनेंदनंदनअनुरा
ग ३ सूरकृपालकृपाविनायहरसलहेन ४
कोइ श्रीवृषभानकिसोरीराधामगनहोई
१०३ रागकल्यान ब्रजराजलडैतोगाइयेहो
मनमोहनजाकोनांउ षेलनफागसुहाव।
नेंहरंगभीजरहीसवगांउ तालपषावजवा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५९५

हीउफसहनाइभेर ष्ववनसननसवसंदीकं
उनिश्राईछेर १ उनहिगोपसवराजईउनसव॰
गोकुलनार सुनिसीटीवेभावनीटेनपरसपर
गार [illegible]वावंटनखिरकहीउउनश्रवीरगुलाल
सदिनपरसपरषेलईहोरीबोलनववाल २ स
वगोपिनमिलिहलथरपकरेखोरेपाइलगाउ
राऊश्राजमलीवनीश्रापकिहललकरश्रोषि
वजाउ वइ्रसिमटसवसंदवीपकरेगोकुल
नाथ नटकेकमसषमाडिकेवेनीगुथीहाथ
३ नववनंदरानीवीचकरिमेवाटईसंगाउ पट
भूषनपहिराइसवसुरदासवलिजाउ १०३१
रागगौरी ऊंचोगोकुलनगरजहांहरिषेल॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हिहोरी चलिसषीदेषनजाहिपियासुपनैकी
षोरी बाजतलमृदंगझांझरकिंनरीकचोरी गा
वतिदैदैगारिपरसपरभामिनजोरी १ नूका·
मृदंगसुवीरउड़ावतिभरिभरिफोरी [illegible]गो।
पियनकोफंउउनैहरिहलधरजोरी नवल
छवीलेलालननीचोलीकीनोरी राधावली
विसाउरीदसोंषेलैकोरी २ षेलतमैंकहा।
मानसुनोवृषभानकिसोरी सुरसषीउरल
३हसनभुजगादिफकजोरी १०२ रागगोरी
षेलतफागकहरनदोंहोहोरी उतनागरीस
माजविरातइतमोहनहलधरकीजोरी बा·
जतलमृदंगझांफडफविचविचमुरलीकी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४६५

४९५

पुनियोरी भुवनसहाईमादिदेगावतिऊंचे॰
मांनकियेंतियगोरी १ कोटिमदनदुरिगए॰
देषिछविनैमोहनजिनहैंमतियोरी मोहनके
दनेदनरसविषकीचहूंदृष्टिजानिनहिमोरी
ऊंऊमवेगभरिभरिपिचकारीहलिततनछिर
कननवलकिसोरी उद्दिविविधिउमगिचल्यो॰
रंगजहंतहंमनुसुरसरितसरसोवरषोरी २ भरि
करकमलअबीरउडावनगोविंदनिकटजाइ
तियचोरी सनोषवेंरुपवनवसपंकजमगन
धूरसोभितवहुंथोरी कनककलसऊंऊम
भरिलीनेकसनरीमिलकेसामिवोरी घेल
परसपरकीचमचीधरध्रायिकसगंधभयोव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

जषोरी २ ग्वालबालसबसंगसषादिनमनजा
इजमनजलन्हाइहिलोरी नपबसनआभूष
नपहरतस्यामसेतपीतांवरकोरी हिजआनं
दसमेतकरतहैतिलकहरदधिरोचनरोरी
सूरस्यामविश्वनवंदीजनदेतरतनकंचनकी
वोरी १०२ रागनट हरिसंगषेलतफागव·
ली वोवानंदनसुगारसुरगजाहिरकतरंगव·
ली गातीपीरीसुंगीगोपाहिरैसुरूतननफूमक·
मारी मषतंहूरनैनभरिकाजरदेतभांवतीगा
री १ वितवसंततितनाइकआगामजोवनभा
रभरी देषैंरूपमदनमोहनकोनंदकेद्वारष·
री कहिनजाइगोकुलकीमहिमांघरघरवी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४९६

496

थिनिमांही सूरदाससोकैसेंवरनैयहसुषति
झंगुरनाही १०३४ रागनट षेलतस्यामअवार॰
निसंगा एकगालनरूकवजावतरूककरनव
हरंग देनुसरजउएंगसवलीफांकफालवना
ल पटतिहोवीदोलगाहीनिरषिकैव्रजबाल १
कनककलसनिवोरिकेसरकरलियेंव्रजना
रि जवैस्वाटनदेषितकतिनिम[illegible]तहेकिल॰
कारि हरिरहीरुकहोरलालनाउनतेंधायस्या
म धरेभरिसुंगवारश्रोचाकियारुधाईवाम २
वहतहीसौंटेरहेहोजानईसुवश्राज गायिकं
डरिदेंसननाहीनिरषिसषीपियलाज लईका
हवेजकरतेकाहूगदौपरणीत सीसवेनीगुं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

घलोचनअंजनकरीअनीत ३ गापकरनेहूट
मोहननारिसवपद्धनांति सीसधुनकरमी·
नवोलतिमलीकरिगयभांति दादहमनहि
लैनपायोवसनलीनेलाल स्वप्नभुकहांजा
इगेसवहमपरीइहिघाल १९७५ रागधना·
सिरी नागरिराधापैमोहनलैआई लोचनअ
जभालवेंदीदैपुनिपुनिपाइपराई वेनीगूंथ
मांगपुनिपारीवधूवधूकहिगाई प्यारीहम·
नदेषिमोहनमषडुतीवनीवनाई १ स्यामल
अंगकसेंभीसारीअपनेकरपहिराइ कोक·
भुजगहनकछुकोककोकविनवतीविकुक
उठाई एकअधरगहतमनमगअंगरिपनवोल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
४६२

४७७

ननदीकन्हाई नीलवसनगाहिषोटततुनसी·
हंसहंसिगादिजराई २ जवनीहमतदेनकर
तारीभईस्यामसनभाई गावरकनकअवग
जाचोरीहरिकेसिरटवकाई नंदसनतहंसि·
महरपराईजसमतिथाईआर नवमेवाई।
स्यामअअपसरहासवलिजाई ९०८ गोरी
वरवरतेसनगोपीआई निरषिस्यामव्रजना
विहरषिसवनिकटवुलाई सुनतनारिसम
काउवोसकरलीनेधाई गवारनिजोरीहाथ
गारिदेतिलसनाई १ साषिनिवुलावतटेरि·
वेगआवहुरीमाई एकसनतगाईवीसधाइ·
तीसकनरहेआई नरनतियननडंपासकेरि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

लीनेवलभाई इकपटलीनोछीनमरलीया
लईछुडाई २ लोचनकाजरअंजभांतिसोर्या
दीनाई जबहिसामसुकलालनगहनगाहेंउर।
लाई वेंहावलिसोंकयोंगूथकचसौंहदिवाई
हाहाकरईलालकुंवरकेपाइछुडाई २ सबलें
नामगवारबनानकगहेकन्हाई थहमघटेष
ननैंनसूरजनवलवलिजाई २०११ रागकाफी
मनहरिलीनोनंदढटोना निरषतसंदरभ्रंग
मलौना सैसीछबिकभूमईनहोना कालर
हेजमननातटजोना २ देष्योघोरसांकरीलोना
बोलतनहीरहतनवहमोना रुपिपगछीलषा
नहैटोना बरबरमाघनचोरतचोना २ ना०

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
८५८
५९८

रनिवारनिलेतहैसौना षेलतफागसवाला।
संगलीनौना मुरलीवजाइविसारेमौना मो·
देषतसबवदीकिधौगौना २ नटवरभेगसुभ
सजेमनौला सुरनंदसुतमदनलजौना १०३ ८
रागजैजैवंती भलीभईहोरीजौआईवरस्राये
घनस्याम धनिनेरोभागसहागलैइनीश्रीरन
हूजीवाम काजरदेमुषमीडिहरसोपराये
नेरेकाम सूरदासकोइन्हाहूजीसीनाविल·
सीराम १०४ रागविलावल लालहोहमतुम
सौविनतीकरैजिनआंषनभरइगुलाल स·
घोसकनहमपनहीनेरोनिपटअबनषोग्याल
हरमनमेंअनरपेरोकरइसवीरसवीर न

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ह्रिकहोकेमेंजीवेजहांमीननपावेनीर १ सं

मनमोरेरंगरंगीश्रोरनरंगसहार नितहो

होरीषेलीयेश्रवनमसंगजरार यहफग

वाहमपावहीवितवानिमतुमसिकान सुर

दासप्रेसंकरोश्रवनमहीजीवनशान १०८०

रागवसंत प्रेसंनवललालषेलेवसंत म

नश्रानंदेसवजीवजंत चोवावंदनश्ररगरवो

र केसरकपूरचसवसनचोर १ लियेगवाल

सषासवसंगजोरि कियोकोनहलहरिव्र

जकीषोर वाजतमृदंगफसंगगभेरि नाव

तिज्ञवतीकरफेरफेर २ गावतिनिजनाग

विदोरदेरि सरवषतऊसमनहेरिहेरि फु

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

म़र
सा
५९९
५११

लेड्रुमवनेरंगारंग जऩुमहिलमाजहृतीग्र·
नेंग ३ मीतलमबालगैपवनश्रंग बोल
नपिकचानकमोरमंग सैजैवानीक्षाजैश्रर्क
स देषनविनोदलागैझ्लास ४ नहूंभउआ
गीहैमरदास मोनिमषनक्षौउहृविकोपास
१८। गागगोरी हृविसंगषेलनहूंसवफाग
३ह्रिमिसश्रगाटकवलगोपीउरश्रंनरकोश्र
गग उफश्रकफांऊवामरीकिन्नरिवाजनर्न
लमरंग सुतिश्रानंदमनोहरवानीगावतिउ
टनिनरंग १ पहृरिमरंगारंगवोलीकामिका
जरैटेडटैनैन वनिवानिनिकामिनिकामिटा
टीभउमानिमाधवकेवैन ल्ढाटिमऊचमव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

देनदिवावतिश्रयनीभाईंगारि एककोरदेगो
विंदवालसवएककोरव्रजनारि २ मिलि
दसपांचसषीनवसोविंदगाहिल्याइंउवकार
भरिश्ररगजाश्रवीरकरनिनवदेनसीसमैना
३ छिरकतसाषजवादकुंकुमाभृकुटीवदन
धूरि सोभितहैंमनोसांझसमैतनआयदेव
नधूरि ३ दसहूंदिसाभईपरधूरनसरससु·
गंधश्रमोद सुरविमानभूलेकौतूहलदेषति
कुसविनोद ९८२ रागगौरी षेलतफागकुं
वरगिरिधारी श्रजश्रत्रुजसवाजूसीरामा
ग्वालवालसषाश्रत्रुसारी रतनागरीनिक
सवरवरनैंश्रागैदेवृषभानदुलारी नवस।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५००
५०२

नसाजिव्रजराजहारमिलिप्रफुल्लितवदनभी
रभईभारी १ डुंडुभिढोलपषावजआवफवा
जतिडफमूरलीफविकारी मारतवांसलियें
करआवतभाजनगोपतियनसोंभारी वांहउ
चाइकहतहोहोरीलैलैनामदेतप्रभुगारी इत
राधिकानिकसिन्नूथनितेंसनमुषपियला·
इतपिवकारी १ इकगोपीगोपालपकरिकै
लेचलीघ्रपनेमेलउसारी भ्रोंजतिघ्रोषमना·
वतफगुवाहमतहमावतहोरिवितहारी सूर
दासआनंदसिंधुमैमगनभईव्रजकीव्रजना
री सुरविमानचढिकौतकप्रापकोटमनो
जजातबलहारी १८३ रागनट होहोहोहो·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

होरीखेले गोरसकेरमातेडोलै ब्रजकेलो
गसंगलियैंजोलै चरचरकेरफरकेघोलै १
गोपीग्वालमिलेइकसारी वचननहीदारे
विनगारी आनिग्रचानकग्रंषियामीचै चं
दनवदनउरपरमीचै २ जोकोऊजानरदेह
रचैसें गरैंपरैंआनैंतिहिंतैसें हाथनलयें·
कनकपिचकारी लकितकिछिरकतमो·
हनप्यारी ३ ऊंऊमकीचमचीअतिभारी
उडतग्रबीरधनिरंगीघटारी श्रुतिआनंदभरे·
सवगावै नानागतिकौनकउपजावै ४
मोहनगहिआनैमिलधाई फगुवादमको
देहुमगाई भागनकुमकटारउरहूटे पीलो

बरगाहिनैदेखूटे ५ सोभासिंधुबढ्यौअतिभ
री छबिपरकोटकोटकामबलिहारी सूर
दासप्रभुकररसहोरी बरनोकहांलौंसोम
तिथोरी ९०८५ रागकाफी वृंदावनकौकुं
जस्यामरमषेलतहोरी ससिवदनीवृषभा
ननंदनीकंचनहूंतेंगोरी पलरलेनरहेलटू
बाजैंबिछुरतनाहिंबिछोरी इकअबलाअ
रुबालाबहुबिधिपकवतरश्रीभोरी १ इक
सरनाअरुमानमानतीआवतिनिपटनिहो
री हमउरकरतपियाअपनेंकोमाननंदको
चोरी श्रवननिभनकपरीमुरलीकीनिक
सतदोरीहोरी ग्वालबालसबसंगसषालि

यैंश्रीवृषभानकिसोरी २ सूरदासप्रभुनम·
रैमिलनकौंजुगप्रवचलयहजोरी १८५ रा
गमारू डोललीला वृंदावनस्यामघननारि·
संगसोहैंजू ठाढेनकुंजननतरपरमचतुरगी·
रियरवरराधापतिपतिराधाश्रमपरसमो
हैंजू अनूपकौंदिजमननीरव्रजललनास
भगनीरपहिरैंसंगविविधिचीरनवसतस·
जिसाजै बारबारविनयकरतमुघनिरषत
पाइपरतपुनिपुनिकरधरतहरतपियकेम
नकाजै १ विलसनप्यारीसमीपघनदामि·
निसंगरूपकेंठगाहतकहतकेंतफलकोमा
या जमनपुलिनप्रतिपुनीतपियप्रवरहिहैं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्वर
मा
५०२
S02

झेलरच्यौसखजभ्रुदसनकहतव्रजनकनी

साखा १८८ रागमलार नवलहिंडोरनामाई

फूलतगोकुलचंद संगराधापरमसुंदरदोऊ

करतआनंद हैषंभकेचनकेमनोहरतन॰

जडितनगरंग जाकीचारुडांडीसरलसुंदरति

रषलजतनगनंग १ पटुलीपिरोजालाललट

कनकमिकावहुरंग मरवैतमानिकचुनी

लागीविचविचहीरानरंग कलपद्रुमतरछा

हिसीतलत्रिविधिवहतसमीर नफूलताल

टकतभारकुसमनपरसजमनानीर २ हं॰

समोरचकोरचातककोकिलाशुकनकीर

नवनेहनवलाकिसोरिराधेनवरंगगिरधर॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

धीर ललिताविसाषादेतकोदेरीकिशृंगान।
मात षतिलाडलीसुकुमारडुरपतिस्यामउर
लपटात ३ गौरस्यामलअंगमिलदोऊभये
एकैभांति नीलपीतडुकूलराधेदामिनीडुरि
जाति नवकुंजपुंजफुलाइफूलवतिसहच·
रीवहूं औरमनोकमोदनकमलफूलेनिर·
षजुगलकिसोर ४ ब्रजवधूननतोरडारत·
देतषानप्रकोर जनमस्वरकौंब्रजवासदीजै
नागरनंदकिसोर १०८ रागदेवगंधार दिं
डोरेफूलनस्यामास्याम ब्रजजुवतीमंडली
वहूंवानिरषतविथकतकाम कोऊगाव·
तिकोऊहरषिफूलावतिसवप्रतिमनमा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

𑆪 𑆑𑆾𑆯𑆱𑆁𑆓𑆩𑆖𑆑𑆠𑆴𑆑𑆾𑆯𑆑𑆲𑆴𑆩𑆮𑆲𑇀𑆪𑆿𑆇𑆥·
𑆱𑇀𑆪𑆿𑆲𑆷𑆥𑆯𑇀𑆫𑆓𑆳𑆪 𑇑 𑆑𑆾𑆯𑆇𑆫𑆥𑆳𑆠𑆴𑆲𑆳𑆲𑆳𑆑𑆫𑆮𑆴·
𑆤𑆮𑆠𑆥𑇀𑆪𑆳𑆫𑆵𑆯𑇀𑆫𑆁𑆑𑆩𑆬𑆳𑆫 𑆓𑆳𑆞𑆽𑆁𑆓𑆲𑆠𑆥𑆵𑆪𑆯𑇀𑆫𑆥
𑆤𑆼𑆨𑆶𑆘𑆇𑆬𑆑𑆴𑆯𑇀𑆫𑆁𑆑𑆇𑆫𑆬𑆳𑆫 𑆯𑇀𑆫𑆮𑆘𑆴𑆤𑆩𑆖𑆿𑆫𑇀𑆪
𑆫𑆬𑆳𑆓𑆳𑆠𑆴𑆲𑇀𑆪𑆿𑆁𑆩𑆾𑆑𑆿𑆁𑆢𑆼𑆕𑆷𑆇𑆤𑆳𑆫𑆴 𑆪𑆲𑆷𑆲𑇀𑆪𑆤𑆴𑆩𑆮
𑆠𑆲𑆷𑆩𑆠𑆯𑇀𑆫𑆠𑆴𑆓𑆴𑆫𑆴𑆪𑆫𑆇𑆮𑆠𑆴𑆢𑆸𑆰𑆴𑆯𑇀𑆫𑆠𑆴𑆤𑆳𑆫𑆴 𑇒
𑆥𑇀𑆪𑆳𑆫𑆵𑆑𑆲𑆷𑆠𑆛𑆼𑆫𑆬𑆳𑆬𑆤𑆱𑆿𑆁𑆩𑆼𑆫𑆾𑆱𑆿𑆁𑆓𑆳𑆢𑆸𑆓𑆳𑆰𑆴
𑆱𑆷𑆫𑆲𑆷𑆩𑆠𑆴𑆬𑆬𑆴𑆤𑆳𑆮𑆼𑆢𑆳𑆮𑆬𑆴𑆑𑆲𑆳𑆑𑆲𑆷𑆠𑆳𑆥𑆴·
𑆪𑆨𑆳𑆰𑆴 𑇑𑇐𑇘𑇘 𑆓𑆳𑆓𑆳𑆩𑆬𑆳𑆫 𑆘𑆩𑆲𑆷𑆤𑆳𑆇𑆬𑆤𑆫·
𑆖𑇀𑆪𑆿𑆫𑆴𑆲𑆶𑆇𑆫 𑆢𑆸𑆰𑆬𑆬𑆤𑆳𑆱𑆁𑆓𑆳𑆠𑆑𑆸𑆤𑆵𑆠𑆑𑆸𑆤𑆤𑆁𑆛
𑆑𑆴𑆩𑆫 𑆥𑆑𑆱𑆁𑆓𑆳𑆬𑆽𑆩𑆮𑆩𑆾𑆲𑆷𑆤𑆥𑆑𑆢𑆼𑆠𑆑𑆸·
𑆬𑆳𑆫 𑆥𑆑𑆤𑆴𑆫𑆰𑆠𑆩𑆳𑆥𑆶𑆫𑆵𑆯𑇀𑆫𑆁𑆓𑆳𑆥𑆑𑆇𑆛𑆲𑆽𑆓𑆳

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

३ १ स्याममंद्रगोपकागनघेररहीवनाइ म

उजलदकोंदामिनीघनवद्नलैनलकाइ

नारिसंगवनवारिगावनिकोकिलाघनघो

र तुलनफलकनमऊटसिरपरमनोनिरत

नमोर २ चंद्रमषडहूपामऊंडलनिरषिजव

नीभोर चक्रवाकचकोरलोचनकररहीइहि

ठौर घकिनसुरललनामहिननभस्याम।

निरषविहार हरषसमनप्रपारवरषतसु

षद्दिजयजयकारि ३ कहतमनमनयहै

उक्ताहोहिवनडुमडारि देहधरिप्रभुसरवि

लसनवलाहरनमार १०८४ रागकेदारा

हिंगैरैंफलनमाई देहधरिप्रभुसरविलम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५०८
504

तब्रह्मपूरनसार १०८४ रागकेदारा दिठेहैक

लनआई पंचरंगपाटबांटलैडांडीवडुमानक

निवनाई फूलतजवतीनंदलालसंगपक·

वेसपकरांई सूरदासप्रभुमोहननागरआ

गनफलफलाई १०८५ रागकेदारा फूलत

नेदनंदनडोल कनकषंभजराउपटालगे

रतनअमोल सुभगसुरलसुदेसडांडीरचा·

विधिनागोल मनोसुरपतिसुरसभामैपठै

दियौहिंडोल १ जवैकंपनतवैकंपतरहस

लगतडरोल त्रिदसपतिसजिवाढिविमा·

ननिरषतैदेषेओल थकेससकहिकलुन

आवेसकलसुषदेबोल सषीमतनवसाज

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कौनोवदनमधुरेबोल २ छकौरनिपतितेः
षयहल्लविभयौवङ्कभ्रमभोल सुरप्रभुसुष
गोपगोपीपियतअंमृतरोल ॥१४॥ जगललि
ला रागगूजरी अंजभवनतैंनिकसभोरह्वी ॥
स्यामास्यामषरे जलदनवीननतन्निरामि॥
निमिलिवरषिनिसावढ्ढरे गोरस्यामतन॰
नीलपीतपटसुालसवितह्यिधरे स्नमजल॰
ह्वंदकह्वंकह्वंउउगानवादरभैनिकरे १ भूष
नविविधिह्रतैंमदवारेप्रनरसउमगिगढरे
काजरसुथरनबोरनैनरंगसुंगसुंगकीलभ
रे प्रेमप्रवाहछुटीमनसरनाहूटीमालगरें
सोभाश्रमितविलोकसुरप्रभुनाहीजानटरे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५०५

505

१०९२ रागमलार भीजतकुंजनमैंदोऊआवत
ज्यौंज्यौंबूंदपरतचूनरपरत्यौंत्यौंहरिउरलावत
तैसैंमोरकोकिलाबोलतपवनभीजघनधा-
वत लैमुरलीकरमंदघोरसुररागमलारब-
जावत १ अधिकफकोरजवदामिनघनकौहु-
मनरविहिनिविरभावत बैहसिओटकरतपी-
तांबरपहुनरीउढावत भीजेरागरागनीदोऊ
भीजेजलछविपावत सूरदासप्रभुरीझपर-
सपरप्रीतिअधिकउपजावत १०९३ रागनट
कान्हतेरीमुरलीनेकबजाऊं जेईजेईतानक-
हौतममसुघनैसेईसेईगाइसुनाऊं तुमरे-
भूषनमैंपहिरावौंहरिअपनेतनमैंदिपाहिराऊं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तमसमाननीहुमानकरोपियहोगादिवरन·
मनाऊं १ तमजङरोपियसचनऊंजमेंहों
गहिसुंचरल्याऊं हूवटषोलोंप्रानपियाको
करगहिकंटलगाऊं तमराधेमेंमाथवमा
धवइहिगातिगातिउपजाऊं सूरदासप्रभुस
वजगजीलौइहिविधितमेंरिजाऊं ०।९४
रागनट कहांकहोंतमसोंसंदरचन व्रज
जैसेंउपहासचलतदेसनिसनिसोवरहैस·
नहीमन नादिनपाछेंतमजपकमदिउ
दिटईयेउज्रेनवसेवन तमभुजगहीस
भाइझापनेमेंवितयोहमिनेकवदनतन १
नादिननेंघरवाहरजिततितकरतचवाव·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्मर
सा
५०९
S06

सकलगोपीजन स्मरसामस्त्रवसोचकरौंगी
यदुव्रजपतितमसौंनेटनेटन ९९५ रागन
ट हरिज्नुमरलीतमैसिषाऊं तमसाउरवो
शननाथ्यप्रभुहोंकरश्रेग्रीवलाऊं मथुरे॰
स्वरगतिनानरागमौंरागनीहोंउपजाऊं जि
हिंजिहिभांतरिकैनेटनेटनतिहिभांतिरि।
जाऊं १ प्रेमस्ववाद्धथरिकरपकरोज्नुसरवस
स्वषहोंपाऊं स्मररासस्त्रटकेनवलेपलमन
स्त्रभिलाषवढाऊं ९९६ रागविभास नवल
गोपालनवलरथिरोऊनवलप्रेमरसपागे
नितत्रतिवनविहारहरिक्रीडतत्रापस्रापत्र
नुरागे हैहैसिथ्यलवसनजमनोहरिसिव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वनसुषकेवागे मानोतुकीमदनकीज्वाला
फिरपरजारनलागे १ कवहूकसुंगलागत
नहिंछूटनकविकविजामिनिजागे मानोसु
रकलपद्रुमसामीसुमीवेलरसपागे १०५७
रागविहागरा वनहिथामसुषैनिविहारैं
नैसियेनवलराधिकानागरिनैसेईनवलक
न्हाई नैसोईपुलिननीरजमुनाकोनैसियै
मंदसुगंध नैसोईकंठकोकिलाकुहूकनतै
सोईहरिसुषसिंध १ इतिविहारकरनवल·
पियारीशानवलैवृजधाम सूरदासप्रभुकी
हांजोरीराजनस्यामास्याम १०५८ रागमला
र संदरस्यामप्रियाकीजोरी सषीगांठदैः

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

म्रर
मा
५०७
507

म्रदितगधिकारसिकहेंसीम्रघमोरी वैसम्रुक
रपकंजकलीसीवैहेचतरपउनहूंमोरी श्री·
तपरसपरकविटोऊम्रघवातजततकोनीजै
री १ हेदावनवैसिम्रतमालयहूकनकल·
तासीगोरी नेदकिसोरनवलनागरपनाग·
रिनवलकिसोरी ९५५ रागमारंग म्रवहो।
कहाकरोंरीमाई नेदनेदनदेषेविनसजनी
पलभररह्योनजाई घरकेमातपितासवत्रा
सतरनकुललाजलजाई वाहरकेसवलो·
गहसतहेकान्हसनेहनग्राई १ मदारहत·
विनषाकचह्योसोहृदैश्रेगतातसदार म्रर
दासगिरिधरनलाउलेहेसकरकंटलगाई

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

११० रागसारंग वलिजोऊमेरीगैयांडुहिदीजै
हूटपरतरंगहूहैकीकोसुरंगहूनरीभीजै सौ
दैहूथियाउधूमरिकैकोकछुपीजैकछुदीजै
सूरदासप्रभुतमदरामनकौंकानूनिहोरीकी
जै १११ रागकेदारा जहूपियारायिकाहरिसंग
हावभावकटाछलोचनकरतनानारंग हूट
घव्याकुलधीरनाहीकमलवदनविकास
तृषामैजलनामसुनिकेअधिकअधिकपि
यास १ स्यामरूपअपारउनइतलोभपुटवि
स्तार सूरचटनहिकहूतिकोऊडुहूंवलअ
धिकार ११२ रागधनासिरी निरषिस्याम॰
प्यारीसुषसुषमामनअभिलाषिवदावन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सुर
सा
५०

है पियप्याभूषनमोंगतवनिप्रनिप्रपनेप्रेगव
नावतहै कुंडलनदंतरूवनलेसाजननासावे
सर्थावतहै वेंदीभालमोंगिासिरपारनवेंनीगुं
थिसंवारतहै १ प्यारीनेननिकोंप्रजनलेय
पनेनेमनिरंजितहै कंचुकीभुजपहिरतउर
धारतकंठहमेलनिरंजितहै नीलंवरलेप्रो
ढितसीमपरराधातवहिरिकावतहै सुरस्या
मलालवनियतननपरकारिसिंगारसषपावत
है ११०३ रागकेदारा स्यामास्यामकीछविसा
थि मकुटकुंडलपीतपटछविदेषिरूपप्रगा
ध प्रियाधाहाहाकरतप्रनिप्रनिटेढ्रप्रीतम
मोहि प्रेगप्रेगसंवारभूषनरहतवाछवि।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

जोहि कांछिकछनीपीतपटकटिकिंकिनी
प्रतिसोभ हृदैवनमालावनावतदेषिकैस
नलोभ मृदुलकुंडलधारिश्रवननिसीसर
चौसिषंड मूरस्यामसुहागिनीरूपकनक
करलैदंड ११०४ रागकेदारा श्रीजुवनरा१
जतजुगलकिसोर दसनवसनषंडितस
षमंडितभालतिलककछुथोर उगमगा
तपगधरतसिथलगातिउदैकामरसभोर
रतिपतिसारंगसुकृतमसहाछविउसगाप॰
लकललिताकोर १ फलितसुवतंसविराजत
हैसतसिपसरदसतश्रीर सूरसरवसव
नेस्यामसमनोहरपरमहारसजोर ११०५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५०९

509

रागगूजरी मुरलीकरतैंलईछीन नासमैव
विकहीजातिनवननारिनवीन कहतिह
निउनिस्यामआगैमोहदेहुहंसिषाय मुरली
परमुषजोरदोऊअसपरसवजाइ १ कुंम
हूरतननादउलुलनप्यारीरिसकरिगात वार
वारहिअधरधरिधरिवजतननहिंअकुलात
प्रियाभूषनस्यामपहिरतिस्यामभूषननारि
सूरप्रभुकारिमानवैदेप्रियकरनमनुहारि
११८ रागविलावल स्यामनिरषिप्यारीअंग
अंग सकुचरहितमुषतननहिविनवतजि
यवमरहतअनंग चपलनैननहीरयअन ।
नपावेहावभावनानागतिरंग वारोंकोटि·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मीनषंभृजमृगनषंजनवारौंकोटअङ्गअंग १ लो·
चननहिरहावतस्यामकेकहूंपकनिताम
षअंग सूरदासप्रभुपियप्यारीवसज्यौंवस।
अेरफिरतनिनिसिदंग ११७ रागबिलावल
लालनिठुरहूैवैठिरहै हाहाप्यारीकरतम।
नावतिपुनिपुनिचरननगहै नहिबोलतनिहिं
चितवतिमुषतननधरनीनषनिकरोवत श्रा
पहूमतपुनिपुनिप्रवलोकतनचकितहोतम
षजोवत १ कहाकरतपबोलतनाहींपिय
यहूषेलसिटावहू सूरस्याममुषचंदकोटि
छविहेंसिकरमोहिदिषावहू ११८ रागधना
सिरी नागरिहूसतहूदेउरभारी कवहूंप्रेक

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५१०
510

भरलेतउरजविवकवहूंकरतमजुहारी मान
करतनीकेनहिलागोहूरकरोयहख्याल नै
कनहिंचितवतराधाननिहूरभयेनंदलाल
सीमथरतिचरननतरिपुनिपुनिपियकोहू।
पनिहारति सूरदासप्रभुमानधरयोहट्ठयर
नीनघनविहारन ११४ रागगौडमलार स्या
मतननितयाभूषनविराजै कनकमनिमञ्ज
टकेंउलगवनमालउरसुयरमुरलीधरना
रिखाजे निरषिछविपरमपरशीकैंटोऊनारि
नरगयौनिजविरहदुरिप्रेमपागे सूरप्रभु।
नागरीहमतमनमनरहतनहमनस्यामके
वडेभागी ११५ रागनट नागरिभूषनस्यामव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नावति सवनागरिनागरकोसोभाकियेति
रषिमनभावत स्यामकनकलकुटीकरली·
नेपीतांवरउरधारै उततियधरनीलंवरसारी
घूंघटओटनिहारैं १ वचनपरसपरकोकिल·
वानीस्यामनारिपतिराधा सूररूपनागरना
गरितनकोतिनारितनसाथा ॥३॥ रागनट
नीकेस्याममाननसधारो तुमवैदोहढमान
हानिकैसैमेटोंजुमाननिहारो घटमनसाधि
वढ़तहैमैरैंतुमविनकौंननिवारै नागरपिय
तनसुपनीसोभावारंवारनिहारै १ वेनीमांग
भालवैंदीछविनैननिअंजनरंग सूरनिरषि
पियहूंघटकीछविपलकनभावतसुंग ॥४॥

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५११

-511

रागकान्हरा मनहीमनरीझतहैराधाबारबा
रबारपियरूपनिहारैं निरषतभालबिंदुसेंदु
रकोबालविपरीतनमनथनबारें हूमनकरु
तसषीजिनदेषेतेपूछैंतेमेंकहाकहौं निहेंभ
वनसोभासुषकीनिधिकैसैंउनैंदुराइरहौं ३
कनवरविछुवनिकौवमकनिचलतपरसप
रवाजत सूरस्यामस्यामासुषजोरीमनिकेच
नछुविराजत ॥३ रागगूजरी कहिहषभा
नसुतापदरकोहै याकेसुरजवतीकोऊनाहीं
यहत्रिभुवनमनमोहै प्रतिप्रातनदेषनकौं
आवतिनिकटजाइपहिचानी ब्रजमेरहतन।
किधौंकोऊऔरेंपूछैंनोनवजानो १ यहमो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हूनीकहांतेआईपरमसलोनीनारि सूरस्या·
स्यामदेषिमुसिकानेकरीचतुराईमारि ॥११४
रागमलार अदभुतकौतुकदेषिसषीवृंदाव
नहोउपरीरी उतघनमहितउदितसौदामि·
निइतलहिमुदितराधिकाहरीरी उतबगपांत
लसतइतसुंदरदामविलाससहेतसषीरी
हूंघनगरजतहोमुरलीधुनिजलदउतदिइ·
तअमृतभरीरी १ उतहिंइंद्रधनुइतवनमा·
लाअतिविचित्रहरिकंठधरीरी सूरदासप्रभु
कुंवरराधिकागगनकीसोभाहरिकरीरी
॥११५ षंडितावचन रागविलावल आजहरि
रैनउनींदेआये अंजनअधरलिलारमहाव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५१२
112

रनैननवोरषवाये विनुगुनमालविराजनतउ
रपरकेंकनपीटगाडाए मलिननागनसिरपा
गलटपटीभृकुटीवेंदनलाए १ दसनदागान
घरेषवनीहैवेंदनसीसवनाए सूरदासप्रभु
यहैश्रेंवेंभोतीनतिलककहांपाए ११८ राग
विलावल लालहोंकोंननिपाविरमाए नि॰
हारीवालश्रटपटीलागतिरसवीयेभोरहीश्रा
ए मेसोंउरावकरननेंदनेंदनप्रगटविनुमैं
पाए सूरदासप्रभुभागसषीकेजिननिललला
उलडाए ११९ रागविलावल आजश्रीरछवि
नेंदकिसोर मिलरससिमउपजनउरस्रेंतर
विनवनिविनतमारीश्रोर सोभतप्रगटपीट

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दोऊकंकनसोभनहारहियेविनडोर सोभन ।
पीतवसनग्रहरातेग्रधरनग्रंजननैननतंवोर १
नषसिषसवसिंगारग्रटपटेपापमनोत्तरतही
वोर फूलेफिरतडुषावतग्रोरननिडरभपटैद
सनग्रकोर कहतनवनैंकहाकहिकीजैवै
संथिवरननकविनकहोर ग्रविरजकौंनहो
३३नवाननिसूरटैष्योविनभोर ११८ रागवि॰
लावल ग्रतिहिग्रहनहरिनैंनतमारे मानोर
तिरसभपरागमगोकरतकेलिलेपलकपसा
रे मंदमंदडोलतसंकितसेसोभतमध्यमनो
हरतारे मानोनिकसकमलसंपुटतैंउडनस
कतचंचलग्रलवारे १ रोमरोमजागरनजनं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५१३

बनिअतिरसबसभरमतअनिआरे मानोमक
लज्जबतीजीतनकौंकामबानधरसानसंवारे
उमगगातअरसानउनींदेषिबषिनह्वोतउघारे
मानोमनअगटमनिअंगनषेलतचंचरीटव·
टकारे २ बारबारअवलोकिकटाछनिकप
टनेहमनहरतहमारे सूरस्यामदेषतसचि·
पावतउघमोचनलोचनमतवारे ॥१९॥ रागबि
लावल आजरैंनहरिकहांगवाई लटपटीपा
गउनींदेलोचनआरिऊंबरहमसोंचतराई नै
टवाकीगाइचरावतपकथेउसंध्यानहिंआ
ई छूंछनछूछनसबअजछूपोभोरभयेहटदा
वनपाई १ मोरमकूटमरलीपीतांबरपक।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

जानकीजीसबनाई सूरदासप्रभुप्रियामिल
नकोंप्रकरणकथालेंगोलसनाई ॥१२॥ राग॥
प्रसावरी दरपनलैप्यारीमुखश्चारीकहैति॥
पियाछबिविहरैजू सऊबतकहावोलकेसांचे
मेरेगृहतोआएजू रैननंदीतोप्रवजकूपाम
ईपनिजिनस्यामकरायजू मेरेकहेविलग॥
जिनमानहूमैतोकरतवडाईजू १ सूरस्याम
सनमुषनहिचितवतरहेधरनिसिरनाईजू
॥१३॥ रागललित कैसोंमोहनदरपननहिंदेषो
कैसोंपरनीपरनषनकरोवतकैसेंदमननन
पेषो कैसेंठाढेवेदनकैसेंनारीकहापरीहम
हूक पीतांबरगाटिकस्योवैदियेरहेकहांहै॥

सूर
मा
५१८

५१४

सूक १ कौंउरतैंउपरैंनाषैचतिकौंगरतैंव
नमाल सूरदेषिलटपटीपागपरजावककी
छविलाल ॥२२ रागकल्यान मैंसैंकहोंरे
गीलेलाल जावकसोंकहांपागरंगाईरंगारे
जनीमिलीकोऊवाल वेदनरंगाकपोलन
टीनोअधरअरूनभएस्यामरमाल जिनत
मरीमनरछापुरईधनिधनिपियधनिवह
वाल १ मालाकहामिलीविनगुनकीउरछ
विदेषिभईवेहाल सूरस्यामछविसवैविरा
जैयहैदेषिमोकोंजंजाल ॥२३ रागकाफी
लालउनीदेलोचनाआलसभरिआए उरके
कामकीवेलिसोंकैनिवरमाए सिथलपेच

हूँणागकेजावकरंगभीने पाउपरेआपवस
करेतवसरवसदीने १ आलीमेरेलालके·
सवतनहैंदीले लालीलैलालनगायेआप·
सषपीलेविनगुनमालहियेवसैनियशीन·
निसानी सषिरिसालहमकोंदईनमदेह·
विसानी २ पगाउगामउतकोंधरेउनकोंहग
धाय हमश्रंतकश्रंतरवसैपियमोमनभाये
उलटितहांपगिधारियेजासोंमनमान्यो ख
पद्कंजनतजिवेलिसोंकियोप्रेमनजान्यो ३
नवहूँसिवोलेस्यामसज्जनमतैंकोप्यारी नम
विनकलमोकोंनहीप्रतहीसषकारी वव
नवनगाईजानदेहुजकहाहूँआप सरस्या

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर सा ५१५

515

मगनरासमहोनाहीश्रगटाय ॥११८॥ रागमलार्‌ ॥ राई स्यामलालजामनीजागेभोर नीलक॰ लेवरकोमलरूपरगाउगायेरूचज्जकटोर निसवसरहेभामिनीकेगृहभानउदैग्रायेउ हिंशोर सूरदासप्रभुवचनवनावतग्रतिचो रतमनमोर ॥११९॥ रागमलारराई स्यामलाल॰ ललितभेषकियो पीतकपोलअधरपर॰ काजरजावकमालदियो वेटनषोरमिटा॰ इग्रापतमऊंरूमरंगादियो १ पीतांवरगाहि शरीकोनकेनीलांवरहिलियो लालीदैपी रोलैग्रापदेषतपुलकजियो सूरदासप्रभु॰ नवलरसीलेवेरूनवलतियो ॥१२०॥ रागवि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

लावल ग्राजहरिग्रालसग्रेगभरे कवङ्क·
वांहजोरपङ्गरनवङ्कजेभाषनषरे तिनहीके
गृहपांवधारियेदेषतनैनसिरानें सांजीग्राइ
इकटरमनहीनोकैग्रवहोनविहानें १ कैसे
हारभएपियहाहेग्रोरवडेजकन्हाई सहस्या
मउहांसरतकरनवेल्यांनमवेरलगाई ॥२०
रागवराडी ग्रोरभयेंसषदेषलजानें रतिकी
केलिपेलसषसीवतसोभतग्रुरुननैनग्रल
सानें काजररेषवनीग्रधरननैनकपोलपी·
कलपरानें मनोकंजऊपरवैठेग्रलिउरन
सकेमकरंदलभाने १ हैंहियहारग्रलंकृत·
विगुनग्रापरतिरंनजीतसयाने सुरदासप्र

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५१६
516

भुपांउधारियेजानतिहौंपरहाथविकाने ॥११३॥

रागगौरी नमकौंकमलनैंनकविगावत व

दनकमलउपमायहसांचीनाहीकौंउगटाव·

त सुंदरकमलनकीसोभाचरनकमलगुरु

गावत औरअंगकहिकहांवषानोअंततनहीं·

गुनगावत सूरदासप्रभुवालसेचातीजानी·

जातजनावत ॥११४॥ विलावल नमन्यारक

हावनकमलनैन चरनकमलकरकमल

वदनछविऔरसनावतमधुरेवैंन प्रातप्रग

टरतिरोहजनावतश्रावतकुलमतअंकदेन

निसदेहारकपाटसदनमधुमधुपनिप्याव

तपरमचैन १ मिलिवेमांकउदासग्रनतवि·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तवहूतसदाजलपेकपेल सूरकपटफल·
तवहिपाइहोग्रपहिग्ररपिजवदहेमेंन ॥३·
विलावल थीरथरोफलपावहुगे ग्रपनेहीस
घकेपियवाटेकवहूंतोवसग्रावहुगे हमसें
कहतश्रेरकोग्रेरैइनवातनिमनभावहुगे
कवहूंमाननीमानकरैगीश्रंतरविरहजनाव·
हुगे १ तवचरित्रहमहूंदेषेंगीतेसेईनाचनच·
वहुगे सूरस्यामग्रववतरकहावतचतराईवि
सरावहुगे ॥३॥ रागभेरों रसकरसिकईजा
नपरी मिलनमेंनग्रवन्यारेहूजेनवरीतेंवर
विसनमरी तमनवजोवनसोऊनवजोवन·
इतनेपरमवशनिभरी लाजनहीमेरगूह

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५१८

517

आवत जाइ उं हीं चरनि या करी । अंजन अधर
कपोल निवंदन पीक पलक छबि देषि डरी सू
रस्याम अब विन्ह दिषावन मेरे आप भले हरी
॥३२ राग कान्हरा नैंन चपल ना कहां गोवाई
मोसो कहा डरावत नागरि रैंन जगाई ताके रं
ग प्रकृत न भए हैं ये धनि तिहिं संदर ताई मानो॰
प्रकृत अंबुज परवै है मतन भृंगि रस पाई । उं ।
ठिन सकत पे से मत वारे लगन पलक जंभाई
सनो सूर पद हंस गमा धुरी आल सभरे कन्हाई
॥३३ राग मालकौस नमजिन सकु चौ प्यारे
मैं रेजा के रहौ ना दी के रहौ अब मैं इतने हूं भ ।
लो मानि यो मेरे अंग नापां उधारे जब नैनन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पतभएदासनदेषतश्रवननृपतभयेवच
नसनेतव सूरदासकलुइचरनकहतहैं
रोमरोमश्रेगपुलकभएमव ॥३४ रागटो।
डी श्रवजानीपियवातनमारी मोसोंतसम
षहीकीमिलवतभावतहैवहप्यारी राधेरह
तहृदैपरजाकोंधनिभागहैंताके पमीकहूं॰
भईनहिंश्रवलोंवसभएश्रवजाके । भली
करीयहवातजनाईप्रगटदिषाईमोहि सुर॰
स्यावहप्रानपियारीउरमैंराषैंनोहि ॥३५ रा
गधनाश्री मोहिछुवोजिनदूररहोजू जा॰
कौंहृदैलगाइलियौतसमताकीवांहगहोजू
तमसरवजुश्रौरमवमूरषमोगानीश्रकटासी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्तुर
सा
५१८
518

देषतहैहियमैंवहवैरीहमतमकौंभईहामी
१ बोहगाहतकजुमरमनभ्रावनसषपावन
मनमाही स्नोस्तुरमोतनकौंइकटकचितं॰
वनउरपतनाहीं ॥३८ रागमारंग श्रीजमुनि
सोभतहैवनस्याम मानोसभटजीतकैआये
मनसिजसौंसंग्राम विगलतकचनसमा॰
नमकटमैंरोषभरेदोऊनैन श्रमसींचितजि
नकितभालसबमबोलतवनततनैवेन १नष
छितभ्रवनप्रसेदगाततैंगयोचंदनकछछूट
मदनसभटकेसरसरसदेसमजुलगोकवच॰
परफूट दमनवसनपरपीकप्रगटमजस
नमषमरेपदाव सूरदासप्रभुपरमसुरमा॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ज्ञानैंनंदकुमार ॥३७ रागगौरी ग्राजवनेव
ननैंब्रजग्रावत जद्यपिहैंग्रपराधभरेहरिदेषि
तकुमोहिभावत नषरेषामुकतावलिकेतं
टग्रंगग्रनूपवसी मानोसुरसरिईससीसतें
लैविधुकलाधसी १ कौलिससैंकाहूजवनी
करकंकमभरिउरहीनो मनोसरसुतीपंच
धारहैनभनैंग्रागमकीनो वीचवीचकुंडंक
हूंगानकेसोवललीकरही सुरसुतामनोक
नकभूमपरचारप्रवाहवही २ वंदनतिल
कमिल्योमुगमदसोंत्रुवनसंदेरकनवुंद स
रस्यामप्रभुकरहीलोंवरनोग्रवतनीलमनि
ईंट ॥३८ विलावल ज्ञानतिहींजैमेग्रनति

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५१९

निभेरे काहेउरावकरनवलिहारीमोईकहौ
तमजाहिठरे निसकेजागेनैननग्रहनउनिउ
रग्रमग्रालसभ्रंगाधरे चंदनतिलककपोल
निलागयोकामकेलिउरनषउघरे १ ग्रवल
मञ्ठदिलाकिसोरनंदसतनकहौकौनकेवि·
तहरे पतेपरपसमकिसूरप्रभुसौंहकरन·
कौहोनधरे ।१२४। विलावल नंद्दीजाइज
होरैनवसे जाननदौपियचतरसिरोमनना
गरजाचररासरसे भ्रजनग्रधरनिप्रगटपे·
षियतनागवेलिरंगनिपटचसे लटपटीपा
गमहावरकेरंगमाननीपगपरसीमचसे · १
भूमतदौमनुप्यावरकीनीनवविलासग्र·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ममैजड़ुमै सुरसामउरपरनषसोभितग
गनहैजससिउवटजमै ॥४०॥ रागदेवगंधा
र उनींदेआपहोजूलोल लोउनफीकेअति
अलसानेविनगुनहेंउरमाल लटपटीपाग
लटपटेपेचनमेरेदीनदयाल उगामपगाज
धरनधरनीपरमैंनवहीनिरषेव्रजवाल १
अतिआनरवाननननरानेल्यापमोहिरसा
ल हमसोंकपटओरसोंरसवसहमरोमर
ननमरोष्याल नमनायकऊविजारसपा
गेसूरवालवेहाल ॥४१॥ रागटोड़ी ललिता
मषविनवनमसकानी आपहंसीपियमष
अवलोकनतुऊमनहीमनजानी अतिआन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५२०

520

रहेंथाईआईकाहेंवदनकरानो सूखतिहैंयों
नेटनेटनसोंचितवतनैंनजुरानो १ तबबो·
लेयेचतुरनागरीब्रजराजकहांहुनाऊं सूर
स्यामजोचलौतुरतहीनैननिजाइदिषाऊं ११
५२ विलावल कहाभईधनवावरीकहितु·
मैंसूनाऊं तुमतैंकोहैभांवतीजिहिहूटेवसा
ऊं तुमहिश्रवनतुमनैंनहोतुमप्रानअधार
वृथाक्रोधतिजनकरौकहहिंवारंवार १ सु
नगाहिताहिदिषावहुजोहूटैवतावत सूरा
स्यामकहिनागरीतुमहीमहिभावत ११५२
श्रीराधिकाजूकोसोभासिंगारवर्नन राग
सारंग राधेतैंयोंमनमोहनलियो ऊंमऊंमप·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रघुबरजदेष्योनापरमीनदियो मेषविरष
नलमिथुनसिंहधनुककोसमलियो वृ
श्चकदुछकदोऊसंगरहतहैंपीवनहैंश्रसि·
यो १ इथिकेसुतकोफलजोकहियेसोद।
नहैतनियो सूरदासप्रभुहिलमिलवेकोंतो
मीकोंनवियो ११५५ रागनट राधेनरवैनेंनकि
योवटमारे जिनदेषेंवनकेमृगमोहेमानस
कोंनविचारे खंजनदेपियकोमनमोहोषें।
नमीनलजारे चितवनदहिवानसमलागा·
नहमनज्योंमनवारे १ गिरिधररूपदियो·
सवतोकोंकहियेतिनेकहारे सूरदासप्रभ
टरसनकारननावनज्योंमनवारे ११५६ रा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५२१
521

रागकान्हरा चपलभामकीभौंहैंवंक अल
कतिलकयत्रवदनसुधानिधिकांतिरवि·
जगतताटंक सायकनैंनसुभगअनियारेस
नमृगहरनैंननिसंक उरसुदेसरोमावलिरा
जतिमृगअरकौसोलंक १ तेरोरूपकहौं·
लौंवरनोनागरनाकेअंक सूरदासप्रभुच
रनसरोरुहलषिहरिवितभयोपंक ११८८
रागसोरठ राधेतेरोवदनअतिनीको जव
तेंनैकविलोकतहैंनवहोतनिमापनिफी·
को भृकुटीकुटिलचापअतिसांधेंसिरकेस
रकोटीको मानोछूटघटउरिवेंदायोपारधीर
निपतिहीको १ अतिभयमनतनागजैंपोंअव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नषैंचकहतहौंलीको सुरदासप्रभुविधि·

भांनकरिमनरिफवतहैपीको ॥५७॥ राग

सारंग नवतैंमृगनचौकरीभूली उघसोव

दनसहजहीयदपटसकुचेकमलकुमदि·

नीफूली निरषिभौंहमनमथकरकोप्यो·

छूट्यौधनुषभुजाभईलूली सुरदासरतपा

इपलोटतहतीजगरवद्विउरेफूली ॥५८॥

रागदेवगंधार वरनौंश्रीवृषभांनकुमारि

चितदैसुनौस्यामसुंदरछविरतिनाहीअनु

हारि प्रथमसहिसभगस्यामवेनीकोसोभा

कहौंविचारि मनोरस्यौपनगपीवनिकौं।

ससिमुषसुधानिहारि १ सुभगसदेसतु

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५२२
522

दमेडुरकोदेषिरहेपविहारि मानोअ्रकन॰
किरनदिनमनकोपमरीतिमदविडारि
नापरवनीग्राइक्रमकोकीनीसषीसथा॰
रि मानोवंधीइंडुमेंडलमैहपसुथाकोपारि २
भृकुटीविकटनिकटनैननिकेराजतिअति
वरनारि मनोमदनजगजीतजोरिकराषीधा
पनुषउतारि नासाकीरकपोतकंटकचा॰
कलमंगगजलहारि चंपकतनदामिनीद
सनगोरोचनतनतिलकलिलार ३ सुरंग
गुलालमालकुंडमेंडलनिरषततनमनवा
रि मनदुहूदिसनिरधूमअग्निकरतपि
वेदेविप्रगारि तमसेयोहारिजेतिक्रतमानो॰
© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

लाऊंकरिमनुहारि सुरबसिकबरिहैंजब
विनवतमुरलीसकोसंभारि ॥४१॥ रागके·
दारा राजतराधारूपनिधान संदरताकेपुं
जगुराटतनपटनरतिधानद्यान संदरसीस
मांगमकनाफलकचककबरीद्युमान मनें
वेटमुषकोपहसौरविराहिविषमसरनानि
तरलनगनमाटंकगेडपरकलकैललितन·
गानि मानोससिसहाइकरिवेकौंतिरछैहैं
विविभान कोकविकहैउरोजनकोछविर
डिमफलहिसमान सहसनभपलजाउररहे
मनुवैदिरहेफिरयान २ नाभभौरत्रिवलीत
रंगगतिजनोकिपोघरध्यान कुमकटिक·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

म्र
मा
५२३
523

सीनिन्तेवदंडदैमथिकीनोमवथान श्रेगाश्रेगा।

शनिसोभाराजनकहोलोंकहोंवथान म्ररदा

सपश्रुनकनिसिरोमनिमनिजियस्यामसजा

न ॥१५॥ रागकानुडा विराजनिपकश्रेगाइनी

वान श्रपनेकरसोंरचेविधानाषट्श्रकनवज

लजान हैपन्नगससिवीसपकफनिवारिवि

विधिरंगधान पकश्रमीवमीसवजकनउ।

भयविंवफलरान १ हैसांरंगपकवजलना

विनैविनजलगान हैमनालहैवक्रविराज

तेहैकदलीविनपान पकहैससोग्रपनरह

ननिनउउलागानसवगान मरस्यामकेसि·

लवेकारनश्रुतिश्याकलश्रकलान ॥१५॥ रा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

गविह्वागडा नैनौबदनदेषिउडुपतिलज्जडुस्यौ
द्यामिनिडुरीदेषिदसनछविनादंकनरविवि
नज्जह्रस्यौ दरपनमलिनकपोलनिसोभाकी
रनासमभयवनपकस्यौ श्रहिवेनीमोस्यौऊव
कलसनचरमोस्यौस्रमृनज्जभस्यौ १ येराव
नछ्किरस्यौनिरषगातकटिकेभयमृगराज
उस्यौ सरदासप्रभुनारिनागरीमनमोहनसो
वसजकस्यौ ११५२ रागगूजरी निरषसषी
वारवंदरकटोर वेदेवितवतपियतियदोऊ
सारसनाकीओर हैससिस्यामनवलछन॰
जैसेहैविधिकीउतिओर ताकेमध्यवारस॰
कराजनविंवआदेग्रकवारवकोर १ ससिस

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५२४
S24

सिसंगप्रवालमुलिंगननहांरयौमननमोर सू
रदासप्रभुउभैरूपनिधिवलिवलिजुगलकि
सोर ११५३ रागविहागडा षंजननैननरूपरस·
माते अतिहीचारुचपलवैंकायलपलपिंज
रानसमाते चलिचलिजाननिकटश्रवनन
कैंउलटिफिरनतांटकफंदाते सूरदासअंजन
गुनअटकेनातरअबउहिंउडजाते ११५४ रागवि
हागडा राधेटूंपिसनकोंनछिपावति वदन
सषीवृषभाननंदनीकाहेजियदुसनावत
जलसुतदुषीदुषीवैमधुकरहेपंछीदुषपाव
त सारंगदुषीहोतसारंगविजुनोहिट्यानदि
आवत १ सारंगरिपुकोंनैकओटकरिनवसा

रंगमृषपावत सूरदाससारंगकेकाजैंसारे

गऊलहिलजावत ॥५५॥ रागसारंग श्राजंघे

जनदियौराधिकानैंनको मीनमृगहीनल

षिजलजषंजनसरसअधिकचंचलवनेस्पा

मसृषदैनको वरननूप्ररकिननकटिक्षुर

चंटिकावामननगौरलैनीलउपरैनको कं

चुकीवंदउरपैष्यकिनहैंरहीनिरषयौंनैनउ

रुपभिकेगैनको १ दसनराडिमियजुषभौं

हअंउलकनकसल्यलटलटकरहीनहीं॰

चितचैनको सूरकेप्रभुजवैनवलागिरियर

मिलेचलीगजगामनीमदनगहलैनको

॥५८॥ रागसोरठ उनमैंकौननागरिनारि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५२५
525

रूपअंउसषीउमतिगोवेंधननाहीपावि श्रंगश्रं
गकहांश्वरम्योरहीरमनाहारि कौनकेघर
जनमलीनोनिगमगावनवारि १ परमपव
वियिवमाईरवीसांचेहार सूरकहिमद्वचरि
सनाथोगपसौरिउहार ११५० रागनट दृष्टि
पनप्रगटहारसमीन षटअंउहैषटनमनसो
भितविमलउरगननीन षटसूत्रंउजकी
रषटसषकोकिलासरपक षटदोरविद्रुम
दामिनीषदुव्यालनीनविसेष १ षटमीन१
त्रिवलीश्रीफलाषटपरस्परउजनारि उज
अंवरांगविधारिउरूनरूपरमरजवलिहारि
११५८ नारदउजस्रागमन रागविलावल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

फागरंगकरिहरिरसराष्यो रह्योनजुवति·
नकेमनकांष्यो सषासंगसवकौंसुषदी·
नो नरनारिनमनहरिहरिलीनो १ जोजि·
हिभावतिनेहरिनेसें हितकौंहेतकहुकैं
जैसे महरिनंदपितमातकहाए तिनहीके
हितननधरिआए २ जगजगयहअवतार
धरतहरि हरनाकरनाविस्थरहैभरि धरनी
पापभारभईभारी सुरनिलियेसंगजाइपु·
कारी ३ आदिआदिश्रीपतिवनवारी राषि
लेहुमोहिसरनउवारी राजाअसुरसुरनकैं
हिभाषी भपवंदसुरजातिहिमाषी ४ लीर
सिंधमैरहैमरारी प्रभुआवननयहपरीग

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हारी तवजान्यौकमलाकेकंता दनुजभा॰
नथूहमीमधमंता ५ सिंधुमध्यबानीपर॰
कासी भुवश्रवनारकरौंश्रविनासी मथुरा
जनमगोकुलहिश्राए मातपितासुतहेतक
हाए ६ नारदकहयहकथासुनाई ब्रजा॰
लोगनसुषदियौकन्हाई नंदजसोदाबाल
कजान्यौ गोपीकामहूपकरिमान्यौ ७ ध
थमपियतपयवकीविनासी नरतसुनत
नृपभएउदासी इहिंग्रंतरवडदैतसंहारे
तिहिंग्रंतरवहुलीलाधारे ८ कोमहिमा
काहिमकहितमारे वालनकनिसुषन्यारे
न्यारे धन्यधन्यव्रजकेवासी वसकीने

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

जिनब्रह्मउदासी ९ सकलकलानिगमन
नैन्यारे तिहिजवतीवनवनतिनिहारे स॰
न्यायहैमोहिप्रभुदीनो यहस्रवतारवहुनभ
वलीनो १० दैनदहनसरकेसषकारी सव
मारोप्रभुकंसपिछारी यहसनदसेसरन
केनाथा जवगाईनारदयहगाथा ११ श्रीस
षकसौजाइसमकावहु नृपश्रापसकरि॰
मोहितुलावहु ग्रेज्ञलजोरराजसनदरषे
कृपाववनतिनसोंहरिवरषे १२ नरनवले
नारदनृपपासा यहैबुद्धिमनकरनश्का
सा संकरषनहरिदेप्रगटाई जोवातेविषत
येसनाई १३ श्रादपुरुषउदोतविचारी से

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सुर
सा
५२७

527

घरूपहुरिकेसुषकारी अंतरजामीहैजगत
ताता अनुजहैतजगमानततनाता १४ यहै
ववनहूलधरकाहिभाख्यो सुनिसुनिअव·
नहृदयहुरिराख्यो तुमजननमेभुवभारउता
रन तुमहोअखिललोकेतारन १५ तुमसे
सारसारकेसारा जलथलजहांतहांविस्ता
रा तवहंसिकहीअंतसोंवानी जोतुमक·
हूतवातमैजानी १६ केसानिकेदननामक
हांऊं केमरगहींभूमैंविसटाऊं इहअंतरम
निगयेनृपपासा मनमारेसुषकरैउदासा
१७ हराषकंममनिनिकरनुलायो आदरक
रआसनवैटायो कहयोकंमकोंविषमनमा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

है कहाविंनाजियवहीनमारें १८ नारदक
ह्योसन्नोहोराव कहावैदेकछ्रुकरोउपाव
त्रिभुवनमैनमसरकोश्रेसो देषौनंदसवन
व्रजजैसो १९ कनककहारजधानीश्रेसी य
हनमकोंउपजीकहोतैसी दिनदिनभयोग्र
वलयहभारी हमसवहिनकीकहैनमारी
२० नवगरवतनृपवोलेवानी कहावातना
रदसुनियानी कोटदनुजसोसरसोपासा
जिनकोंदेषिनरनितनत्रासा २१ कोटिको
टितनकेसंगजोधा कोजीवैतिनकेन॰
नक्रोधा मलनिकेवलकहावषानौ जि
नकेदरसनकालडरानो २२ कोटिपनुष

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५२८
S28

धरमेवकहारे वचैकौननितनकेजहंकारे प
कऊवलधात्रिभुवनगामी ऐसेऔरकेनेहै
नामी २३ ग्वालसनननकीकहावलावऊ
घहवानीकहिकहासनावऊ प्रजालोगव
जकेसवमेरे सेवाकरतरहतनिननेरे २४
तातेसऊवतहौंउटिकाजा वालकसनतहो
तजियलाजा भलीकरीघहवानवलाई
सहजवुलाइलेतहोऊभाइ २५ औरसनोता
रहमानिमोसौं ध्रवननिलागिकहुकहोमे
तोसौं कितकवातवलरामकन्हाई मोहे
घनसुनिकालहुवाई २६ आजकालिश्रवऊ
नैवुलाऊं कहिपरवौं ब्रज सहितसंगाऊं और

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

श्रीरघुनाथजसगानवसाऊं अपनेजियकोश
ट्कमिटाऊं २७ तिनपरक्रोधकहांमैपाऊं
रंगभूमराजचरनकंदाऊं मेरीसमसरकोऊ
नाहीं यहमनकैनारदमसिकाहीं २८ स
त्सवचननृपकहतप्रचारी अवमानोउन॰
कोंवममारी यहकहिमनिवैऊंटासिधारे
त्रिभुवनमैकोवलहितमारे २९ कंसपस्यो
मनयहैविचारो रामकृस्नवाहैहैमारो दत्र
जहहेदहरिचहैउपायो नारदकहीसुनतम॰
नमायो ३० अवमारोंनहींगहल्लगाऊं म॰
थुराजहांतहांवलल्याऊं धकधकातजिय॰
वहुविसंभारै कोंमारोंसोवुद्धिविचारै ३१

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५३९

सूरजप्रभुप्रवगानप्रविनासी केसकालय·
हृयहृत्वुद्धिप्रकासी ॥५५ रागसोरठ नृपति
मनयहैविचारपरसो केसेमारोनंदढटोनाथ
हृजियप्ररनप्रसो कवङ्केकहृतप्रवहीवढ
थाऊंयहैविचारपरसो मातदिवससेंवथीए·
तनाइहिंगुणप्रनहिइसो १ गुनिसाहसजि
यकविकरिवारद्योताकोकालससो सूर
स्यामवलरामहृदैतेनेकनंहीविसरसो ॥९·
रागसोरठ मह्वटढोनासालिरहे जनम·
हितेंप्रपरावकरनहेशुनगुनिहृदेकहे द
उजनसनाप्रथमदिसेवारीपयपीवतदिन·
मान गयौप्रतसाकारिकारागमरत्राइता·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्यौं मुरझात ॥१॥ तू नाम करउ छिन मै संघारौ

केसी हन्यौ प्रचारि जैजै गाये बहुरि न हिरदै षे·

स्रव ह्री डारे मारि ज्यौं मौं का विस्व हिं डुबन मे।

गैवातन नहीं कछु त्यौर सुर नृपति मन सोच·

पर्यौ है यहै करत मन दौर ॥८१॥ रामकली

नेत्र मत महजउ लाइहाऊं स्याम राम प्रति

संदर कहियत देषन काज मे गाऊं जैहै कौ

न प्रेम कर ल्यावै भेद न जानै कोई मंदर म·

हरि सौं हित करि ल्यावै महा चतुर है सोई ॥१॥

शुहिं संत न र सकूर तुला यौ प्राति प्रात न र महा·

राज स्रारत्यौ मन सोच हा यै कौन है सो

काज ॥८२॥ रागधनासिरी प्रति प्रात उठ म

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ह्वाजतुलायो कौनकाजग्रैसोहैग्रटकयौ
मनमनसोचवचायौ ग्रातुरजाइपौरभयो
ठाढौकह्वापौरियाजाइ मननतुलाइमह॰
लदीलीनोसुफलकसुतिगयोधाइ १ क
छुटरकछुधीरजमनकीनोगयोनृपतकेपा
स सुरमोवमघटेषिरुगनौऊरधलेतिउसा॰
स ११८३ रागमारू सोवमघटेषिग्रक्रूरभ
रमे माथ्यसिरनाइकरजोरठोऊरह्यौबोलि
लीनोनिकटववननरमे ग्रापहीकंसनहो
हूसबौकोऊनहीग्रामग्रक्रूरजियकह्यकहि
है नृपतिजियसोवजान्यो हूहैग्रापनेकह॰
तकछुनाहिथौंग्रानलैहै १ निकटवैठार॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सबबातनतेईकहीजेगणभाषिनारदसबा·
रे सुरसुतनंदकेहृदैसालतसदामेंत्रयरहउ
नैत्रबबनेमोरे ॥९८ रागमाह सुनोंश्रह्म
रयहबातनतमसोंकहोंकाहिपरवोंकोऊ
ज्ञातनांही कमलजबतेउरगपीरल्यायेस
नेबदैहैपुरकममहृदैमारी देषिवेकोसा·
धवहूतमोकोंविमलश्रुतहीसंदरसुनेदो
ऊश्रमोले प्रीतकरिनंदसोंसहजवानीक·
हीतरनल्यावैउहूननृपतिबोले ॥९९ रा
गसोरठ यहबानीकहिकेंससनाई नव
श्रह्मरहृदैभयोधीरजउरउासोविसराई
मनमनकहतकहांवितवैदीसानिसानि·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
पत्र
531

ऐसीबानी अपनोकालआपहीबोल्योइहि
कीमीचतलानी १ हरषिवचनअक्रूरकहे
नवनरतनकाजयहकीजे सूरजाहिआपस
करिपाऊंबङरपैनिहिंदीजे ॥८६ रागवि
लावल नवअक्रूरकहतनृपआगेधन्यध
न्यनारदमुनिज्ञानी वरेशत्रुव्रजमेंरोऊह
कौंमनोदेवनीकैमनआनी महाराजनो
सरकोऐसोतऊजगतमेंबलनकहानी अ
वनहिंवचेक्रोधनृपकीनोजैहैछनकनवा
ज्योपानी १ यहसुनिहरषभयोगरवानो
भवहिंकरीअक्रूरसयानी कालिह्वलाइ
सुरटोऊमारौंवारवारभाषतयहवानी ॥८७

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रागविलावल कंसनृपतिअक्रूरबुलाये बै
ठिरकंतमंत्रदृढकीनोरामकृस्नदोऊबंधुमं
गाए कहूंमलकहूंगजवैराषीकहूंधनुष·
कहूंवीर नंदमहरकेवालकमेरेघटकनर·
हूतशरीर १ उनैंबुलाइवीचहीमारौंनगर·
नआवनपावै सूरसुनतअक्रूरकहूतनृप·
मनमनमौजवढावैं ११९८ रागविलावल
यहैमंत्रअक्रूरसौंनृपपैंनविचारै आनंदस्व
तनमोरिहौंयहकहतपुकारै कहिविचारजग
ज्ञामलौंमंदिरपगधारै कहौजाइअक्रूरसौं
यहआपुसभारै १ नृपतिजाइपलकापसौ
पलकनिकपकानो स्यामरामसपनेघरेति

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५३२
532

हिरदै खिउरानो आनगलौहोझकालसैमर
मौश्रीतिकिफकौ जागपलौतहूंकोउनही
जियहीजियहिफकौ १ बौकपलौमंगा।
नारिकेनारीमवजागी उहीमवेग्रझला३।
कैनवमूलुनलागी महाराकिफकेकहा।
मपनेकौंवहूके मरउटेव्याझलमणपर
परउटदहूके ॥८॥ रागबिलावल महाराः
जकौंग्राज्ञहीमपनेविलषाने पौटेग्रवही
ग्रा३कैटेषविकलाने कहामोवश्रेमोपलौ
श्रेमोपुहूमीको काकीमथमनमैंकरीक
रियेग्रवहीको १ रानीमवव्याझलभइक
लुभेटनपायौ नवग्रागुहिमहूजैकलोउन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

उनहीनजनाथौ सावधानकरियौरियाप्र·
तिहारजगाये सूरदासवससामकैनही·
पलकलगाये ॥३०॥ रागविलावल उत·
नेदहिमपनोभयौहरिकहूंहिराने वलमो·
हनकोऊलैगयौसुनिकैविलखाने ग्वाल
सषारोवनकहैहरितोकहूंनांही सेगहि·
संगषेलनरहैयहकहिपाछिनांही १ हून
एकसंगलैगयौवलरामकन्हाई कहाठ
गोरीसीकरीमोहनीलगाई वाहीकेदोऊ
हौंउगयेहमदेषतठाढे सूरजप्रभुवेनिठ
रहैहूंप्रतिहियकेगाढे ॥३१॥ रागसोरठ व्या·
ऊलनंदसुनतयहवानी धरनीपराफि·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५३३
533

परीसुतिब्याकुलविविसजसोदारानी वं

कुलगोपगाइसवव्याकुलव्याकुलव्रजकी

नारि व्याकुलसषासामवलकेजेव्याकु·

लतननसंभारि १ धरनीपरतउठतसुन·

धावतउहिंस्यंतरसवजागे धकधकातउ

रनैनस्रवतजलसतनंश्रेगपरसनलागे सि

सकतसनिजसमतिस्रवराईकटतद्दर

भ्रमपाये सुरनंदधरनीकेश्रागेयद्दभ्रम

नंदीसनाये ॥७२॥ रागकल्यान एकजं

मनिसाकेसजमतभईभारी श्रापुनहूंज

रपोसंगजागीसवनारी कवहूंउठतक·

वहूंवैरिकवहूंसंगजोवे कवहूंश्रांगन·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हाटौंह्रै त्रैसेंनिसषोवे । वारवारजोति·

षिसोंसभवरीपल्लावे पकजारगडुचैन·

ह्रीस्रोरकोंतुलावे जोतिषिजियत्रासपस्या

कहरापातकरिहे सरकोथपसोन्नृपति।

काकेसिरपरिहे ॥७३ रागासोरठ ब्याऊल

ह्रैटैरेनिकटपडुचीघरीयाको पकेंछिनप

कजामयेसीगतिताको कोजेहैव्रजकोंम

नकेरेकिंहिंपटाऊं जासोंगाहिनंदसवन

स्राजहीमगाऊं । स्रवनहिरापोंउदाइपीर

नहींमानों मारोगजपैरुदायपरहैश्रमम्

नो पटवोंग्रक्रूरहिकोंश्रेसोनहिकोऊ स्र

रजारगोऊलसैल्पावे संगदोऊ ॥७४ बिल

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५३४
534

वलअकनउदैउदिआनहीअक्रूरतुलाए
आपकह्यौप्रतिहारसौंइकसुनिसुनधाए
सोवनजाइजगाइयौचलियैनृपपासा वहै
मेंइजियजानकैमनवलेउदासा १ नृप॰
तिहारहीपरषैदेषनसिरनायौ कहीब
वसुनिसैनदैसिरपाउमंगायौ अपनेकर
करिलैदियौसुफलकसुतलीनौ लैआ
वहुसुतनंदकेघरहूआपुसदीनौ २ सषअ
क्रूरहरषतभयौहिरदैविलषानौ अमर॰
आसप्रतिजियपह्यौकहाकहैसुषानौ न
रनैरथपलनाइकैअक्रूरहिदीनौ आपुस
सिरपरमानिकैआनरहैलीनौ ३ विलंब

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

करोनहीनैकहूँसबहीअजजावड् सरका
जकरआवहोजिनरैनवसावड् ११७५ रा
गबिलावल सनोदेवरकवातसनाऊं
आपुसभयीनरतलेआऊंनातेफेरसनाऊं
वलमोहनवनजातप्रातहीजोउनकोंनही
पाऊं रहिहौंआजनेदवरवसिकैकालूआ
नलेआऊं १ यहकहिवल्योनृपतिहूमा॰
मोसफलकसनरथहांकौ सरदासप्र
भुध्यानहदेथरिगोकुलननकोंताकौ ११७६ ९
रागटोडी सफलकसतमनपछ्योविचारा
कंसनिवंसहोरहन्यारानगरमांफरथको
नोटाहै सोचपछ्योमनमैंत्रातिगाढौ १ मं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५३५
535

रुकियौनिसमेरैसाथा मोहिलैनपठयौव्र
जनाथा गजसहकवाएश्वनिहारयौ व्याकु
लनैननीरदोऊधारयौ २ अतिवालकवलरा
मकन्हाई कहाकरौंकछुनाहिवसाइ कैसै
आनदेवमैंजाई मोदेषतमारैदोऊभाई ३ मा
रैमोहिवंटलेमेलै आगेकोरथनैकनपेलै
सूरदासप्रभुअंतरजामी सुफलकसुतम
नपूरनकामी ॥११ रागकाफी सुफल॰
कसुतध्यानकियौमनमैंअविनासी हरन
करनसमरथवैचरचरकेवासी धन्यधन्य
केसाहिकहयौमोहिजनपठायौ मेरोकरि
काजेलीऊंमीवआपकोवुलायौ १ उनकैं

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रथ्यहाकदियौनगररलौपालें सङ्गबनक

लुहरघनकलुबल्यौस्वागकालें २ बहुर

सोवकियौदरसदछिनमृगमाला हरष्यो

सकुरसरमिलहैगोपाला ॥१३८॥ रागगौ।

री दछिनदिसादेषिमृगमाला सुनिसाने

दभयौनिर्हिकाला सुवहीवनमिलहैगो•

पाला स्यामजलदतनसुंगारमाला १ ना

दरसनतैंहोहिंनिहाला वहुरिनकेमेदेजं

जाला मषमसिनैनचकोरविहाला नन

त्रिभंगमंदरवनंदलाला २ विविधिसमन•

हिरदैसभमाला सारसहूंनैनेनविसाला

निरदैभयौकंसकोकाला सुरजप्रभुत्रि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५३९
536

भुवनप्रतिपाला ॥१७॥ रागप्रभावती सूहनै
देषियतमृगमाल मानोंहोंशहिमगनआज
भुजभारिमेटौगोपाल निरषित्रिभंगीलाल
नतिलकनवभ्रंऊसपावककाल परन·
हिपाउउदारभेंटहै जेमैवेलीवटननमाल
परसतपरमानंदपरमसुषकरिहैपरगट
परमदयाल ववनरचनप्रफहाससमेस
फूलनफललेप्रभेरमाल सकनसवाम
सफलटोऊलोचनमनउल्हासहसविहूँटेउ
लाल सूरसुनिगमनेनगावतहैप्रगटे
षिरोंआजदयाल ॥१८॥ रागकानुरा आ
जजारदेषौहरिचरन सीतलसभगामक।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

लक्षषदानाद्रुमहिदोषभयहरन श्रंज्ञसक

लसकमलध्वजाचिह्नतश्रहनकंजकेरंग

गोचारनवनजाइपाइहैंगोपसषनिकेसंग

जिनकोध्यानधरतकविकोविदसिवविरं

चहरईस तेईचरनहैंप्रगटपरमहैंउहि:

करग्रपनेसीस लषिसहूपरध्यरहिनहिस

कहैंतिनयरिहैंयरिणाउ सूरदासप्रभुउ

भैभुजाकरिहैंसिमेटहैउदाउ ॥८॥ रागका

नूरा श्रीजभैंचरनदेषिहैंजाउ जेपदकम

लरमानिजकरनेंमकैननैकभुलाउ जेप

दकमलसकलमुनिदुर्लभमेदेषीसतभा

उ जेपदकमलपितामहध्यावतगावतना

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५३७
537

नारदवाइ । जैपदकमलसूरसरीपरसेभव
नतिहूंजसखाइ सूरस्यामपदकमलपरस
हौंमनश्रुतिमधुपउडाइ ॥८१॥ रागनट जव
सिरवरनधरहौंजाइ कृपाकरमोहिवेगि ।
लैहैकरनिहृदैलगाइ श्रेगिपुलकितवव
नगदगदमनहिमनमासिकाइ प्रेमगंधि
नखिलितहूहैनैनश्रंसुवहाइ । कमलपूछ
नकहिनसकहौवारवारसुनाइ सूरप्रभु
केध्यानश्ररकैगागयैपंथभुलाइ ॥८३॥ रा
गविलावल मधुरातैगोकुलनहीपठईवो
सफलकसुनकोंमोकमभई हरिप्रभुगाता
देहसोंपाविससीरथवाहनकोसुरतगई

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कहांजानकिंह्निमोह्निपठायौकोह्नांमैंयह्नमें
वपस्यौ दसहूंदिसास्यामपरिपूरनह्नदैह्नर
षस्रानंदभस्यौ १ हरिअंतरजामीयह्नजानी
भक्तवछलकृपालभए सूरमिलेजोभा
वभगतकेचरनगपलैवनहिरहे ११८४ रा
गकल्यान बृंदावनग्वालसंगगैयानिचारै
अपनेजनहेतकाजव्रजकोपगिधारै जसु
नाकेरिपारगाउस्यामदेनह्नैंरी हलधरसंग
सषालियैंसरभीगानहेरी ऐनुहूहनसष
निकस्योआपउद्धनलागे बृंदावनगोकुल
विवकेभागे भक्तहेतश्रीगोपालयमुषउ
पजायो सूरदासप्रभुकोदरसनसफलक

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सू०
सा
५३८
538

सुतपायौ ॥८५ इतिश्रीभागवतेमहापुरा
णेदशमस्कंधेसूरदासकृतौभाषात्रिंशोध्या
यः ३८ रागकान्हरा सुफलकसुतहरिदर
सनपायौ रहिनसकौरथपरसुषव्याकुल
भयौवहैमनभायौ भूपरदौरनिकटहरिआ
यौचरननिचितलगायौ पुलकअंगलोच
नजलधारसौश्रीपदसिरपरसायौ १ कृपा
सिंधुकरिकिरपामिलेहसिलियौभक्तउर
लाई सूरदासप्रदसुषसोईजानैकहाकहैं
मैंगाई ॥८९ रागगौडमलार हरषिअक्रूर
हरिहदयलायौ मिलतहीभावजोभाववि
तवनिविसभक्तवछलनामसोकहायौ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ऊसलसूखतपरसवचनश्रमतनसरसश्रवन

सुनिपुलकिसवश्रंगकीनो चितैश्रानन·

वहतबुद्धिउरविसारडोभज्यौहितसहरतिघ

हजावटीनो १ भेटहीभेटसबटैनवानीक

हीनरतनबोलेहतघहेवाके सरभुजभरिग·

हौमनहिउनसवलहौधरनिउहारहतन।

सैनाके ॥८०॥ रागविलावल स्यामयहैक·

हिकाहिउटैनूपरमैबुलाए श्रुतहिकुपार·

मपरकरीजोकाल्हमैगाए सेगसधासव

सुनतहीचकितमनकीनो करंकरहतर·

तिसुनतहोलोचनभरिलीनो १ स्यामसघ

निसघरहेरिकैनवकरीसयानी नाहिबलै

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५३९

539

नृपदेखियेसंकाजिनश्यानी हरषकस्योहं·
हरिषिभयोमनमनडुषभारी सूरसंगश्रकू
रकेहरिव्रजपगधारी ॥८८ रागरामकली
श्रतिकोमलवलरामकन्हाई इहंकोटश्र
कूरलियेहंसिसमनहूंनेहरिवाहू ग्वालसे
गरथलीनेश्रापपडवेव्रजकीषोर देषतगो
ऊललोगजहांतहांनेंदउठेमुनिशोर १ सूप
ननगुनरटनकनारीश्रवसूनोकेंसकोहन
सूरनारननदेषनधापचारचारसोरश्रगुन ॥८९ ९
गौडमलार कंसश्रकूरव्रजकोपठाये गये
श्रागैलेननंदउपनंदमिलस्यामवलरामउ
दिरदैलाय उनतिसवडनलियोदेषिहर·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

थ्यौहियौसोवमनपहृभयौकहौश्रायौ रा

जकेकाजकोनामश्रक्रूरलैसिम्नकौंलै·

नरूपमोहिपठायौ १ अमलतेहिपूछलै

गपद्वजथामनिजस्यामवलरामसिलगा।

येवाकौं वरनपषारा३कैसभयाश्रासनदि

यौविविधिभोजनदियौनरतनाकौं कि

योश्रक्रूरभोजनउद्धनसेंगलैनारिनवयो·

षकेसवैवेदेष मनोश्रापसेंगाटेषिश्रेसेवेंगा

मनहिमनपरसपरकरतनेषै १ साविजे

वनाविश्राचवनकविभपसंधिदियोनंवो

रनंदहरषिश्रागे सेजवैठाउश्रक्रूरसौंजै

विकरक्रपाकौंकहीनवकहनलागे स्य

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५४०
540

मवलरामकौंकेंसवोलेहमननेंदलैमन
नहमपासशावैं सूरशभुदरामकीसाधुश·
हीकरनश्राजकसैचलैंजिनगहरलावै ११ ९·
रागकान्ड्रा सैचौंब्रजलोगकहनयहवान
चक्रनमथेनागिनरदाहेपांचनश्रावैमान
चक्रिननेंदजममनतिभईचक्रितमनहीम·
नश्रफलान दैदैमैनसामवलरामहिमवै
त्रुलावनजान १ पवब्रलश्रविगनश्रविना·
मीमायारहनश्रमीन काहूमैंपरिहवानन·
हीमत्रकरनमवैमनभीत वोलननरहीने
कनरीचितवनमफलकमनमैंपागे सू·
रहमैनपरिहनकरिवोलेपरैकरनश्रत्रुतागे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

॥९१॥ रागसारंग सबअरफानीरीचलिवेको॰
न्हनतमनक गोपीग्वालनैनजलधारनगो
झलमाईम्रूदिवनक वसनमलीनछीनदे
खिपनपकरहतहैवनीवनक जाकेहैपिप
यकमलनैनसेविछुरेंकैसेंरहतदिनक १
यह्यक्रूरकहांतेग्रायौदाहनलायौदेह्क
नक स्रूरस्यामकोगवनजानकैकमलम
खीभईम्लकिननक ॥९२॥ रागविहागड़ा व्र
झलभयेव्रजकेलोग स्यामसनननहिनैक॰
ध्यानतव्रह्मपूरनजोग कौनमातापिताको
हैकौनपतिकोनारि हूसतदोऊग्रक्रूरके
संगनेहनवलविचारि १ कोऊकहतयह

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५७२
541

करोंशायोक्करघाकोनाम सूरप्रभुलैप्रानजै
हैप्रोरसंगावलराम ११४३ रागरामकली है
षिप्रक्करनरनारिविलषै धनुषभ्रंजनजन
हैनवोलेइन्हैप्रोरउरनहीगहकदिसेनोषै
महरियाकुलहोरपाइगहिलेपरीनेंदउप
नेरसंगलेइजैके राजकोप्रेमलिषिलेइ
हृनोदेहंतमैकहाकरोंस्ततउहृनिदेके १
कहतिव्रजनारिनेननिनीरढारिकैइनादि
कोकाजमथुराकहाके सूरनृपक्करप्रक्क
रक्करेभएधनुषदेषनकरतकपटवाके ११
११४४ रागसारंग हेरिगोपालहिहीलागी कैसे
राषींनतनमानकदिनप्रतिविनदेषेंप्रजदि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नक्षत्रगामी मेरैकान्हूकमललोचननैंओर
नहीनतनप्रान कौनन्याइनमकहुतनजरन·
कौंवामथुरालैजान । अपनौलागलेइले·
बैकरिजकडुराजकोंप्रेम नगरबोलगवा
लनिकेलरकाकहाकरैगोकंस मेरोसबधसे
पतिसुनिमेंजनीमाधवहैसरवंग वहुरिकें
नपैलेउसरपशुपदेपरागसंग ११९५ रागसो
रठ नहीकोऊस्यामहितपैजाई सफलक
सनबैरीभयेहमकोकहतजसोदामाई मट
नगोपालविनाचरस्रौगननौऊलकाहिस
हाई गोपीरहीथकीसीहारीकानरहगोरी·
लाई संदरस्यामरामभरलीवनाविनरेषेदो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५४२

542

ऊभाई सूरवलेलैहिनैमधुपुरीहिरदैसूल·
वटाई ॥५९ रागसोरठ मोहनइतौमोहवि
तथरिये जननीजानउषितमनमोहनमधु
रागवननकरिये यदुसुफलकसुफलकनवजा·
ननतमैंलैनहैप्रायौ निरखेभयेकरमक्र·
तपहिलेविधिइहिभांतवनायौ १ मोसौमा·
तपिनाप्रतिरूविसौंकहनरहनदोऊभाई
तिहिमषववनकहतसूनजीवनमेरोकछु
नवसाई सुरसरूपविलोकजसोदाधरनि
परीमुरफाई वलिवलिजांउसषारविंद १
कौवरजनरहौकन्हाई ॥६० वलरामवच
न रागमलार मोहिभरोसोकानूकोउरपो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

जिनकोई सुनिजसुमतियाकंसनीचवैनं
जिनव्याकुलहोई पहिलैसाईसुननापरा·
दीविषदोऊऊचपोई महाप्रवलदिनहैके
लरकाहूनीदेषनेनोई १ गिरिकीरिधरिगो
ऊलसवराष्योईदूकियौग्रनिक्कोई केसो।
नूनाग्ररिषग्रग्रामूरतिनदेष्योवलदोई सु
निकैवरननंदनंदनकेउरआनौग्रमरोई
सोईसोईकरनकहतसूरजप्रभुहोतहैसोई
सोई ११५८ रागसोरठ जसुदावारवारयौं।
भाषै हैकोऊव्रजमैंहितहमारोचलनगो·
पालहिराषै वरघरगोधनहरौंकंसनृप।
मोहिवंदलैमेलौ पैडैमेमेरेप्रानजीवन·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५४३
543

धनश्रोषनश्रागैषेलो १ कहाकोममेरेलख।
गनमगनकोनूपमधुरीत्रुलाधौ सफलक
सतमेरेशानहरनकौकालहूपहुँआयो वा
सरवदनविलोकजियौमैंनिसनिजश्रेकन
लाऊ तिहिविछुरनजोजियोकमंवसनोर
सिकाहिबुलाऊ २ गिरिगिरिपरनउठनि
धरनीपरवदनकमलकमलानी कहा।
करिवरनेसूरदासप्रतिउषिननेरकीगनी
॥५४४॥ रागसोरठ मेरीनिधनीकोधनमाधो
वारंवारवदनछबिनिरषातिनजनसकन
पलश्रायो छिनछिनपरमसनश्रेमलगाव
नभासैश्रेमसग्रायो पलपलपरसचको

मीठेंषिचांरहिहैटरसनलायो । कोरहैकं

होसहूरहमारोटेउंशानसपरायो मूरस्याम

कोहौंनपठैहौंसवहौकंसकिनवायो ॥२०॥

रागसोरठा गोपालराइकिहिंसवलेंवेरहि

हैशान निठुरवचनकटोरमैंजानेकहतम

धुवरीजान सक्रूरक्रूरकनकरतक्रूरमति

काहेगोकुलधायो क्रूरकंसनृपवचनराजा

नकेंहरिकोलेनपठायो । जिहिमुषनात

कहतवावासोमोहिकहतहैंमाइ जिहिमु

षवलनकहतजीवतिहौंविधिमोंकहाव

माइ कोकरकमलमथानीगहिहैकोमा

षनसुरिघैहै वरषतमेघवजुरिव्रजऊप

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रकोगिरवरकरलैहै २ सूरजदाससविलो॥
किजसोदाघरनिपरीसूरफाई हैंवलिवलि
घावरनकमलपरस्योंईरहोकन्हाई ९२०१ गा
राकान्हड़ा कमलनैनघानननतेप्यारे डुनैं॥
काहिमधुपुरीपठोऊंवलरामकृस्नदोऊवा
रे कहैजसोदासफलकसतमैंवडूनतदुःष
निसोंपारे एकहाजानैराजसभाकौनहि
कीनैगुरुविप्रजहारे १ मधुरानरससम
हूनगरग्रनितहांवसतजोयाहमारे सूर॥
दासप्रभुलरकाटोऊरनकहादेषेमलस्र॥
षारे ९२०२ रागसारंग व्रजवासिनिकोस
रवसप्याम यदस्नक्रूरक्रूरमयोद्दमकों॥

जियकेजीवनमोहनराम अपनोलागले
झलेषोकछुराजश्रेसकोदाम धौरमहर
लैसंगासिधारोनगरकहालरकनकोका
म १ तुमनोसंतसदाउपकारीहानियतव
डैतमारोनाम सूरदासप्रभुपदैमधुरी
कैंजीवैनिसवासरजाम ५०३ रागसूहो
बिलावल सुफलकसुततेंकैसेंहूंहरिदो॰
ननम्यारे बारबारजननीकहैमोहिनजन
डुलारे कहाकहाटगौरीनकरीमेरोबाल
कमोह्यौ हाहाकरिमैंमरतिहौंमोतनन॰
हिजोह्यौ १ नदंकह्योपरमोधिकैमैसंगा॰
लैजैहो पचुजन्नारिषगाउकैनरानैलैश्रेहों

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५४५
545

घरघरगोपिन्हसौंकहौंकरभारजुगावहु
सूरनृपतिकेद्वारकौंरथनरनवलावहु
१२०४ रागविहागरा जसमतिअतिहीभई।
विहाल सुफलकसुततुमकौंनहूकियै
हरतहमारोबाल परोऊभैयाजीवनहम
रेकहतरोहनीरोई धरनीगिरतहोतअति
व्याकुलगिहिरावततनहिकोई। निठुरम
येजबतैंयहआयौघरहुंआवतनाहि सूर
कहानृपपासतुममारोहमतुमविनमरिजे
हि १२०५ रागसोरठा कन्हैयामेरीछोहवि
सारी कैसौंवलरामकहततुमनांहीहोततुम
रीमहतारी तबहलधरजननीपरमोधता।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५४८
546

निकैस्यामचलतहैमधुवनकौ सुफल
कसुतभयेदिनपलदावतदेषेतिहिवल·
मोहनको घरसुनिवरघरतेंउठिधाईनेर
सुवनमुषजोहनको १ गौरपरीगोकुल।
मैंजहांतहांगाउफिरतिपयरोहनको सु
रपरसकरिभारसजावनमहरिवलीहरि
गोहनको ५४८ रागविहागडा चलनच·
लनस्यामकहतलैनकोकसुआयौ नेरभव
नभनकसुनीकेसकदिपठायौ व्रजकी
नारिगृहविसारव्याकुलउठिधाई सून·
कौसमाचारसुनतहैसुधाई १ प्रीतजानदिन·
रिमानविलषवदनदारी मानोवेसुतिवि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

चित्रविचित्रनिलिषकारी ऐसीगतठौरठौर·
कहतनबनआवै सूरस्यामविहरनसुष
विरहकोहिमावै १०९ रागरामकली चल
तहरिपिगाजरहतपमान कहोवरससष्ष
वसहोंउसहूउषउरकरजलसमसमान क
होवहसमैंकेंटमोहनभुजकरनश्रथरास·
पान श्रवचननैनचकोरसथारसदेषोमष
छविश्रान १ जाकोंजगउपहासकियोजव
लाग्योसवश्रभिमान सूरसनिधिहमतेंहे·
विछुरनकठनहैकर्मनिदान ११० रागवि
लावल चलनकहतहैंहरिजवश्राज श्रवहौ
सषीदेषिहौंश्राईकरनचलनकोसाज को

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५४७
547

ऊकेसकपटकरपटयौलिषसंदेसदैहाथ
सुनोहमारोलिषैंजातहैसरवसअपनेसाथ
१ सोयहसूलनाहिंसुनिसजनीसहिहैधीर
जियलाज थीरजातजोंवलैंसवहीमिलह
रिगयेकहाकाज ल्याउँजगजीवनकोश्रा
साअरुग्ररुजनकीकान विनतीकमलनै
नसोकरिहोंसूरसमोपहिंचान ॥१॥ रागः
कान्हरा चलतकान्हविनवनब्रजजुवतीः
मानोलिषीचितेरे जहांसुनतहांएकटकरः
हिगईफिरननलोचननफेरे विसरगईगति
भांतिदेहकीसुधवननिसुनतनटेरे मिलि
जगईसनोपयपानीज्योंनिवरतिनाहिंनि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वैहै १ लागीमेंरामनंरामनजैंपोंफिरतनंहीं॰
मोपैहै ह्नरषीतश्यामासंगजसजियवैनहिं॰
इतउतहै है ॥१२॥ रागकल्यान स्यामवलन
चहतकत्यौमखीएकश्राई वलमोहनरष्य
वैठेसुफलकसुतचढनचहतयहसुनिकै
चकितभईविरहठौंलगाई धुकिधुकिस
वधरनिपरीज्वालाकरलनाकरी मनोत
डितजलदनिरषिसुरतविरहिपरसी धा
ईसवनंदद्वारवैठेरथ्यदोऊअंवरलोटतजं
सुमतिभूपरनिठुरस्तपदरसी कौनमात
कौंनपिताभ्रातवहनजगतधानाराष्यौन॰
हिकलुनानानैकनेहनाहीं भ्रातरसुकुर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वठेरसनाहरिनामरटेसूरजनप्रभुकोमल·
ननदेषिचैननाही ॥१३ रागसोरठ जबही
रथअक्रूरबठे तबरसनाहरिनामभाषि।
कैलोचननीरबठे महरिपुत्रकहसोरल
गायौतकजैयौंधरनिलुठाई देषतनारिविच
सीठाटीचितपकेंबरकन्हाई पेंडीमैसूषटे
उमबनकौंमिलिवेअबधिबताई तनक·
हमेहरिमनजबतिनकेनिठुरठगोरीलाई
बोलतनहीरहीसबठाढीस्यामरंगीब्रज·
नारि सूरतरतमधुबनपगधारेधरनीके
हिनकारि ॥१५ रागबिलावल गोपालहिं
राषौमधुबनजात लाजकियेंकलुकाजन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मरिहैपलबीतेजुगसमान सुफलकसुत·
केसंगनदीजियेसुनोहमारीबात गोकुल
कीसोभासभजैहैबिछुरतनंदकेतात रथ
आरूढहोतबलकेसवहैआयोपरभात सु
रदासप्रभुबोलनआयोप्रेमपुलकसबगा·
त १३१५ रागगौरी मेरीवजनछानीनहींवि
दरविदरजाति हरिहिचलतदेषिसषीदा।
हीपछतात बिथमानबिरहसूलउरमैंस
मात कहतसुनतसमुझतसबचितवत
नलजात १ ज्यौंहुगनिपिहरतननकरु
हटैकरिघात स्यौंफिरिसमुझानसुरस
नसाभईपात १३१८ इतिश्रीभागवतेमह

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पुराणेदशमस्कंधेसूरदासकृतौऊनचत्वा
रिंशोध्यायः ३९ गोपिकाविलाप रागगौ·
री आजुरैननहींनींदपरी जागतगननगग
नकेतारेरसनारटतगोविंदहरी वहचितव
नवहरथकीबैठनिजबअक्रूरकीबांहग·
ही चितवतरहीठगीसीठाढीकहतनसक
तिकछुकामदही इतेमानव्याकुलभईस
जनीअरजपंथहूतेंनटरी सूरदासप्रभुत·
हांसिधारेकितकदूरिमथुरानगरी ॥१॥
रागप्रभावती कहाकरैंगोकोऊमेरो हों
तोप्रेमनेमनहिटरिहोंजगउपहासकरौं
वहतेरौ कोऊआगेपाछेमगफेरोकोऊ

सुनाइसुनाइनटैरी हौंतौमतिबुधिनाही ।
कालीहरिसंगखाडिकरौंनहिफेरी अबतौ
जियऐसीवनिआईस्यामधामनिजकरौवसे
रौं उहिरंगरंग्यौसूरमनमेरौवहुरिनहोतसे
तअरुपेरो ११८ रागविलावल हौंतौसांव
रेकेसंगजैहौं होनीहोइसुहोइभलैहौजस
अपजसनडरैहौं कहाविसाइकरैकोऊमेरो
रोकैप्राननाथजियटैहौं करिहौंसूरआज·
आपुनतनमिलअकासपियलैहौं ११९ रा
गविलावल वलनहूंनदेषनपाएलाल
नीकैंकरिहरिमुषनविलोकौंयहैरह्यौउर
साल रघवैदेजहरातैंदेषसंदरमदनगुपा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५५०
550

ल मींडत हाथ सकल गोकुल जन विरह वि-
कल वेहाल लोचन भरि रहे जल महि योंरहि
भई जलजाल सूरदास प्रभु फिरि नहीं चित-
यो अंबुज नैन विसाल ॥५२॥ राग सोरठ मो-
हन नैक वदन तन हेरौ राखौ मोहन नातौ जन-
नी कौ मदनगुपाल लाल मुख फेरौ पाछे व-
रौ विमान मनोहर वहुरौं व्रज मै होत अंधेरौ
विछुरन भेंट देहु ठाढे ह्वै निरषौं स्याम जनन-
कौ घेरौ समदेस घास्याम यह कहि कहि-
अपनी गाइ ग्वाल सब घेरौ न जैन सूर प्रान
दसरथ ज्यौं न रह्यौ कर जतन न चनेरौ ॥५३॥
राग धनाश्री केनक हर गायौ रथ माइ ने।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

दनंदनकेचलतसषीह्वांहरिकोंमिलनन।
पाई एकदिवसह्वांहारनंदकेनाहिरहन।
विनजाई आज्ञविधातामनमेरीकैभवन।
काजविरमाई जवहरिश्रेसोसांजकरतहै
काह्नवातचलाई व्रजहीवसतविसषम।
ईहरिसोंसलनउरतेंजाई सोवनहीसपनै।
कींसंपतिरहीजियहिसषदाई सूरदासप्र
भुविनव्रजवासिवोपकोपलनसहाई ।११। २
रागसारंग पाछेंफिरतनमेरेलोचनआगेप
रतनपाइ मनहरिलियोमाधुरीमूरतनका।
हाकरौव्रजजाइ पवननभईपताकाअंव
रभईनरथकेअंग छूरनिभईचरनलपटा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५५।
551

नीजानउहोंलोंसंग १ कह्मीसषीकहाय्र
वकीजैकवमिलहैगोपाल सूरदासप्रभु
निरषष्यकीसीस्वरफिपरीव्रजवाल ११२३
रागधनासिरी कानूथोंहमसोंकहाकहैया
निकसेवचनसूनाउसषीरीनाहीपरतरहैया
मैंमतिहीनमरमनहीजान्योभूलीमयुनि
दूलैया कीजैकहाकहोअवलैनिपिहूतनहूर
निवलैया सबैअज्ञानभईनिहिंडीसबका
हूरषनगलैया सूरदासप्रभुकृपालाजक
रिउसहिविषोगसहैया ११२४ रागविलाव
ल मोहिभवनमधानकलागतमाईस्याम
विना काहिजाउदेषोंभरिलोचनजसमम

निकेसंगना कोसंकटमहाइकारेवेकोमे
दैविघनघना लैगयीकरअक्रूरसोवरीव
जकोशनथना काहिउदाइगोदलैवेदेक
रिकारमनमगना सूरदासकेप्रभुविनस
घोरीसुषसेपनिसपना १२३५ रागविला-
वल विह्नरतश्रीव्रजराजश्राजइनिनेनाने
कीपरनीनगाई उडिनमिलीहरिसंगनिहि
श्रीमरहूनगाइसषिसपामभई रूपरसिक-
लालचीकहावतसोकरनीतोकछुनभई
सांचेकरिकरिलपलोचननतृषामीनछवि
छीनिलई अवकांहसोवतजलमोचतस-
मैगयेननमलनई सूरदासयाहीतेंजडम

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पपलकनपैदिजदगादई ॥२२९॥ रागरामः
कली सुनेनेदलालमधुपुरीजात सकुच
नकहनसकतकाहूसौंगुपतहियेकीवात
संकतवचनश्रनागतवानीकहिजगायेश्र
थयात नींदनपरतिवटतनहिरजनीक
वउदिपविनशात १ सुफलकसुतश्रेसें
कविन्हारीजलविनश्रेंवुजपात सूरदास
प्रभुसंगतैंविछुरेकौनकहैकुसलात ॥२३०॥
रागसोरठ सखीरीवहदेषौरथजात कम
लनैनकांधेपरडारेपीतांवरफहरात जव
लौंजातश्रोरश्रांषिनकेवचनरहितकृशा·
गात छितिपरकंपकनककदलीकडूंमें

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नोपवनविहात ।

स्नासरूपनीर

दरसनविभ्रमनोमीनजलजात १२१८ रा·

गमाहू जमुनतटआइअक्रूरन्हाए स्यामब

लरामकोरूपजलमैंनिरषिवड़ोरिरथदे·

षिताम्बरजपाये किधौंयहविपनप्रतिबिं

बजलदेषियतकिधौंनिजरूपदोऊहैस्नहा

ए चकितहैनीरमैंबड़ोरिडुबकीदईसहित

स्नानसिद्धनहांदरसपाए । दोऊकरजोरके

विनयइहिविधिकरीलियोजलरूपनवर

रितुराई निकसकैनीरतैंतीरआयोवहदरना

हिदिगवोलवोलेकन्हाई कहाहमस्त्रौरा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्तु
सा
५५३
553

देषतङ्कानतमकसैमवजगतनमङ्गी॰
भुलायौ गतितमारीनजानैकोऊतमवि
नागषिश्रञुगाषमैंसरनश्रायो २ हरिकसैं
चलौमथुरापुरीदेषियेमहितम्रक्रूरभुनि
तहाश्राय स्तरश्रुकियोविसरामनिसि
वसितहांवोयिम्रक्रूरनिजगृहपदायै २२ ५
गगमाकृ सवकोऊकहतनगपालङहाई
गोवसवेवनगाईववाकीसोमथुगानैश्राई
जवैगयौमोहनमकंसपुनिजियतमन।
ककरिलेषौ जागतसोवतग्रमारदिवस॰
निसकृत्सकलामवदेषौकरतम्रवजाय॰
जानोकसवनृपकीसंकनमाने टक्रूगाउ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नकेसबगिरधरकीसूरदासजनजानै ॥३॥

इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेसू
रदासकृतौचत्वारिंशोध्यायः ४० अथमथु
राकीसोभावरनन रागभैरौ भोरभयोजा
गेनंदलाल नंदराइनिरषतमुषहरषेपुनि
आपसबग्वाल देषिपुरीअतपरममनोह
रकंचनकलसबिसाल कहनलगेसब
सुरजप्रभुकोंहोइहरहांभूपाल ॥३॥ राग
मारू मथुराऐसीआजबनी जैसेपानिको
आगमसुनिकेसजतसिंगारधनी कोटस
नोकटकसीकिंकिनीपहिरेबसनसबरंग
भूषनभवनबिचित्रचित्रछबिसोभितसंद

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५५४
554

रंगा १ सुनतशवदरघरपारबोरमनपाइ
ननूपुरवाजै संभ्रमगतिचंचलश्रवलजि॰
मिथामनिधुजाविराजै ऊबघटनिपरखु।
निकीखविसीमफूलमतुफूले कनकक
लसऊचप्रगटदेषियतश्रानेदकेंद्युकीभूले २
विदुमफटकरचतपरनपरजालरंध्रकीरे॰
ष मानोतमरेदरसनकोसुषविसरेनेन।
निमेष वितदेखवलोकोव्रजसुंदरिग्रीपर
मरूवरूप सूरदासप्रभुकेसजीतकेहोऊ
इत्याकेभूप ।।३३२ रागकेदारा हरिवलसो
भनयाप्रतुहार सासिखरूसुरउटेभयेमा।
नोरोरूपकहीवार रुवालवालसवकरनऊ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नूहलगोपीपुरीमेंफार नगरनारिसबदे
खनधाईसुतपतिगेहबिसार १ उलटिअं·
गभूषनकोसाजनिरहीनदेहसंभार सूर
दासप्रभुदरसदेषिभईचकितकरनविचा·
र १२३३ श्रीमथुरापुरीप्रवेशासषीवचनप
रसपर रागगौरी होटाकौनकोयहरी ष्क
निमेंउलसमकराकृतकुंडलकनककुंडल
री चनतनस्यामकवलदललोचनचारुच
पलनलरी इंदुवदनमसकानमाधुरीअल
कैअलिक्रलरी १ उरमुकताकीमालपीत
पटमुरलीसुरगौरी पगनूपुरमनिजटित
कविरश्रतिकटिकिंकिनीहरी बालकवृंद

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५५५
555

मथुराजनतहैछबिनिरषतरहरी मोईमजी
वनसूरदासकेमहरहरेउरी ॥२३४॥ रागगौरी
टोटानेरकोहैरी नहीजानतिवस
तब्रजमैंप्रगटगोकुलरी यसोगिरवरवाम
करितिनिरिंहिंमोईहैयहरी दैनसवरनहीसेखे
वेआपभुजवलरी १ ब्रजघरनजोकरनचो
रीयानमाषनरी नेंदघरनीजाहिबांधीउ
जरफलरी सूरभीगनलैवनतेंआवतम
वैशनइहरी सूरप्रभुमपमवनिलाइक
कैसहुरइहरी ॥२३५॥ रागगौरी जसमति।
कोमनयहैकेन्हाई इनहीगोवरधनलि
योउठाई ईंद्रयस्योइनहिकेपाई इनहीकी

ब्रजबलनबढाई १ बकीपियावनइनहींश्रा
ई जोजनद्वैडपरीसुरकाई इन्हैंतृनालैग·
योउडाई पटकौहारसिलापरआई २ केसी
असुरकौंइनहींसंघार्यो अघावकासुरइ
नहींमार्यो स्यामबरनतनपीतपिछोरी
मुरलीरागबजावतगोरी ३ दृष्टिरूपबक्र·
तभईबाला ततकोमथनरहीतिहिका·
ला सूरस्यामकौंजाननतनीकैं भगनहोत·
मुक्तमुखजीकैं १२३९ रागगौरी पईमाध·
बजिनमधुमार्योरी मधुरीजनमथागागम
नगोकुलनंदडुलार्योप्यारोरी केसीबक·
असुरशीरधूतनाहत्योअघासुरभार्योरी ३८

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कोपकरिभरषनलागेप्रलयघ्रोषकोटालो
री १ केसराउउहिंरहांउलागोरवथोरंगअष
री सूरस्याममथुरापतिहूहूंमेरेजीयपा
तियारोरी ॥३॥ रागकान्हडा येटोऊवसुदे
वकेढोटा गौरस्याममतननीलपीतपटक
लहूंमनकेजोटा लैराषेव्रजनंदमषाकेव
लकवामउराई ममबलभपासिरानहूरा
देषेंव्रवप्रगटेहैंआई १ ऊंडलपकवामफ्र
तिनाकेमोरोहनीकोग्रंम उरवनमालदे
वकीकोमतजादिरुरनहैकंम प्रवकेमी
पुतनाकनावर्तलीलागुननिव्रगाय सूर
दासप्रभुप्रगटहेरनुषप्रभयकरनसूर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

साय १२३८ रागधनासिरी देविरीनेदङ्क
लकेउधारी मातपितउद्धरनउद्धरनव्रजउ
द्धरनधरनिउद्धरसिरमकुटधारी प्रेतउद्ध
रनप्रपनेभक्तउद्धरनदीनउद्धरनकुंडलन
धारी जगतउद्धरनतिहुंलोककेउद्धरन॰
बलद्धिउद्धरगपीतधारी १ पूतनाउद्धर॰
रनउजकुलउद्धरनतृनाउद्धरनमषवैज
धारी सकटउद्धरनकेसीप्रबलउद्धरनव
काउद्धरनगिरिधरधारी प्रवाउद्धरन
कुलगाइकेउद्धरनवृषभउद्धरनवनमा
लधारी वछउद्धरनपउवप्रलउद्धरनपउप
इप्रभजन्योपवीतधारी २ कालीउद्धरन॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सुर
मा
५५७

557

फनफनमर्दिनउद्धरनदवाउद्धरनश्रृंगम
लयधारी ग्राहउद्धरनगजराजउद्धरनप
ल्सिलाउद्धरनपटपीतधारी पेडुकलउद्धर
नद्रौपदीउद्धरनकामिनीउद्धरनलकुट
धारी सिंधुउद्धरनसीतानारिउद्धरनआप
गतजयकेउधारी २ त्रासउद्धरनप्रहलाद
केउद्धरनप्रवलनरसिंघअवतारधारी क
स्यिपउद्धरनहिरनाछकेउद्धरनवेदउद्धर
नवलिभुजाधारी धरमउद्धरनपईकरम
उद्धरनश्रुभसभयाकदकाछनीपीतधारी
सुरउद्धरनसुरलोकउद्धरनहरिकंसउद्ध
रनपईमयारी ॥१२३॥ राजकवंधवरनन

गगमाहु धनुषसालाचलेलैनेंदलाला सर्ष
लैसंगप्रभुरंगनानाकरतदेवनकोउनल
षसकतघ्याला नृपतिकेरजकसोंभेटम·
गमैंभईकलोटैवसनहमपहिवजाहीं वस
धनृपतिकेजासकोप्रजानमपववनकह
तमनउरतनाहीं १ एकहीसछकाशनतं
केगपलपसववसनकछुसषनिदीनो
श्रापदरजीगयोवालनाकोलयोसभगांत्रा
नेपउनविनैकीनो पुनिसदामाकल्योग·
हमसश्रतिनिकटकृपाकीविनहोंहरिचर
नथारे धोइपदकमलपुनिहारश्रागेधरे।
भक्तदैनामसवकाजसारे २ लिपेंवंदन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वङ्गरशापेऽकवजामिलीस्यामस्रेगलेपकीनो
नोवनाई गीकितिहिरूपदियौश्रेगासूयोकि
यौववनसुभभाषनिजगृहरूपदाई पुनिगापत
हांजहांथत्रुषवोलेसुभटद्दलसमनजिनक
गौवनविहारी सूरप्रभुक्लवतधनहूदयरनीप
स्यौमोरसुनिकंसभयौभरसमभारी ॥२८॥ इति
श्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेसूरदास
कृतेपकवनाविंशोध्यायः ॥२१॥ अथकुवल॰
लयापीडवध रागमारू नवलनंदनंदनरं॰
रहारनाथ नटितसीपीतपटकाछनीकस
करदिहयौरवंटनाकियैसुषमहाप निरध॰
यौहूपाजिनभयौमोईमगननामानपित ।

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कोपुत्रभावप्रायौ ब्रह्मपूरनसनिनपरम

स्नेहरतियनकालकौस्वरूपसुभटनिजजन

यौ १ फीलकौंदेषहरीकलौपुनिविद्दसि

पंथतैंटारिगजकौंमहावत दियौसटकार

उनथारिश्रुभिमानमनसूंउतैंदौरगलौता

हिप्रावत दंतजगवीवजगवरनभीतरनि

कसिजगवरनपूछगल्यौनाहिजाई महा·

करिसंकपैठतमहाउरगकौंमहावलगाढ

उज्यौंगहतथाई २ कवहूलेजानउनकव·

हूंल्यावतइतैंभ्रमतिष्याकुलभयौफीलभा

री गयंदज्यौंगयंदकौंपटकहरिभूमपरदे

नदोऊकलियेनिजकरउषारी फीलकेदंत

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५५५

५५९

तैंरुधरधारावलीरुपटछूटिवसनपरभई।
भारी केसरीचीरपरश्रवरमानोपरयौलेषतें
फागडारयौषिलारी २ फीलतनजशोनकौंग
यौनिरवानकौंसिद्धगंधरवजयजयउचारें
देषिलीलाललितसूरकेप्रभुकोनारिनरस
कलतनप्रानवारें १२५१ रागधनासिरी स॰
जनीपशुपालनंदकेसुनियतजनकोवड़ा
ई पसरूपनैंननिभरिदेषोपरमसुषदाई
सुंदरस्याममदेमपीतपटभुजवंदनवरावि
तकीने नटवरभेषधरेमनमोहनगाजज
गटमनकेंधधाविलीने १ नूपुरचारुचर॰
नकटिकिंकिनीवनमालाउरसोहै कर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

केकनमनिकंटमनोहरजुवतीजनजग
मोहै कुंडलश्रवनसरोजविलोकनकुटि
लअलकअलमाला चेदवदनश्रववतजु
जुअमीरसधन्यधन्यब्रजवाला २ चेटच॰
कोरस्यातचातकज्यौंअवलोकनसवभाए
सूरदासजदुकुलहितकारनमाधवमधु
वनआए १२५२ इतिश्रीभागवतेमहापुरा
णेदशमस्कंधेसूरदासकृतौहितौहिचत्वा
रिंशोध्यायः ५१ अथमलवधवरननरा
गमारू स्यामबलरामरंगभूमआए मल्ल।
लघकरूपसंदरपरमदेषिपुनिप्रबलवल॰
जानमनमैंसकाए गहोगजकुवलेया

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्नर
सा
५६०
560

हनेवद्रुगर्वतमजानिपरिहेभिउतसंगहमा
रें कालसेंभिउंहमकौननमवाप्रुरेपेहृदे॰
यरमरहियोविचारें १ स्नामचानूरवलसाम॰
म्रष्टकभिउसीमसोसीमभुजभुजमिलावें
वेंउनेगहतवेंरोरउनकोंगहतकरतवलख
लनहीरावपावें धरिपछारोउहेंवीरउहे
मल्लकोंहरिकरोहतेपनेदउहाई स्नरप॰
भुपरमलहिलसोनिर्वानपरम्नरनिस्राका
मजयफनिस्ननाई १८५३ इतिश्रीभागवते
महापुराणेदशमस्कंधेस्नरसागरकृतौत्रिच॰
त्वारिंशोध्यायः ४३ रागमारू कंधरंनधरें॰
रोलननरंगभूमवलहरी उजलमावलमरी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रलसतनभरतभरी हारेपेहनगयंदमास्यो थ
निउस्यौमुष्टकचानूरमलनमलसंघास्यो
जिहिजैसोजियविचास्यौतैसोरूपधास्यौ
देवकीवसुदेवजियकौसंतापनिवास्यो १
मलसुभटपरेफटककुसकौरिसांही दे
षियरूपराक्रमनवकंसजियविलषांही
देषदलनसुभयदानकृपनसरनराई जो
जिहिचितपसुसवैगोवरधनराई २ कंस
सनसुचेनभयौवजनलगेवाजा कहिसु
मीसगगनउहेसिद्धसरसमाजा सुभटरहे
देषतंहीताकैंदरवाजा सूरनंदनंदनगाए।
जहांकेसराजा १२८८ इतिश्रीभागवतेमहा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ना

सा

५८९

५८१

पुराणेदशमस्कंधेसूरदासकृतौचतुस्त्व-
त्वारिंशोध्यायः ४४ केसउल्हावन रागमारू
नवलनेदनंदनवंशभूषणराजैं श्यामतन।
पीतपटमनोंघनमैंतडितमोरकेपंखमाथै
विराजैं श्रवनकुंडलफलकमनोंचनचप
लावसकचदृगखंजनकमलदलसेविसाल
भोहेंसुंदरधनुषबानसमसिरतिलकके
सकेशविनगरेभृंगमाला १ हृदैवनमालनू
पुरवरनलालपरवलतगजचालसुरभुनविं
राजैं हंससमभुमानसरकुनकंजनूपुरभर
निरखभानंदकविहरविराजैं कलवसामा
रवाचूरभकपटकवीरदोककंधराजदं

नधारैं जाइपछुचेतह्नांकेसबैसोजहांगए·
सैसानप्रभुकेनिहारैं २ छालनलवारस्रा
मैधरीरहिगाईमहलकोपंथखोजततनपाव
न लानकेंलगैंगिरगयौसिरतैंमुकटकेस
गहिलैचलेहरिगहावत वाकभुजधारिति
ह्निवारदूरसनदियौवाकंमाथुधवहूंहाथ॰
लीनैं प्रसंवतनजिहानतिरवानपटकोग
यौविमलमतिभयौप्रभुरूपचीनैं २ दूध·
यहप्रङ्गपवरषाकरीसरनमिलसिहांगंथ
वजयफनिसनाई सरप्रभुप्रगमसहिमा
नकछुकहूपारनसुरनिकीगतनरनसुस
रपाई १२४५ कंसवधसंक्षमलीला गगास

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५८२
562

लार मथुराकेलोगनसतुपाये नटवरभे
षकछैनेदनेंदनसंगअक्रूरकेआये प्रथम
हिरजकमारमनमोहनगोपसषापहिराये
धनुषतोरलीलानटनागरनवराजषेलषि·
लाये १ रंगभूमसुष्टकचानूरहतिभुजवल
मारनचाए नगरनारिदैगारिकेसकौंग्रव·
कौंजहवनाए गारजनिमानसेषसहना
ईमाहरागावजाए गनगंधरवकोटनेनी·
सौंकोटिकसुंवरलाए २ मातलौकेंसका·
जभूपकीनैंउग्रसेनपेधाये मातपिताकी
वंदछुराईसूरदासजसगाये १२८९ रागमा
लार मथुरादिनदिनअधिकविराजे ते·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

जगतनायराइकेसवकेतीनलोकपरगाजै

पगपगतीरथकोटिविराजतमथिविहरै।

नसमाजै करतस्नानध्यानजमुनाजलजे

राजनसमभयभाजै १ मिलिहैसंतनकेसवा

सतैंब्रजकोवसबौछाजै सेवकसूरजानि

हैजाचैसुकृपानिनिधिविराजै १२८७ रागम

लार जयजयजगमस्थफरासुषकारी वक्रस

दरनरूपराजतकेसवजूकीप्यारी हाट

ककोटकशृंगराजतहीरारतनजरे मनिम

यभवनकनेंगसोहियैनवधाभक्तभरे १ व

रवरमंगलमहामहोत्सवहोरिसमानेलो

ग मथफमेवापकवानमिठाईषटरसव्यंज

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मा.
मा
५८३
563

नभोग हूयरहीकेटेरनिजननिनसुरमी·
सवैसुदेस अतिथमहासिद्वीथिनिवीथि
नसमनगृहेसिरकेस २ परमधामबैकुंठ।
तैंआगरश्रीवाराहवषानी भक्तमुक्तकेवा·
जनवाजैंक्रीडनसारंगपानी नीरथसकल
मथपुरीसेवैंसुरनरमुनिजनआवैं सदाश्री
नहितकोंनविराजैंनारदादिगुनगावैं २
अषिलभवनकीसोभामथुरामहिमाकही
नजाई धनिधनिमथुरापुरीसिरोमनति·
जमषकरेवडाई अगातनकोगतिश्रीमथु
राहरिदरसनकीरजथानी मथुराल्लाइअ
ननरनिकरियेयातैंओरनहानी ५ मथुरा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

निकटकहूनहिंदेषैंतेमनमेंदुखभोग ज
ननीबोफलहूथाकननारीजमकेकागदद
गे निसषपकमघफराकेवासीजननीज
हरनआवें जेवडभागीरहेंनिरंतरतिनको
कौनचलावें ५ मथुरासरनसदामोहिरा
षोविननीकरौंसदीजे सूरदासहारेकुल॰
रावेकमलचरनरतिकीजे १२४८ इतिश्रीभा
गवतेमहापुराणेदशमस्कंधेसूरदासकृ
तौपंचचत्वारिंशोध्यायः ४५ रागबिलाव॰
ल उग्रसेनकोंदियोहरिराज आनंदमगा
नसकलपुरवासीचोरकुलावतश्रीब्रजराज
आनंदमगनसकलपुरवासीचोरकुलाव॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५६४
564

जहांतहांतेंजादवआयेकेसइरनजेगापप
नाइ नगरलोगसकोरनगावैंजयजयश्री
जादवनाइ १ जगगुरगविरद्‌यहैवलिआ·
योभयेवलकेहारैंअतिहार सूरदासप्रभु
अजअविनासीभक्तनिहेतअवतार १२८ ४
नंदज्‌कोविदाकरन विलावल नंदविदा
हूंहोषसिधारो विछुरनमिलनरच्योविध·
धिऐसोयहसंकोचनिवारो कहियोजाइ
जसोदाआगेंनेननीरमतिधारो सेवाकरी
जानसतअपनोकारिअतिपालहमारो १
हमैंतमैंअंतरकछनाहींमनमैंज्ञानविचा
रो सूरदासप्रभुयहैवेननीउरजिनप्रीतवि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

गौ १२५० धनासिरी जाइचोषकौंह्लोनंदवार
जहांहमरहेतहींहमतमेरेजिनडारोविसरा
इ तमजाकियोप्रतिपालहमरोसोनहिउर
तेंजाइ हमैंतमेंसनपितकोनानोवीचपर्यो
हैआइ १ मातजसोदासवालसषासववामिली
योकंदलगाइ सिहमसमाधसोधसोधकरदे
षोमेरेगुननिरानाइ मायामोहमिलनअरु
विछरनयेमेंहीजगतसिराइ सूरदासप्रभु
निठुरवचनकहिनैनप्रवाहवहाइ १२५१
नेरवचन देवगंधार मेरेमाघेराषोवरन
दीनदयालकंसदलभंजनउग्रसेनडरहर
न परमसदिनवसदेवदेवकीकेगएपाइ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५६५

565

नपरन मेरोदोसमेटिकरिनागरलैचलौगो
झलधरन १ तेजनपारभयेमनमोहनजेश्र
येनवसरन पईसूरदासकेजीवनभवजल
नौकानरन १२५२ बिलावल तुममेरीप्रभु
नावङ्गनकरी परमगंवारग्वालपसुपाल·
कनीचरसालेउँवैधरी छोषदोषसंतापश्रा
पदाप्रगटहोतहींसबैहरी श्रष्टसिद्धिनवनि
द्धश्रौरसबकरजोरेंमेरेद्वारषरी भवनचतु
रदसतिहूंलोकमेंवेदपुरानमहीपरी सू
रदासप्रभुश्रपनेजनकोंदेनपरमसुषचरी
चरी १२५३ रामाधनाश्रिरी गोपालराइहोंन
चरनतजिजेहों तुमेंछांडुमेरेछ्रानमग·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नमैंकहाजाइब्रजलैहौं पूछैंनेकहाउमर·
दैहौंजबमनमथहूहैंसैहू प्रातसमैउठितेरी
जननीकाहिकलेउदैहै १ कनहमकाजम
हारिप्रमारेकनआपदाविनासी छाडिनदि
योकमलकरनैगिरिदविमरनेब्रजवासी
वारहवरसदईमोहिनवनिधिनवप्रतापन
हिंजान्यो ग्रववसदेवसनग्रगटभपनम·
गरमवचनपरवान्यो १ वासरवनवालक
संगलीनैंदेरिनधैनुचरैहो केसैंप्रानरहैंवि
नदेषैंजोसंध्यानहिंसैहो ग्रवनमराजक·
रोकोटिकजगमातपितासषदैहौ कवहूं
कनानतातमेरेमोहनयामसमोसौंकैहो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५९९
566

ऊर्द्धउसासचरनगतिथाकीनैंननिजलनर॰
हाई सूरनंदविछुरनकोवेदनमोपैवरनीन॰
जाई १२५४ रागसारंग कहीउदिमाधवइतनी
बात तुमतौकरीहमारीसेवावदलोदियौन॰
जात पुत्रहेतप्रतिपालकरीतुमजैसेजननी॰
तात गोकुलवसतहसतषेलतमोहिदिवस
निजानौजात १ होइविदाघरजाइगुसाईंम
नैरहियौनात दाटोथकउनरनहिआवेलोच
नजलनसमात भयमतिहीनदीनतनकें॰
पतिन्यौंवघारवसपात फकफकानहियें
वदनसूरनवनंदवलेचरनात १२५५ जसोप
वीनउतमव विलावल वसदेवकुलव्योहा

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रविचारि हरिहलधरकौंदियौजनेऊकरष·

ट्रसजेवनारि जाकेस्वामउसामसलेनहीग्र·

गटभयेफ्रनचारि तिनगायत्रीसुनीगरग·

मुषग्रंग्रगानिश्रुगामसुपार । विधिसौंयेज्ञ·

दईवद्रविप्रनसवरनसहितसुलेकार जेऊ।

ऊलभयौपरमकौतहलजहांतहांगावति·

नरनारि मानदेवकीपरमसादितहूँदेतिनो

छावरचारि सूरदासकीयहैआसकाविर·

जियोनंदकुमारि १५९ नंदव्रजप्रागमन

कविस विलष्यौमुषदेषिजसोमतिकोवर

यैदतनंदकीदीदिलजौंहीं॥उरीसुऊलाइद

ही उरीसुऊलाइहहीउपरीजकहीपतिमें

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

वतियाकरकौंही नेरेभरोमैरहीरेग्रहीरमैं
ग्रेतकरीजवरैग्रहिरौंही मैंसुनिकौंनऊमे
ऊकियौजरहीचरमेंगगाईकिनहौंही ॥२५७
जसोदावचन रागकेदारा यहमतिनोहिने
दकर्यौंछाजे हरिरसविकलभयोनहीतिहि
छिनकपटकरोरकछुनहिलाजे रामक्रु
सवित्रुकौंव्रजआयेछातियानिठुररहेकौं
साजे करहाग्रकाजभयौदशरथकोजीतिग
यौवरग्रपनेवाजे ॥१ बातैंवैरहिगईकरइन॥१
कौंतेंजगरलोकहौंकिहिकाजे ॥२५८ राग
कान्हरा उलटपगकैसैंदीनेनंद छाडेकहै
कैसेंसुतमोहनाथिगजीवनमतमंद कैत

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मथनजीवनकेमातेकैन्नमछूटेचंद सफ

लकसुतनवैरीभयोहमकौंलेगयोश्रानंदकं

द १ रागमल्लारविनकेसैंजीवनज्यौंपस्यौफं

दगयेचंद सूरदासहमभयेश्रभागेनमविञु

गोकुलचंद ११५५ रागसोरठ जसोदावार ।

वारयौंहूकै फूटनिगईनमारीवारीकैसेमा

रगसूकै इकनोजरतहमोननपहिलैंश्रव

नमटीनोफूंक पियगन्हानीमेरेकान्हूकुंवर

विनुफटिनगईहेहूकि १ पियगनमथियाप

चरनप्रहोपनम्रहैंववनउरिपाप सूरजर्द

सकानन्हाइकीदेनवधाईश्रायी ११९० मा

लाव टोकडटोनागोकुलनाइकमेरे काहे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सुर
सा
५६८
568

नेदन्धारितमस्त्रायेप्रानजीवनधनकेरे जि-
हिविद्धरेवहूतेडुषपायोरोरपत्यौइहिंषेरें
गोस्तनगोपफिरतहैंदडूदिसकौंनचरावत-
वैं १ सुनीनकथासमदसरथकीप्रानना-
जेविनहैं सूरनेदसौंकहतजसोदाप्रवल
पापसवनेरे ५६८ रागसुड़ाना कहाल्यायो
तजप्रानजीवनधन रामकृसकहिसुर-
फपरीधरव्याकुलभईजसोदागुनगान वि
थमानहरिवचनश्रवनसुनिकेमैगापपद्धा
डिप्रानधन सुनीनकथारामदसरथकी
प्रहीनलाजभईतेरेमन १ मेरहीनमनिम
यौनंदप्रतिरोनकरापल्लनानेल्लिनल्लिन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ल माईमेरोग्वलनीकोनंदनंद कह्योविसा।
रिनंदनमग्वायेपोवकियौमतिमंद वलमा
धवदोऊयाव्रजमैंतैंगपग्वानंदकेकंद सर
वरचोषऊमदिनीव्रजजनकान्हवदनभ·
यौवंद सवमिलिचरनगह्योवसुदेवकेह्य·
घज्योरगलवंद स्वरदामप्रभुवोगपदाव।
ऊसकललोकमतिवंद ११९८ विरहप्रवा
हजसमतपग्वाताप रागमारंग इहितुरव
ऊरनगोऊलग्वाप सुनरीसखीह्मारीक
रनीसमुकिमथरुगरीक्याप ग्रुयगानक·
नैंउदिमववालकमहिरैगेग्वार मातपि
तामोकांपदवैंगोवनाहिचरावनगाइ १ सु

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५८५

569

नेभवनग्रानिरोकैंगेहथिचोरतनवनीत पा
कविजसोदापैलेजैहैंनाचोगावोगीत ग्वार·
निमोहिवङ्गरवांधेंगीवङ्गतकवचनसुनाइ
पउषसूरसमकमनमोहनवङ्गरसहैकोर्ज
३ १२७ रागनट मेरेकान्हकंवरविनुसवस
वहथियसोईरहै कोहरिश्रारकैरमाषन।
कैंकोनितमथनिगहै सूनेभवनजसुम
तिदादीसदादीस्वामिरिस्वामिरिग्रनसलस
है वरवरचोषमथनितनितगोरसकोऊन
उरहनोश्रानकहै १ धाव्रजमैंश्रानेंदकंदके
रैघनकौंसवजगरुसहै सूरदासप्रवस्या·
मविनावृजकोरीकैंनलहै १२८ रागसो

म्रनेद्रफिरिजाइमधफुग्रील्यावइमनक
रिकोरिजतनपन ११९१ रागकल्यान नै
द्रहरितमसोंकहाकह्यौ मुनिमुनिवचन
स्यामसुंदरकेकैसेंहृदैरह्यौ कैसैंछाडिव
लेतमउनकौंधाइनवरनगह्यौ दृगकिनग
हेवज्नकीछातीकैसेंमूलमह्यौ १ मुरति
करतवामुषकीबातैंनैननिनीरवह्यौ सु
थिनरहीसुतिगालितगातभयोमनोउसग
यौसुह्यौ उनैछाडिसुायेहूंदावनप्यारोहू
घरह्यौ नजैनश्ानसूरदशारथलौंहोतो।
ज्ञनमविधौ ११९३ रागकल्यान सवाहियै
तेरोनंदहियौ मोहनसेमनछाडिमधुफ

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५७०
570

करीगोकुलग्राइजियौ कहाकहौंमेरेकंवर
लाडलेजवनहविहाकियौ जीवनधानहू·
मारेव्रजकोवसुदेवछीनलियौ १ रहौसुक
रमोवपविहारीवरजनगवनकियौ सूरदा·
समानकमनमोहनलैपरहाथदियौ १९८४
रागकान्हरा नंदव्रजलीजैठोकवजाइ देहु
विदामिलिजांहिमधपुरीजहांगोकुलके·
राइ नैंननिपंथकहौकौंसूफ्यौउलटिदये
जवपाइ रकपतिरसारथकथासुनीहीव·
सिरतेगुनगाइ १ भूमिमसानवदनयहू·
गोकुलमनोथाइकैथाइ सूरदासप्रभुपा·
सैनाइहमपीवहरूपसुवाइ १९८५ विलाव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

२८ कहाहोंवैमैंईमोरिजैहों ३ हिओंगनगो।
पाललालकोवड्डरनकानियालैहों कववर
मषवड्डरौंफिरिदेषौंकववैसोमषपैहों क
वमोपैमाषनमांगेगोकवरोटीपरिदेहों १
मिलनश्रासमननश्रानरहनहैंदिनदसमार।
गवैहों जोनहीसमरश्रारहैंकान्हरजाइजमन
जलवहहौं १२८१ जसमनिसंदेशश्रीकृस्न
प्रति सारंग जहांपिमनसमफावनलोग
सूलहोननवनीनदेषिमेरेमोहनकेमष।
जोग ग्रानकालउठिमाषनरोटीकोविनमां
गेदैहै ग्रवकोमेरेकुंवरकान्हकोविनवि
नमेकमलेहै १ कहियोपथिकजाइवरि

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

स्वर
सा
५७१
571

श्रावद्दरामकृस्नदोऊभैया स्वरस्यामकुतद्दो
तद्दुषारीजिनकीमोसीभैया १२७० जसोदाके
संदेशदेवकीप्रति रागसोरठ संदेसोदेवकी
सोंकहियौ हौंतोधाइतिहारेसुतनकीमयाक
रतहीरहियौ जदपिप्रकृतिजानतिह्वोहरि
कौतऊमोहिकहिआवै प्रातहोतमेरेलाल॰
लडैतेमाखनरोटीभावै १ औरउवटनौतेल॰
तातजलचसौदेखिभजिजाते जोईजोईवा॰
हततेदेतसोईसोईकमकरिन्हाते स्वरपथि
कसंदेसोनिसदिनवाछोंहेउरसोव १२७१
सोरठ जोपैराषतिहौपहिचान नौदोऊवा॰
लकमोहनस्वरतमोहिमिलावद्दप्रान न॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

मरीवसुदेवगोहनीहमअहीरब्रजवासी प
हैरेंडूमेरेलाललईनेवारौंऐसोहांसी १ भ·
लीभईज्यौंकंसनृपमासौंसुरमनकाजकि
यौ अवरहिंगाइनकौंनवरावैभरिभरिले
तहियौ षानपानपरधानराजसुषजोको·
ऊनाडिलउावै तदिपमेरेवारकन्हैयामाष
नहींसुषपावै १२७२ पथिकवचन सोरठ
हौंतोगोकुलतैंआई देवकीमाईपागलन·
हौंजसुमतिमोहिपठाई तुमकौंमहरीज·
हारिकह्योहैपालागनेनंदनारी मेरोहोतो
रामकृसकौंभेटोभरिअंकवारी १ औरोपा।
कसंदेसकह्योहैकहीततमैंसुनाऊं अव·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५७२
572

कीवेरनमोरेहनकोकैसैंदरसनपाऊं ना
मजननीजगप्रगटसूरप्रभुहमइनकोहैथा
इ करौक्रुपावारकइहिनातेजीवैंदरसनपा
इ १२७३ गोपिकाकोविरहप्रवेस मलार ह
रिबिछुरतनफाट्यौनहियौ भयौकठोरबज्र
तैंभारीरहिकैपापीकहाकियौ सोरहला
हलसुनरीसजनीतिहिंओसरनपीयौ मन
सौंपिगईसंभारनतनकीलैअक्रूरगयौ १
कछुनसुहाइगईसुनिजबतैंभवनकाज
कोनेमलियौ निसदिनरटतसूरकेप्रभुकौं
मर्यौनजाततजियौ १२७४ मलार मोकौंमाई
जमुनजमहैरही कैसैंमिलौंस्यामसुंदर॰

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कोवैरनिवीवरह्री किनकवीवमघफराग्र
ह्रगोकुलग्रावनह्रविज्ञनह्री ह्रमग्रवलाक
छुमरमनजान्मोवलतनफेंटगह्री १ ग्रवप
छुनाननउघपावतजानिनवानकह्री सूर
दासप्रभुह्रमारिह्रमारिगुनदिनदिनसूल
सह्री १२७५ रागकेदारा मेरेनैनाविरकीवै
लिवई सीवतिनीरनैंनकेसजनीमूलपर्त
गई विगसतलताह्रभाइग्रापनेछायास॰
घनभई ग्रवकैसैंनिरवारौंसजनीसवतन
पसरछई १ कोजानैंकाहूकेजीकोछिन॰
छिनह्रोतनई सूरदासस्वामीकेविछुरैंला
गीप्रेमजई १२७८ धनासिरी मनकोऊप्रीत

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५७३
573

कैफंदपरै सोरहूपानदेषिमनमान्यौंपैषेषा
नहूसै देषिपतंगकर्मकहाकीनोजियको
त्यागकरै अपनेमरवेतैंनडरतहैपावकपै
दिजरै १ औरसनेहीनोहूवनाऊंकेतनकपे
मथैरै सारंगसुननतनादरसमोहौमरिवेतैं
नडरै जौंचकोरचंदकोंचाहतजलविनमी
नमरै सूरदासप्रभुसौंप्रेमकरीमिलैतनकं
जमरै १२७७ रागसारंग प्रीतकरिकाहूसु
घनलह्यो प्रीतपतंगकरीदीपकसौंआपुन
प्रानदयौ अलिसुतनिप्रीतकरीजलसुत
सौंसंपुटमांफगह्यौ सारंगप्रीतकरीज्जुना
दसौंसनमुषवानसह्यो १ हमजोप्रीतकरी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

माधवसौंचलतनकछूकसौ सरदासप्र·
भुविनडुषपावतनैननिनीरवसौ १२८
देवगंधार कान्हैगिरिधरहोपीठदईहैमोसौं
नमकौंपीठभावतीदीजोग्रौरकहाकहि·
कौसौं मिलिविछुरेकीपीरसषीरीनामसि
षापहिचानै मिलिविछुरेकीपीरसषीरी।
पयपानीउरग्रानैं १ मिलिविछुरेकीपीर
कठिनहैकस्यौनकोऊमानै मिलिविछुरे
कीपीरसषीरीविछुरस्यौहोइसजानै विछु·
र्यौरामचंद्रश्रुकटदसरथप्रानतजेछिनमा·
ही विछुरेपाननसोवरहूकेश्फिरिनलगोउ·
ठिरांही २ विछुरेहैंसकाश्वटहीनैंफिरन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५२८
574

वसेघटमाही मैग्रपराधनविछुरीजीवनवि
छुरेजीवतनाही नारदुकरेरामीनजलवि
छुरैंहोइकीटजरिपेहा स्यामवियोगनिस्रा
तिहिमखीरीभईसांवरीदेहा २ गरजिगर
जिवादरउनिग्रायवरषनहूंदनिमेहा सूर
दासप्रभुकैसेंनिवहैएकग्रोरकोनेहा १२३ ६
रागमलार प्रीतनोमरिवोहूनविचारै निर
षपतंगज्ञातमनलवद्धोइकटकनेहनटा
रै नादविनोदमारंगमनमोस्योग्रगटपार
धीमारै सावनमासपपीहावोलतपियपि
यकरजप्रकारै १ प्रीतज्ञानिजैसैंपैपानी ३
ज्ञानिग्रपनपैजारै प्रीतज्ञानिजननीसुत

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

कारनदेहूआपुनीजारै जैसैंपरेवाचटनग
गनकौंगिरतनआपसंभारै सूरदासकैसें
हमजीवैंविरहीलोगविचारै ॥२८०॥ रागासा
वेरी मधुकराकेडुमदीसतन्यारै हांहैंस्याम
हमारेशीतमचितवतलोचनहारै येतौहूर
संदेसोउरलभस्मनियतटेरपुकारै समर॰
तिभजतसांवरीसूरतचितैवानसममारै ॥१॥
हरिविनुसवपावतनाहीश्रवणरवपापह
मारै सूरदासप्रभुकेदरसनकौगाननविर॰
हावननारै ॥२८१॥ धनासिरी नैनसलोनेस्यं
मदरहिंकविआवेंढूगो वैजदेषियनरानी
रानीफूलनफूलीडारि हरिविनुफूलफरे

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५७५
575

सेलागतकरिकरिपरतसंगार फूलनवीन
नजोवसषीरीहरिविज्जुकेसेफूल सनिरीस
षीमहरिरामउहाईलागतिफूलविमल जव
मैंपनघटजोवसषीरीवाजमनाकेतीर भ॰
रिभरिजमनाउमउचलतहेइननैननिके ।
नीर २ इहिनैननिकेनीरसषीरीसेजभईव
उनोउ वाहतिहोंनाहीपरचढिकेहरिजूके
टिगजोउ लालपियारेप्रानहमारेरहेयुथ
रथरयाउ सूरदासप्रभुकुंजविहारीमिलत
नहीक्योंथाउ ११८२ रागसारंग यहजियह
वसैपेजरही सनरीसषीस्यामसंदरहम
वहूवनवांहिगाही स्रववेदिवसवद्नरकाव

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

हूहैंग्रैसैंजानसही कहांहैकान्हकहांहैंब्रव
हमकौंनवयारवही १ कासौंकहौंकहत·
नहिआवैहिरदैसूलसही जोकछूइतीहां।
मारीहारकीहारिकेसंगानिवही ३तीकह
नहीहिलकीलगीगोविंदगुननिदही सूर
दासकादेतरवरज्यौंदाहीरटतरही ४८३
धनासिरी देषिसषीउनहैवहवहगांव ३
हांब्रवैव्रजराजवसतहैंमोहनमधुरानांव
कालिंदीकेतीरकहतहैंपरमसनोहरठां।
व जोननपंषहौंहिरीसजनीब्रवहिंउहांउ
ठिजांउ १ होनीहोउसदोउसषीरीउहांब्रज
नहिषाव सूरनंदनंदसोंदिनकरलोगन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५७६
576

कहांडगोंव ५८४ रागसोरठ कहींदिनपे॰

मैंहौंजबजैहैं सुनिसषिमदनगुपालआ

गनमैंग्वालनिसंगनखैहैं कबहूंजानग्व॰

लिनजमुनाकेवड़विहारविविधषेलन सु

रतहोतसुरभीसंगआवतपइपगाहैंकरके

लत १ सुङमसकानआनराधोपियवल॰

नकहौहैआवन सूरसुदिनकबहूंतोहै॰

हैमरलीसहसुनावन ५८५ रागसोरठ

लोगसबकहतसहानीवातें कहतेंबनत

करतनहीआवैसोचरहितहैंतातें कहत॰

आगंवंटनसीसीरीसतीजानिउमहै सस

वारतानीग्रकसीरीपाछैकौंनकहै १ कह

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

तसवैसंग्रामसूरामहैऊसमलनाकरवार

सूरजदाससीसदियेंपाछेंकौनकहैव्योहार

१२८८ धनासिरी कहौंरीजोकहवेकीहोइ

प्राननाथविछुरेकीवेदनऔरनजानैकोइ

ज्यौंज्यौंअधरसुधारसपियपियरहीसगानस

घजोइ जोरससिवसनकादिकदुर्लभसोर

सवैटीघोइ १ कहाकहौंकछुकहतनआवै

सपनैंसाभयोसोइ हमसोंकटनभएकस

लापतिकाहिसनाऊंरोइ विरहिविथाअंनर

कीवेदनसोजानैजिहिहोइ सूरदाससघ·

करनमनोहरलैजगयौमनगोइ १२८९ सो

रठ हरिजहमसौंकरीसजनीमीनजलकी

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५७७
S77

प्रीत किनकहूहिरयालमाधवञवायिगाईवि
नीत नरफिनरफिउनञानहीनेप्रेमकोपर॰
नीत नीरनिकटनपीरपूछ्नगाईविधानन
वीत १ चलतहूहिहमसोंकह्योहमआइहैर
नजीत सूरश्रीगोपालकीनीसवैउलटीरी
त १२८८ रागकल्यान प्रीतकरदीनीगरैंछु
री जैसैंवधकचुगाइकपटकनपाछैकरत
चुरी मुरलीमधुरचेपसुरकोंपोमोरचंदट॰
टवार वंकविलोकनलगीलोभवसमकी
नपंषपसार १ नरफनञ्जाइगायेमफवन
कोंवडूरोंलईनमार सूरदासप्रभुकलपत
रोवरवडूरनिवैठेझारि १२८९ रागमलार

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

श्रवनोंग्रेसेंहैंदिनमेरे सुनरीसषीयहदो·
सनकाह्नहरिहितलोचनफरे मृगमदस
लयकपूरकुमकुमापसवसतपनवेरे मंद
पवनसासिऊसमसहूकोमललागतसवै·
करैरे १ जिहिकोकिलामोरवानककोंश्र
वनदियेवमेरे लेईरटनरहतनिसवासरव
रजेरहतनमेरे जेदुमसींवसींवश्रपनेकर
कियेवदाइवडेरे मानोसूरतेईगिरिवरभये
इहिनैननिमगाढेरे १२५· रागमलार मानें
माईसवनियहेंहोभावत श्रवइहिमंदेस·
नंदनंदनकेकोऊनसहूसनावत धरन·
नडुमनवपत्रफूलफलपिकवसंतनहि·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५७८

578

गावत सदननसरसरोजअलिगुंजनपव

नपरागउड़ावत १ पावसविविधिवरनवा

दरहैउमड़िनभघंवरसावत दादुरमोरको·

किलाचातककोलनववचनउचरावत स्योई·

प्रगटनिरंतरनिसिदिनिमिलिकरिविरह

वढावत सूरपीयव्रजनाथनजानतकौंस

रवतकहावत ११६१ रागकेदारा सषीरी·

हरिप्रावैकिहिंहेत वैराजानमथवालवि·

लावनयहैपरेषोलेत ग्रवसिरकनकछत्र

राजतहैमोरपंघनहींभावत सनिव्रजरा·

जपीरदैवैरतजउकुलविरदबुलावत १

द्वारपालअतिपौरविराजतदासीसहसग

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

पायमोकुलगाइउहतउषकौंलोंसूरसही

इकवार ॥२॥ रागमलार सषीरीवातक

मोहजिवावत जैसैंरैनरटतिहीपियपियतै

सैंहीयहगावत श्रुतिहिसकेंटरेतप्रीतम

सषनाहजीभनलावत श्रापुनपियतस

धामरश्रसूनवोलविरहिनीप्पावत ॥१॥ य

हपढीजसदाइनहोतोश्रानमहाउषपाव

त जीवनसफलसूरताहीकोकाजपराप

श्रावत ॥२॥ रागमलार हमारेमाईमोरावे

रपरे वनगरजतवरजेनहिंमानतत्योंत्यों

रटतषरे कारिकारिप्रगटपंषहरिउनकेले

लैसीसधरे याहीतेनवरटतविरहनकोमो

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५७९

579

हनऊीटकरे सोभासहश्रवननैनैनिमैनिस·
टिनरहतिश्चरे सूरदासपरटेसवसेहरियेत्र
जतेनटरे ११५४ रागसारंग कोऊमाइवरजे
रीझनमोरनि रटतिपपीहाल्विननरहाईरो
नविरहकीझोरनि चमकनचाक्रिनवहूटि·
सदामिनिश्रेवरषनकीघोरनि वरषनवूंद
वानसमलागतिकैयोंजीजैइहिंजोरनि १
हरिसुषवेटविनाश्रविलोकेंन्रूपतिननैंन
चकोरनि सूरदासहमनवहीजीवैंमिल
हैंनंदकिसोरनि ११५५ रागनट रहुरहुरे·
विहंगमवनवासी तेरेवोलनरजनीवाट
तश्रवनमननानिहरानासी कहाकहोंको

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

ऊहिलनाहीइकचंदनग्रकचंदनरासी स

रदासप्रभुजोनमिलैगेलैहोंकरवनको।

सी ११४८ रागकेदारा विरहनजरीरेनक

नजारन रेपापीपरदोषपपीहापियपिया।

करिस्रुधरातचुकारन करीनकछुकरन

नस्नभटकीमूढमनगस्रवलनिसरमारन

रेसरनजसनावनश्रीरनजाननननहीस्रप

नेजियश्रारन । सवजगासपीउषीनहरि

विननऊनउरकीविथाविथारन ११५०

रागसारंग सारंगास्या महिसरनकराऊ

पीदेहोंहिजहानंदनंदनउचैटैरिसनाऊ

गाईग्रीषमवरषारितिश्राईसवकाहमन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५८०
580

चाऊ तुमबिनब्रजबासीसबद्वैसेज्यौंका।
रियाबिननाऊ १ तुमरोकलौमानहूँमोह
नचरनपकरलैधाऊ ध्रवकीबेरसूरकेप्र
भुकौंनैंननिरखनदिखाऊ १२९८ रागमला
र मधुवननमकौंरहिनहूरे बिरहबास्या
मसंदरकेराढेकौंनजेरे मोहनबेनवजा
वततमतरसाषाटेकधरे सोघावरधूरज
उजेगामसनिगानध्यानटरे १ वहिविनव
नितूमननवरनहैफिरिफिरिपछपरे
सूरदासप्रभुविरहदवानलनषसषलौंन
जरे १२९९ रागसारंग सूरतजबहोनहैंवे
बात कठिनगारवेदनकीपीरामनजा·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

नैकैगात रोकैंरहैनहींउरअंतरकहैंकही
नहींजात यहैरीतहैउरगावंहूंथरहराईंवन
ननघात १ याहीभांतिसकलवनवीथन
वीतनिहैदिनराति सूरदासहरीकेमिलवि
नुरैंसुमरिसुमरिपछतात १३०० रागमल्
र सषीरीपावसमैंनपलानो पापींवीव॰
ईरअभिमानीसुनोगोकुलजान्यो दसहूं
दिसासधूमदेषियतकंपतिहैश्रतिदेह
मनोचलनवनरंगचमूमनवादीहैषुरषे
हूं १ बोलतमोरसैलवादिदुमपिकउडन
पताकाऊरैं मत्तुसहियाफरहरापिरा॰
वनभाजनकहतघुकारैं गरजनगगन

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

गायेंदुगुजातरनदलदाउरदलकारि सूरस्याम
अपनेयाव्रजकीलागतकौंनगुहारि ५८१
रागमलार मैसैंबादरनादिनआयेजादिनस्या
मगोवरधनधास्यौ गरजिगरजिघनबरषन
लागेमानोसुरपतिवैरसंभास्यौ सबैसंजोग
जुरेहैंसजनीवाहनहूदकारिवोघडजास्यौ अ
बकैमानदिवसकोराषहुरगधौव्रजकोरष
वास्यौ १ जबबलरामहुतेयाव्रजमैंकान्हू·
भैरनभैसोडास्यौ अबयहभूमभयानक·
लागतबिधनाकैंसबहरिअबतास्यौ अब
घरसूरतनकरेकोरहमरीयाव्रजमैंकोऊना।
हिहमारो सूरदासप्रतिविकलबिरहनी·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

गोपिउपिछलौउमसंभासौ १२-२ रागके
दारा नैनाग्रवलागेपछलान विछुरतउम
गनैंनभरिश्रायेग्रवनकछुग्रवसान नव
पलपलकनश्रीनवदावतग्रवसभपवि·
खपान ग्रवलौपीतकरीश्रानरहैसमकी
कछुग्रजान १ ग्रवयहकामरहतनिस·
वासरनाहीमेरीश्रान भयौविसेदमफग·
रीहमकौंकैसोंहूहोतनजान श्रतिचटपटी
हेहोईचाहतग्रवलागेग्रझलान सरदा·
सग्रभुरीनङषितभयेलैनगयेतनप्रान
१३-३ रागमलार वितवतहीसफवनदिन
जान नैंननीरपरननहीसजनीसनिस·

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

सूर
सा
५८२
582

निवानननमनअकुलात अवधभवनदेषि
यतस्तनैधाइधाइहमकोंअजषात कौन·
अतीतकहैमोहनकोजिनल्याइनिजजन
नीतात १ अनदिननैंननपनदरसनविन
हरदसमानदेषियतगात सूरदासस्वामी
केबिछुरैंऐसीभईहमारीबात १३०४ राग
मलार वइगैगोपालमिलैंसषसनेहकी
जै नैंननिमगनिरषवदनसोभारसपी·
जै मदनमोहनदिषदेहुसषोरआसदीजै
पोरनपलकअरिषनकोदेषिदेषिजीजै १
मानछाडिप्रेमभजनअपनोकरिलीजै
सूरमोईसभागानारिजासोंमनभीजै १३०५

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

रागमलार हमकौंसपनेहूंमैंसोच जादि
नतैंबिछुरेनंदनंदननादिनतैंयहलोच म
नोगुपालआइमेरैगृहहंसिकरिभुजागही
कहाकहौंबैरनभईनिंद्रानिमषनऔररर १
ही १ जउचकईप्रतिबिंबिदेषिकैआनंदैः
पियजान पवनकहूपहुंसरविगतनाचपल
कियोजलस्नान १६०९ रागजैतसिरी जा·
गौंतोकौंफुरिगनाहींउरिलागीसुकलान
जानोसांचमिलेमनमोहनभूलिरहीसउ
मान नैनदरिसैंमरकाइपगीमनुराषेपंच १
संधान मनमुतिमगममेरीमाईसपनल्हू·
देखलवान १ सूरसमकज्यौंलखमनलागी

सूर
सा
५८३
583

विह्वलह्वैसुरफान ल्याउसजीवनमूरस
केंहरितोयेरहिहैंप्रान १३०७ रागसारंग
सुनिरीसखीतूंभलीनारि जोअपनेप्यारे।
प्रीतमकोसुपनेहूंदेखतअनुहारि कहाक
हैंहरिचलतहिपालिलेनीदगईअनुहारि
सूरदाससदोऊसुभगसरोवरउमगाचलेमर
जादाडारि १३०८ रागवसंत विछुरेरीमेरे
वालसंघाती निकसनजातप्रानपापीय
फाटतिनाहिवज्रकीछाती हौंअपराध।
निदरयौमथुरानिहीअरिजोवनमदमाती
मोहींजाननिहरिकोचलिनौलाजछाडि।
संगजाती १ हरकननीरनैननभरिसुंदर

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

यह हरसागरका पुस्तक श्रीमन्महाराजा
साहिब रणवीरसिंह बहादुर जी सी एस्
आइ इंद्र महेंद्र सिपर सलतनत् जेह् ।
काश्मीर व तिब्बताधिपतिके पढनेका है

583
34.
243

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri

© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri